শর্মা হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 152 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 23 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जोरहाट में भीषण आगजनी करोड़ों की संपत्ति खाक पेज 3

कोरोना की समीक्षा के लिए केंद्र व राज्य सरकारें सतर्क पेज 4

घबराना नहीं है लेकिन कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करना होगा... पेज 5

जमीन खरीद-फरोख्त मामले में रॉबर्ट वाड्रा की मुसीबत बढ़ी पेज 8

कोरोना को लेकर कड़ी निगरानी और सतर्कता पर दे जोर : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कोरोना वायरस को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब चीन सहित दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। यही कारण है कि भारत में भी को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी इस बैठक में साफ तौर पर कहा है कि कड़ी निगरानी रखने और सतर्कता की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 पर एक उच्च-स्तरीय बैठक में भीड़ भरे सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने, टेस्टिंग बढ़ाने और जीनोमिक सीक्वेंसिंग का आग्रह किया। उसके साथ ही उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कमजोर और बुजुर्ग समूहों के लिए *एहतियात खुराक* को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मोदी ने कोविड-19 पर समीक्षा बैठक में कहा कि जीनोम अनुक्रमण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ मजबूत निगरानी की जरूरत है और इसकी जांच बढ़ाई जानी चाहिए। मोदी ने आत्मसंतोष को लेकर आगाह किया और कड़ी निगरानी की सलाह दी। पीएमओ का बयान में यह भी कहा गया है कि राज्यों को अस्पतालों के बुनियादी ढांचे की परिचालन तैयारियां सुनिश्चित करने की सलाह दी गई। प्रधानमंत्री ने मास्क पहनने सहित कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की सलाह दी। साथ ही साथ बुजुर्गों, संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील समूहों के लिए एहतियाती खुराक पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कोविड अभी खत्म नहीं हुआ है; विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर निगरानी उपायों को मजबूत किया जाए। मोदी ने राज्यों से कहा कि ऑक्सीजन सिलेंडर, वेंटीलेटर, कर्मचारियों सहित अस्पताल के बुनियादी ढांचे की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए कोविड से संबंधित जरूरी सुविधाओं का *ऑडिट* करें। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया और नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के अलावा स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण, गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमेश्वरन अय्यर सहित स्वास्थ्य व गृह मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और अमरीका में कोविड के बढते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। इस सिलसिले में केंद्र सरकार ने बुधवार को एक समीक्षा बैठक की थी। इससे पहले संसद में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि कोरोना महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, ऐसे में टीका लेने के साथ सभी को सतर्क रहना चाहिए तथा केंद्र सरकार ने महामारी को लेकर कभी राजनीति नहीं की है। उन्होंने कहा कि आने वाले त्योहार और नये साल के मद्देनजर राज्यों को सतर्क रहकर लोगों के बीच मास्क पहनने, हाथ धोने,

-शेष पृष्ठ दो पर

सतर्क रहें और करें सुरक्षा उपायों का पालन : मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि कोरोना महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, कोविड समय-समय पर अपना स्वरूप बदल रहा है, ऐसे में टीका लेने के साथ सभी को सतर्क रहना चाहिए एवं सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले त्योहार और नए साल के मद्देनजर राज्यों को सतर्क रहकर लोगों के बीच मास्क पहनने, हाथ धोने, साफ-सफाई और सामाजिक दूरी बनाकर रखने जैसे प्रोटोकाल के प्रति जागरुकता लाने की सलाह दी गई है। विश्व के कुछ देशों में पिछले दिनों कोविड-19 के बढ़ते मामलों के परिप्रेक्ष्य में संसद के दोनों सदनों में स्वत: संज्ञान लेते हुए अपने बयान में मांडविया ने कहा कि पिछले तीन साल में कोविड-19 ने वैश्विक स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा किया है जिससे हर देश प्रभावित हुआ है। पिछले कुछ समय में कुछ देशों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि भारत में एक साल में इसमें सतत कमी आई है और अभी औसतन प्रतिदिन 153 नए मामले

-शेष पृष्ठ दो पर

हमें चिंतित होने की जरूरत नहीं : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम के लोगों को चीन में कोविड मामलों की बढ़ती संख्या से घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि राज्य में फिलहाल कोई पॉजिटिव केस नहीं हैं। भारत और अन्य देशों के टीके बहुत बेहतर हैं, लेकिन चीन के टीके बहुत कमजोर हैं, जिसके कारण उस देश में इसका प्रकोप बढ़ गया है। शर्मा ने कहा कि कोरोना के इस लहर का असर भारत में ज्यादा होगा इसकी संभावना बेहद कम है। इसके साथ ही हमें यकीन है कि केंद्र सरकार निश्चित रूप से स्थिति पर कड़ी नजर रखेगी। भारत के स्वास्थ्य और राजनीतिक मानचित्र के केंद्र में कोविड वापस आ गया था, जिसमें सरकार ने लोगों को टीका लगाने और मास्क लगाने की सलाह दी थी, और कहा था कि चीन और अन्य देशों से आने वाले यात्रियों के लिए हवाई अड्डों पर यादृच्छिक नमूना परीक्षण किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक कोविड समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया, भले ही अब तक केस लोड में कोई समग्र वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि कोविड अभी खत्म नहीं हुआ है। मैंने सभी संबंधितों को सतर्क रहने और निगरानी मजबूत करने का निर्देश दिया है। हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अनुसार, असम में पिछले 24 घंटों के दौरान 112 परीक्षण किए गए, लेकिन कोई सकारात्मक मामला सामने नहीं आया। राज्य में 2020 में वायरस के प्रकोप के बाद से 7,46,100 सकारात्मक मामले सामने आए हैं, जबकि अब तक कुल 5,02,79,621 लोगों को टीका लगाया जा चुका है।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

चाय बागानों को निजी संस्थानों को पट्टे पर दिया जाएगा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को जनता भवन (असम सचिवालय) स्थित अपने कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में असम चाय मजदूर संघ सहित अन्य पक्षकारों के साथ असम चाय निगम के अंतर्गत चाय बागानों के सामने चुनौतियां और आने वाले दिनों में उठाए जाने वाले कदमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि असम चाय निगम के

-शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने बहुउद्देश्यीय भवन की रखी आधारशिला

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को असम विधानसभा के आवासीय परिसर में लगभग 14 करोड़ रुपए की लागत से एक बहुउद्देश्यीय भवन की आधारशिला रखी। इस अवसर पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राजधानी परिसर को सुंदर बनाने के लिए पिछले कुछ दिनों से कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने कार्य संस्कृति की मानसिकता विकसित करने, अतिथियों की देखभाल करने और स्वस्थ जीवन का वातावरण बनाने के लिए राजधानी परिसर के सौंदर्यीकरण पर जोर दिया है। फिलहाल असम विधानसभा के नए भवन का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है और इस नए भवन का निर्माण कार्य अप्रैल तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज शिलान्यास

-शेष पृष्ठ दो पर

S.S. Traders
Premium Quality Hinges
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सोनिया गांधी का बयान समझ से परे : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका को लेकर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की टिप्पणी को अशोभनीय करार दिया है। सोनिया गांधी ने कहा था कि सरकार न्यायिक सुधार के बहाने न्यायपालिका को कमजोर करना चाहती है। संसद के उच्च सदन में बोलते हुए धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका को लेकर सोनिया गांधी का बयान उनकी समझ और सोच से परे है। उन्होंने कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी पूरी तरह अनुचित है, जो लोकतंत्र में विश्वास की कमी का संकेत देती है। राज्यसभा के सभापति जगदीप

-शेष पृष्ठ दो पर

केरल में बगैर डॉक्टरी पर्ची के एंटीबायोटिक्स बेचने पर रोक

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने राज्य में एंटी-माइक्रोबियल दवाओं का दुरुपयोग रोकने के लिए बगैर पर्ची के एंटीबॉयोटिक्स दवाएं बेचने पर रोक लगा दी है। ऐसा करने वाली दवा दुकान या फार्मेसी का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। केरल सरकार ने माना है कि एएमआर दवाओं अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग के कारण ड्रग एएमआर रेसिस्टेंस (एएमआर) प्रतिरोधक पैथोजेन्स का तेजी से विकास होता है। इसलिए बगैर डॉक्टरी परामर्श के इन दवाओं का विक्रय नहीं किया जा सकेगा। राज्य सरकार ने सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्मार्ट प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स को सरकार की गतिविधियों को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

-शेष पृष्ठ दो पर

नहीं रूकेगी भारत जोड़ो यात्रा : राहुल

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने *भारत जोड़ो यात्रा* को रोकने से इनकार कर दिया है। राहुल गांधी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के लिखे पत्र पर जवाब देते हुए कहा कि सरकार भारत जोड़ो यात्रा को रोकने के बहाने तलाश रही है। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे चिट्ठी लिखी गई कि यात्रा बंद करो कोविड आ रहा है, लेकिन यह यात्रा रोकने के लिए बहाना बनाया जा रहा है।

-शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

व्यसनी व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

फ्लाइट्स रोकने पर फैसला स्वास्थ्य मंत्रालय के ऊपर

नई दिल्ली। चीन में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इस बीच भारत में अब चीन से आने वाली उड़ानों को रोकने की मांग उठने लगी है। एक दिन पहले ही कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और आज दिल्ली महिला आयोग ने चीन से आने वाले विमानों को रोकने की मांग की। अब इस पर नागर विमानन मंत्रालय ने जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि फ्लाइट सेवाओं पर प्रतिबंधों को लेकर उसे स्वास्थ्य मंत्रालय से समन्वय की जरूरत होगी। केंद्र सरकार के सूत्रों के मुताबिक, अभी भारत और चीन के बीच कोई सीधी यानी

-शेष पृष्ठ दो पर

एलएसी पर स्थिरता बनाए रखने को भारत-चीन सहमत

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच मई, 2020 से ही वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य विवाद चल रहा है लेकिन इस दौरान दोनो देशों ने बातचीत का सिलसिला कभी टूटने नहीं दिया है। इस क्रम में 09 दिसंबर, 2022 को अरूणाचल प्रदेश के तवांग जिले में सैन्य संघर्ष होने के ठीक 11 दिनों बाद (20 दिसंबर) भारत व चीन के कोर कमांडरों की अगुवाई में बातचीत हुई जिसमें एलएसी व मौजूदा तनावों को लेकर हर पहलू पर चर्चा हुई। संकेत है कि इसमें तवांग में हुई झड़प से जुड़े मुद्दों पर भी बात हुई है क्योंकि दोनो पक्षों की तरफ से कहा गया है कि पश्चिमी सीमा पर स्थिरता बनाए रखने की सहमति बनी है। मई, 2022 के बाद यह कोर कमांडरों की अगुवाई में की गई 17वें दौर की बातचीत थी और दोनो तरफ से कहा गया है कि यह खुले माहौल में और रचनात्मक रही है। भारत और चीन की तरफ से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि चुशूल-मोल्डो सीमा पर चीन की सीमा में यह बातचीत हुई है। इसमें 17 जुलाई, 2022 को हुई बैठक में लिए गए फैसलों के पालन से जुड़े मुद्दों पर बात हुई है। साथ ही पश्चिमी सीमा से जुड़े कुछ प्रासंगिक मुद्दों पर भी खुल कर व रचनात्मक बातचीत हुई है। कमांडरों ने अपने शीर्ष नेताओं के निर्देश को ध्यान में रखते हुए गहरी बातचीत की है ताकि पश्चिमी सीमा पर अमन व शांति स्थापित करने में मदद मिले और द्विपक्षीय संबंधों क सुधारने में भी प्रगति हो।

-शेष पृष्ठ दो पर

दस लाख के एक टॉयलेट में एक साथ दो सीटें

बस्ती। कई बार सरकारी पैसों की किस तरह बर्बादी होती है इसका एक जीता जागता उदाहरण सामने आया है। खबर है उत्तर प्रदेश के बलिया से जहां एक शौचालय में एक साथ दो शौचालय सीट लगा दी गई। किसने और क्या सोचकर एक साथ दो सीट लगवाई ये चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के गौरा धुंधा गांव में शौचालय परिसर में सार्वजनिक शौचालय (इज्जतघर) बनाया गया। दस लाख रुपए की लागत से बने इस शौचालय में एक साथ दो सीटें लगा दी गई। दोनों सीटें एक दूसरे के ठीक अगल-बगल लगी है। कमाल की बात ये है कि एक साथ जिस कमरे में ये दो सीटें लगाई गई है उसके बाहर दरवाजा भी नहीं है। कल्पना कीजिए कि किसी को सार्वजनिक शोचालय

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पाकिस्तान में 50 आतंकियों ने थाने को लूटा, ले गए हथियार

पेशावर। पाकिस्तान के दक्षिणी वजीरिस्तान में दर्जनों सशस्त्र आतंकवादियों ने वाना पुलिस स्टेशन पर धावा बोल दिया और हथियार लूट कर फरार हो गए। पुलिस ने हमले की पुष्टि की है। खबरों के अनुसार थाने में मौजूद अधिकारी रहमान वजीर ने बताया कि रॉकेट लांचर और भारी हथियारों से लैस आतंकवादी वाना में पुलिस थाने में घुस गए। डॉन ने बताया कि उन्होंने कहा कि करीब 50 आतंकवादी स्टेशन के सामने के गेट को उड़ाने के बाद अंदर घुसे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकवादियों के सामने भारी संख्या में थाना प्रभारी सहित लगभग 20 पुलिसकर्मियों ने कुछ समय तक संघर्ष किया, लेकिन बाद में उन्हें बंधक बना लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया

पर साझा किए गए वीडियो में रात के अंधेरे में स्टेशन पर रॉकेट और ग्रेनेड से भारी बमबारी दिखाई गई। हमले के बाद हमलावर पुलिस वैन में हथियार लेकर फरार हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय पुलिस ने कहा कि आतंकवादी स्टेशन से सिर्फ आठ एके-47 राइफलें ही ले गए। हमले में एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया, जबकि एक कथित आतंकवादी मारा गया। सूत्रों के मुताबिक, फ्रंटियर कोर (एफसी) के जवानों के साथ मुठभेड़ में कथित आतंकवादी मारा गया। बाद में उसका शव बागीचा इलाके से बरामद किया गया। हमले के बाद पुलिस स्टेशन को कुछ समय के लिए एफसी ने अपने कब्जे में ले लिया, लेकिन बाद में मंगलवार दोपहर तक इसे वापस पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने कहा कि आसपास के इलाकों से वाना में और बल तैनात किया गया है और वर्तमान में स्टेशन के अंदर 100 पुलिसकर्मी हैं। हमले से इलाके में दहशत फैल गई और स्थानीय लोगों ने इस पर नाराजगी जताई। एक स्थानीय बुजुर्ग शाकिर खान ने कहा कि *अच्छे और बुरे तालिबान* सरकार की रचना हैं और स्थानीय लोगों का उनसे कोई लेना-

एम्स में स्टाफ को मास्क पहनना अनिवार्य, 5 से ज्यादा इक्टठे होना मना

नई दिल्ली। चीन सहित अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए एम्स ने अपने कर्मचारियों को कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करने का आदेश जारी किया। सभी को कार्यस्थल पर अनिवार्य रूप से मास्क पहनने और एक जगह पर एक साथ पांच से अधिक लोगों के इकट्ठे होने से बचने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को कोरोना के पांच नए मामले सामने आए। जबकि पिछले 24 घंटे में एक मरीज की मौत हो गई और आठ मरीज ठीक हुए। संक्रमण दर 0.19 प्रतिशत रही। मौजूदा समय में दिल्ली में कोरोना के 27 सक्रिय मरीज हैं। 19 मरीज होम आईसोलेशन में और तीन मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। जिनमें से एक मरीज आक्सीजन सपोर्ट पर है। कंटेनमेंट जोन की संख्या तीन है। एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक सुरेश कुमार ने गुरुवार को लोगों से अपील की है कि वो कोविड-19 की एहतियाती खुराक लें। साथ ही आगामी त्योहारों पर भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने लोगों से मास्क पहनने की अपील की है। साथ ही कहा है कि जिन्होंने बूस्टर डोज नहीं लगवाई है, वो लोग जरूर लगवा लें।

गरिया-मोरिया परिषद के अध्यक्ष पर हमला

धुबड़ी (हि.स.)। अखिल असम गरिया-मोरिया-देशीय जातीय परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष शाहनवाज हुसैन गुरुवार को तीन हमलावरों के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावरों ने धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा इलाके में इस हमले को अंजाम दिया। हमलावरों ने उन पर उस समय हमला किया जब वह बिलासीपाड़ा अनुमंडल न्यायालय से बिलासीपाड़ा शहर की ओर जा रहे थे। हमले में शाहनवाज हुसैन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। संगठन की ओर से आह्वान किया गया है कि अगर 24 घंटे के अंदर हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो अनिश्चितकाल के लिए बिलासीपाड़ा को बंद रखा जाएगा।

राजगढ़ में खुला शुद्ध शाकाहारी बेकरी कैफे वैनिला ग्रेन

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वा र गुवाहाटी में पहली बार अत्याधुनिक युरोपियन स्टाइल बेकरी व कैफे वैनिला ग्रेन का शुभारंभ हुआ है, जो पूर्णरूप से शाकाहारी है। महानगर के राजगढ़ रोड़ में बाई लेन 9 के सामने स्थित वैनिला ग्रेन के भीतरी हिस्से को विशेष रूप से युरोपियन लुक और स्टाइल की थीम को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि ग्राहको को एक अलग तथा शांत माहोल का अहसास हो सके। बेकरी के मालिक हेमन्त कुमार मरदा व बनवारी लाल माहेश्वरी ने बताया कि कैफे 2000 वर्गफुट में फैला हुआ है, जहां एक समय पर 40 से अधिक लोग एक साथ बैठ कर बेकरी व कैफे में लजीज व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। वैनिला ग्रेन में फ्रेश ब्रेड, कुकीज, केक की विभिन्न वैराइटी, स्वादिष्ट कॉंटिनेन्टल फुड, मॉकटेल, कॉफी आदि बहुत ही स्वच्छ और शान्त वातवरण में उपलब्ध हैं। गौरव मरदा ने बताया कि हमारे आउटलेट में कस्टमाइज केक गिफ्ट हैंपर्स, ताजा बेकरी आइटमस के लिए ग्राहक अग्रिम आर्डर कर सकते हैं। कैफे में जन्मदिन पार्टी, सालगिरह, किटी, मिटिंग, गेट-टुगेदर आदि आयोजन भी प्री बुकिंग के आधार पर किए जा सकते हैं।

रंगिया से हेरोइन जब्त, एक गिरफ्तार

रंगिया (निसं)। रंगिया पुलिस ने बृहस्पतिवार की संध्या करीब 7.15 बजे रंगिया थाना अंतर्गत बनगांव रेलवे ओवरब्रिज के पास एक अभियान चलाकर बनगांव निवासी मो. इलियास अली के पास से एक काले रंग का पॉलीथिन बैग बरामद किया। पुलिस ने इस बैग के अंदर से सन्देहयुक्त हेरोइन से भरे 5 साबुन के बॉक्स बरामद किए । बरामद हेरोइन का वजन 65 ग्राम बताया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अभियुक्त के घर में छापा मारकर तलाशी अभियान चलाया और इस दौरान 38000 की राशि जब्त की गई।

वि टी-10 टूर्नामेंट आज से, खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल

गुवाहाटी (विभास)। विप्र युवा असम एवं फ्रेंड्स ऑफ प्रात: खबर के सौजन्य से कल से होने वाले तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है, प्रमोटर्स एवं खिला?ियों के बीच उत्साह का माहौल हर सुबह गुवाहाटी के सभी खेल मैदानों में नजारा देखते ही बनता है। उल्लेखनीय है कि यह टूर्नामेंट सत्यम ग्रुप द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। उक्त टूर्नामेंट के छह टीमों के प्रमोटर्स जीतने के लिए अपने आइकन प्लेयर्स के साथ बाकी खिलाड़ियों को भी पूर्वाभ्यास कराने में जुटे हुए हैं। आयोजकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सुबह 7.50 से टूर्नामेंट शुरू होगा। कल मैदान में सर्वप्रथम उतरने वाली विप्र लायंस बनामं चाय पीयो लीजेंड्स हैं। तत्पश्चात मैदान में उतरने वाली टीमें क्रमश: पराशर वॉरियर्स बनाम काके दे शेर, ग्लोबल ग्लेडिएटर्स बनाम एमवी वॉरियर्स, विप्र लायंस बनाम पराशर वॉरियर्स, एमवी वॉरियर्स बनाम काके दे शेर के बीच कल टूर्नामेंट के पहले दिन का खेल होगा। वहीं दूसरे दिन 24 दिसंबर को ग्लोबल ग्लेडिएटर्स बनाम चाय पीयो लीजेंड्?स, विप्र लायंस बनाम एमवी वॉरियर्स, पराशर वॉरियर्स बनाम चाय पीयो लीजेंड्स, ग्लोबल ग्लेडिएटर्स बनाम काके दे शेर, एमवी वॉरियर्स बनाम चाय पीयो लीजेंड्स के बीच खेला जाएगा। अंतिम दिन 25 दिसंबर को पराशर वॉरियर्स बनाम ग्लोबल ग्लेडिएटर्स, विप्र लायंस बनाम काके दे शेर के साथ ही महिलाओं के लिए भी एक विशेष मैच का भी आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट संयोजक सीए अनूप शर्मा द्वारा मिली जानकारी के अनुसार 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन विप्र टी-10 का फाइनल मैच का आयोजन होगा। गौरतलब हो कि छह टीम क्रमश: चाय पीयो लीजेंड्?स के सान्निध्य सर्राफ एवं सांवरमल शर्मा, एमवी वारियर्स के प्रवीण शर्मा एवं विशाल अग्रवाल, पराशर वारियर्स के दिनेश पारीक एवं परमेश्वर पारीक, ग्लोबल ग्लेडिएटर्स के अभिषेक शर्मा, विप्र लायंस के रोहित शर्मा एवं प्रतीक शर्मा, काके दे शेर के आलोक शर्मा एवं अनूप शर्मा ने अपनी टीम को पूरी तरह विप्र टी-10 लीग के लिए तैयार कर लिया है। विप्र युवा असम एवं फ्रेंड्?स ऑफ प्रात: खबर द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में फ्रेंड्स ऑफ प्रात: खबर के अध्यक्ष नारायण खाखोलिया एवं कार्यक्रम संयोजक शुभम अग्रवाल ने सभी समाज बंधुओं से टूर्नामेंट में शामिल होकर सफल बनने का आह्वान किया है। मालूम हो कि छह टीम क्रमश: चाय पीयो लीजेंड्?स के सान्निध्य सर्राफ एवं सांवरमल शर्मा की टीम में सत्यप्रकाश जाट, आश्रय जैन, संजय टेलर, राहुल सिंघल, पुनीत सेट्ठी, करन मिश्रा, उमंग शर्मा, प्रदीप जोशी, अजय शर्मा, राहुल शर्मा, अंकित शर्मा, हर्ष शर्मा, ऋषभ शर्मा एवं रोशन शर्मा शामिल हैं। वहीं एमवी वारियर्स के प्रवीण शर्मा एवं विशाल अग्रवाल की टीम में मनीष बाहेती, साकेत कोठारी, राहुल बाजोरिया, विशाल अग्रवाल, अंकित जैन, राजेंद्र शर्मा, अभिषेक पारीक, ललित असोपा, उदित सहल, राहुल शर्मा, प्रवीण शर्मा, अभिजीत शर्मा, शिव शर्मा एवं अभय शर्मा शामिल हैं। दूसरी तरफ पराशर वारियर्स के दिनेश पारीक एवं परमेश्वर पारीक की टीम में अंकित बाफना, नारायण करवा, राकेश कुमार प्रजापत, मोहित कुमार वर्मा, महावीर झाकर, मांगीलाल पारीक, गोविंद पारीक, कन्हैयालाल भोजक, पीएल पारीक, दिनेश पारीक, राकेश पारीक, निखिल शर्मा, अमित भोजक एवं देवीदत्त पारीक शामिल हैं। दूसरी ओर ग्लोबल ग्लेडिएटर्स के अभिषेक शर्मा की टीम में राहुल गुप्ता, प्राचीर जालान, मितेश सुराणा, गोविंद चौधरी, हर्ष शर्मा, शुभम भार्गव, सुरेश शर्मा, अभिषेक शर्मा, राहुल वंशीवाल, दीपक शर्मा, विशाल शर्मा, अमन शर्मा, चेतन शर्मा एवं सौरभ शर्मा शामिल हैं। वहीं विप्र लायंस के रोहित शर्मा एवं प्रतीक शर्मा की टीम में राहुल वैद्य, विकास शाह, ऋषभ जैन, हृदय अग्रवाल, चिराग सेकसरिया, धीरज शर्मा, प्रतीक शर्मा, ऋतिक शर्मा, रोहित शर्मा, ललित शर्मा, विनय मिश्रा, मानव शर्मा, रोहन शर्मा एवं गौरव शर्मा शामिल हैं। वहीं काके दे शेर के आलोक शर्मा एवं अनूप शर्मा की टीम में आशीष अग्रवाल, साहिल जैन, केतन कुंडलिया, विनीत सुराणा, अंश डागा, मनीष दाधीच, अनूप शर्मा, राहुल शर्मा, रवि शर्मा, सुभाष शर्मा, अंकित शर्मा, बजरंग शर्मा, गौरव मिश्रा एवं अमिनेष दाधीच शामिल हैं।

CORRIGENDUM

Please refer to this Office NIT No. LSV-13/1/B/E-Tender/2022-23/2487, Dated Guwahati the 20/12/2022 mav please be read as mention below instead of earlier published at NIT.

Director
A.H. & Vet. Deptt. Assam
Chenikuthi, Ghy-03

-- Janasanyog /C/16747/22

पृष्ठ एक का शेष

कोरोना को लेकर ...

साफ-सफाई और सामाजिक दूरी बनाकर रखने जैसे प्रोटोकाल के प्रति जागरुकता लाने की सलाह दी गई है। मांडविया ने कहा कि पिछले तीन वर्ष में कोविड-19 ने वैश्विक स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा किया है जिससे हर देश प्रभावित हुआ है। पिछले कुछ समय में कुछ देशों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है।

सतर्क रहें और करें ...

दर्ज किए जा रहे हैं, जिसकी तुलना में दुनिया में प्रतिदिन 5.87 लाख नए मामले सामने आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जापान, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, इटली और यूनान जैसे कई देशों में कोविड से मृत्यु के मामलों में वृद्धि हुई है। साथ ही चीन में कोविड से संक्रमण और मृत्य के बढ़ते मामलों की खबरें भी मीडिया में आ रही हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्यों ने मिलकर कोविड रोधी टीके की 220.2 करोड़ खुराक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया है और पात्रता वाली 90 प्रतिशत आबादी को दोनों टीके एवं 22.35 करोड़ आबादी को ऐहतियाती टीके लग चुके हैं। मांडविया ने कहा कि कोविड रूपी हमारा यह दुश्मन समय-समय पर अपना स्वरूप बदल रहा है। हमें एक साथ मिलकर दृढ़संकल्प के साथ लड़ाई जारी रखनी होगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों को एहतियात खुराक बढ़ाने और इसके प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिएं। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विदेश से आने वाले यात्रियों में से दो प्रतिशत लोगों के नमूने बिना किसी क्रम के आरटी-पीसीआर जांच के लिए लेने की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वायरस की पहचान, निदान, उपचार और टीकाकरण समेत सभी प्रबंधन सरकार कर रही है और आगे भी इसे चालू रखेंगे।

चाय बागानों को ...

तहत घाटे में चल रही चाय बागानों के प्रबंधन में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए इन चाय बागानों को निजी संस्थानों को पट्टे पर दिया जाएगा, न कि बेचा जाएगा और बागानों का स्वामित्व असम चाय निगम के पास रहेगा। मुख्यमंत्री ने उपस्थित हितधारकों को यह भी बताया कि यदि नए प्राधिकरण, जिन्होंने पट्टे पर बागानों के प्रबंधन की जिम्मेदारी ली है, बागानों के कर्मचारियों और मजदूरों के बकाया का भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो राज्य सरकार ऐसे बागानों के प्रबंधन की जिम्मेदारी वापस ले लेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार बराक और ब्रह्मपुत्र घाटियों के लिए तीन-तीन सदस्यीय समिति का गठन करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि असम चाय निगम से बकाया राशि की रक्षा की जा सके। बैठक में चाय जनजातीय कल्याण मंत्री संजय किशन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा, असम चाय मजदूर संघ के अध्यक्ष पवन सिंह घाटोवार, असम चाय निगम लिमिटेड के अध्यक्ष और विधायक राजदीप ग्वाला, भारतीय चाय मजदूर संघ, असम चाय कर्मचारी संघ, बराक वैली के प्रतिनिधियों के साथ ही राज्य सरकार के शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम ने बहुउद्देश्यीय...

हुए बहुउद्देश्यीय भवन में एक छोटा अस्पताल, एम्बुलेंस पार्क, डिपार्टमेंटल स्टोर, कैंटीन, रसोई, व्यायामशाला आदि उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि भूतल के साथ 33,000 वर्ग फुट के दो ब्लॉक वाली दो मंजिला इमारत की परियोजना लागत लगभग 14 करोड़ रुपए आंकी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के अन्य राज्यों की तुलना में असम की जो दयनीय स्थिति थी, उसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को भविष्य के लिए शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंसान जीवित नहीं रहेगा, लेकिन प्रतिष्ठान हमेशा जीवित रहेगा। इसलिए, ऐसी सुविधाओं को राज्य सरकार द्वारा भविष्य के हित में शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे उस दिशा को उचित महत्व दें जिसमें किसी भी परियोजना को समय पर पूरा किया जा सके और एक मॉडल स्थापित किया जा सके। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से भी आग्रह किया कि भवन का निर्माण निर्धारित समय में पूरा किया जाए। इस अवसर पर असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी और उपाध्यक्ष डॉ. नोमल मोमिन ने भी अपने विचार रखे। इस समारोह में संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका समेत अन्य शीर्ष अधिकारी मौजूद थे।

सोनिया गांधी का...

धनखड़ ने कहा कि यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी का बयान मेरी समझ से परे है। न्यायपालिका को कमजोर करना मेरे विचार से परे है। यह लोकतंत्र का स्तंभ है। मैं नेताओं से आग्रह करता हूं और अपेक्षा करता हूं कि वे उच्च संवैधानिक पदों पर पक्षपात का आरोप न लगाएं। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार न्यायपालिका पर हमले कर रही है और सुनियोजित तरीके से न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिश की चल रही है। साथ ही उन्होंने सरकार पर जनता की नजर में न्यायपालिका की हैसियत कम करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया था। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यह न्यायिक सुधार के लिए उचित प्रयास नहीं है। बल्कि यह जनता की नजर में न्यायपालिका की हैसियत को कम करने की कोशिश है।

केरल में बगैर ...

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, एंटी माइक्रोबियल रेसिस्टेंस (रोगाणुरोधी प्रतिरोधक) का विकास तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगी और पैरासाइट समय के साथ बदल जाते हैं और उन पर दवाओं का असर नहीं होता है। इसके कारण संक्रमण का इलाज करना कठिन हो जाता है और मरीज में बीमारी फैलने, गंभीर बीमारी होने या उसकी मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। मरीज के शरीर में दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधक तत्व पैदा हो जाने के कारण एंटीबायोटिक्स और अन्य रोगाणु नाशक दवाएं बेअसर हो जाती हैं और संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या असंभव हो जाता है। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि बिना डॉक्टर के पर्चे के फार्मेसी से एंटीबायोटिक दवाओं की सीधी खरीद एंटीबायोटिक प्रतिरोध में वृद्धि का एक प्रमुख कारण है। स्वास्थ्य विभाग ने इसे सख्ती से प्रतिबंधित करने के लिए कदम उठाने का फैसला किया है। अब डॉक्टर के पर्चे के बिना एंटीबायोटिक्स बेचने वाली दवा दुकानों के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे। बुधवार को तिरुवनंतपुरम में राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज की अध्यक्षता में हुई केएआरएसएपी (केरल एंटी-माइक्रोबियल रेसिस्टेंस स्ट्रैटेजिक एक्शन प्लान-केएआरएसएपी) की वार्षिक समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। बयान में कहा गया है कि बैठक में केरल में की जा रही रोगाणुरोधी प्रतिरोध गतिविधियों का विस्तार से मूल्यांकन किया गया और मीडिया की मदद से एंटीबायोटिक्स के प्रति जागरूता के लिए गतिविधियों को तेज किया जाएगा।

नहीं रूकेगी भारत...

राहुल ने कहा कि कि आप जितनी कोशिश कर लो हम टूटने वाले नहीं हैं। राहुल ने कहा कि मुझे कहा जा रहा है कि मास्क पहनों, यात्रा बंद करो कोरोना फैल रहा है, ये सब बहाने हैं, ये लोग भारत की सच्चाई से डर गए हैं। राहुल ने कहा कि कुछ भी कर लो, लेकिन हमारी यात्रा कश्मीर तक जाकर रहेगी। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा हरियाणा पहुंच गई है। हरियाणा में यात्रा का दूसरा दिन है। राहुल गांधी ने कि यात्रा में हम 100 दिन से ज्यादा चले हैं। इसमें हिंदू, मुसलमान, सिख व ईसाई सब चले हैं, किसी ने किसी से नफरत नहीं की और न ही किसी ने यह पूछा कि तुम्हारा धर्म क्या है? जाति क्या है? सबने एक-दूसरे का सम्मान किया और गले लगे। राहुल ने कहा कि कल (बुधवार) को हमारे पीसीसी प्रेसिडेंट गिर गए सबने मिलकर उन्हें उठाया, किसी ने यह नहीं पूछा कि तुम किस जाति धर्म के हो। कांग्रेस नेता ने कहा कि लोगों के आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नफरत का हिंदुस्तान नहीं चाहिए। राहुल ने कहा कि संसद में माइक ऑफ कर देते हैं इसलिए हमें कन्याकुमारी से कश्मीर तक यात्रा करनी पड़ी। इस यात्रा में जो हमें सीखने को मिला वह गाड़ी या हेलीकॉप्टर बैठकर जाने में सीखने को नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि मुझे झूठ बोलना अच्छा नहीं लगता। समय लगेगा लेकिन हम करके दिखा देंगे। महंगाई, बेरोजगारी के लिए मोदी जी से बात करनी होगी और उनको जवाब भी देना होगा।

एलएसी पर स्थिरता ...

अंतरिम तौर पर दोनो पक्षों के बीच यह सहमति बनी है कि पश्चिमी सेक्टर पर सुरक्षा व स्थिरता बनाए रखा जाएगा। इसके लिए कूटनीतिक व सैन्य स्तर पर आगे भी बातचीत जारी रखने की सहमति बनी है। पूर्वी लद्दाख में चीन के सैनिकों की एलएसी का उल्लंघन करने के बाद दोनो देशों के बीच विदेश मंत्रालयों अगुवाई में गठित कार्यदल (वर्किंग मेकानिज्म फॉर कंस्लेटेंशन एंड कोआर्डिनेशन ऑन इंडिया-चाइना बार्डर एरिया- डब्लूएमसीसी) की और कोर कमांडरों की अगुवाई में दो अलग अलगे बैठकें चल रही है। डब्लूएमसीसी की 25 दौर की और अब कोर कमांडरों की 17 दौर की वार्ता हो चुकी है। हालांकि अभी तक यह नहीं कहा जा सकता है कि मई, 2020 से पहले की स्थिति बहाल हो गई है। पूर्वी लद्दाख स्थित एलएसी के पास चीन की तरफ से निर्मिति ढांचों को दूर करने की सहमति अगस्त, 2022 में बनी थी और चीन ने इस पर अमल किया है। लेकिन भारत इससे संतुष्ट नहीं है। भारत का मानना है कि पश्चिमी हिस्से में एलएसी को लेकर चीन की रणनीति अभी भी संतोषप्रद नहीं है। दूसरी तरफ, चीन ने सितंबर, 2022 में यह कहा था कि एलएसी पर स्थिति अब काफी हद तक सामान्य है। इस बीच तवांग में दोनो सैनिकों के बीच एक हिंसक झड़प हुई है, जिसमें दोनो तरफ से दर्जनों सैनिकों के घायल होने की सूचना है। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने संसद में बयान दिया था कि, भारतीय सैनिकों ने चीन को जबरन सीमा बदलने की इजाजत नहीं दी। शुक्रवार को जारी साझा बयान से साफ है कि भारत और चीन के बीच अब अरूणाचल प्रदेश-असम-सिक्कम से सटे एलएसी से जुड़े मुद्दों पर वार्ता केंद्रित हो चुकी है। वैसे सीमा विवाद का स्थाई हल निकालने के लिए दोनो देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की अगुवाई में होने वाली बातचीत वर्ष 2019 के बाद नहीं हुई है।

दस लाख के ...

जाना हो तो वो कैसे जाएगा। बनाने वाले ने एक साथ दो सीटें क्या सोचकर लगाई होगी? क्या आपने कभी किसी को एक साथ शौचालय में शौच करते हुए देखा है? दो शौचालय सीट लगाई तो लगाई, बनाने वाले ने कमरे के बाहर गेट भी नहीं लगाया। शौचालय बनाने वाले की कल्पना शक्ति देखिए कि एक साथ एक ही कमरे में दो लोग शौच कर रहे हैं और बाहर का नजारा भी देख रहे हैं। जिला प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जिला पंचायत राज अधिकारी नम्रता शरण के मुताबिक संबंधित अधिकारियों को यह बताने के लिए कहा गया है कि परिसर में शौचालय में दरवाजे क्यों नहीं हैं और कुछ में बिना विभाजन के दो शौचालय सीटें क्यों है?

फ्लाइट्स रोकने पर ...

डायरेक्ट फ्लाइट नहीं है। हालांकि, कुछ अन्य देशों से भारत आने वाले या भारत से दूसरे देश जाने वाले विमान चीन में स्टॉपेज लेते हैं। यानी कुछ कनेक्टिंग विमान चीन से होकर गुजरते हैं। फिलहाल वही विमान कोरोना से प्रभावित चीन आते-जाते रहे हैं। मंत्रालय ने कहा है कि अब तक इन कनेक्टिंग फ्लाइट्स को रोकने को लेकर कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। हालांकि, इस पर आखिरी फैसला स्वास्थ्य मंत्रालय लेगा। वह फ्लाइट्स रोकने को लेकर जो भी सलाह देगा तो इस पर अमल किया जाएगा। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने संसद में कहा है कि जापान, चीन, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों में कोरोना के केसों और मौतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे में सरकार ने पहले से निपटने के लिए तैयारियां कर ली हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार से ही देश भर के एयरपोर्ट्स में कोरोना जांच के लिए आरटी-पीसीआर टेस्टिंग शुरू कर दी है।

स्वर्वेद भाष्य

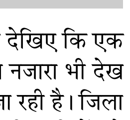

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

रूप रंग ढंग नहिं रहे, जड़ भय शुद्ध स्वरूप।
मन मलीन दुर्वासना, सब ग्रन्थिन तम रूप॥ 19॥

शब्दार्थ : (शुद्ध स्वरूप) चेतन आत्मा का स्वरूप (तम रूप) अंधकारस्वरूप।

भाष्य : प्रकृति के विषय, विकार के बढ़ जाने पर आत्मा का चेतनस्वरूप ढंप जाता है और सब उसके स्वभाव जड़-माया के अनुकूर होने लगते हैं। संसार के विषय-वासनाओं से मन मलीन हो कर सब ग्रंथियों को अंधकारमय कर देता है। मन के अनुकूल ही सब इंद्रियों का व्यवहार होता है और आत्मा मोहावरण में अपने ज्ञान को विस्तृत कर दु:खमय जीवन व्यतीत करने लगती है।

अन्त:करण अच्छादित, आश वासना नाश।
जिव तुम संसारी बने, कौन करे भ्रम नाश॥ 20॥

शब्दार्थ : (अन्त:करण) मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार।

भाष्य : अपने चेतनस्वरूप का ज्ञान न होने के कारण अंत:करण प्राकृतिक आश-वासनाओं से आच्छादित अर्थात ढंप जाता है, तब जीव संसारी हो कर अज्ञान भवचक्र में पड़कर नाना कष्टों को प्राप्त करता ह। अब प्रकृति के अनित्य-संबंध का कारण, भ्रम का नाश कौन कर सकता है? सद्गुरु योग-विज्ञान द्वारा समस्त अज्ञान, मोह और भ्रम का नाश होता है और आत्मा चेतन महान सुख को प्राप्त करती है। जड़ माया और चेतन आत्मा के संबंध होने के कारण अज्ञान है और यह अज्ञान सद्गुरु के ब्रह्मविद्या विवेक, अनुभव-साधन द्वारा नष्ट होता है तब मानव पवित्र और उज्वल होता है।

जोरहाट में भीषण आगजनी करोड़ों की संपत्ति खाक

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिला के मारवाड़ी पट्टी इलाके में लगी भयावह आग के दौरान देखते ही देखते लगभग एक दर्जन दुकान जलकर राख हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती देर रात एक दुकान में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई गई है। बाद में दर्जन भव दुकानें आग की चपेट में आ गई, जिसके चलते सभी दुकानें जलकर राख हो गईं। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची ओएनजीसी, अग्निशमन, एसडीआरएफ सेना और वायु सेना की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने में लगभग 50 से 60 वाहनों का इस्तेमाल किया गया। आग की वजह से करोड़ों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, इस आगजनी में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिला में कालूगांव के पास दा-धारा में बीती रात भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान दादू गोगोई (40) के रूप में की गई है। दादू को एक कार ने कुचल दिया, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि परबतिया दा-चुक के रहने वाले दादू गोगोई कथित तौर पर राजमिस्त्री का कार्य करते हुए अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। आमगुड़ी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जयसागर स्थित शिवसागर सिविल अस्पताल भेज दिया। वहीं दुर्घटना का कारण बनी कार को आमगुड़ी पुलिस ने जब्त कर लिया है। गौरतलब है कि नामती चराली को शिवसागर से जोड़ने वाली संकरी सड़क होने के कारण स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां कई छोटे-मोटे हादसे हो चुके हैं और पिछले दो दिनों में दो लोग पहले भी हादसे का शिकार हो चुके हैं। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

असम के पर्यटन मानचित्र में नया क्षेत्र जुड़ा

सरकार ब्रह्मपुत्र के सैंडबार्स में मेगा सीजनल टूरिस्ट स्पॉट पर कर रही विचार

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के पर्यटन मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने गुरुवार को ब्रह्मपुत्र के रेत पर गुवाहाटी में प्रस्तावित स्थल का दौरा किया और समीक्षा बैठक की। पर्यटन विभाग, असम सरकार द्वारा एक मौसमी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। मंत्री बरुवा ने पीएचई, एपीडीसीएल, सांस्कृतिक मामले आदि जैसे विभिन्न विभागों के अधिकारियों से मुलाकात की और आगामी नए पर्यटन स्थल की तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मीडिया को जानकारी देते हुए, मंत्री बरुवा ने कहा कि स्थानीय और बाहरी दोनों पर्यटकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने के लिए इस अस्थायी क्षेत्र को दो से तीन महीने की अवधि के लिए विकसित किया जाएगा। पर्यटन मंत्री ने कहा कि नदी के किनारे रेत पर विभिन्न साहसिक खेलों, पारंपरिक खेलों, कला और शिल्प और कई नई चीजों की मेजबानी करेगा जो आगंतुकों के लिए सुखद अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नद के घाटों में से एक के लिए विशेष नौका उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस स्थल को नए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। मंत्री ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से कार्यक्रम स्थल में फेरी सेवा, सुरक्षा, सार्वजनिक शौचालय आदि बुनियादी व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की। बैठक में जीएमडीए के अध्यक्ष नारायण डेका, सचिव पर्यटन पद्मपाणि बोरा और संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

अधिवक्ता शाहनवाज पर हमले के विरोध में प्रदर्शन

धुबड़ी (हि.स.)। गरिया-मोरिया देशी जातीय परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष एवं अधिवक्ता शाहनवाज हुसैन पर गुरुवार को हुए हमले की निंदा करते हुए वकील संघ ने विरोध प्रदर्शन किया। शाहनवाज पर तीन उपद्रवियों ने बिलासीपाड़ा उप-विभागीय अदालत के सामने हमला किया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुसैन को बिलासीपाड़ा मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थिति गंभीर होने के बाद बंगाईगांव सदर अस्पताल में ले जाया गया। बाद में उन्हें गुवाहाटी रेफर कर दिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हमले के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गया। हमलावरों में से एक जहीरुल हक है। वकीलों के संगठन ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बिलासीपाड़ा अनुमंडल न्यायालय के सामने प्रदर्शन किया।

अरुणाचल और असम ने सीमा-वार्ता की, विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद

गुवाहाटी (विभास)। अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच क्षेत्रीय समिति स्तर की सीमा वार्ता के तीसरे दौर में अंतर्राज्यीय सीमा से जुड़े कुछ मुद्दों को सुलझाने में सफलता मिली है। दोनों राज्यों के मंत्रियों ने यह जानकारी दी। असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा और अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चौना मीन ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीन सीमावर्ती जिलों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए सौहार्दपूर्ण माहौल में चर्चा हुई। मीन ने कहा कि समिति के सदस्यों ने बैठक में शामिल होने से पहले अरुणाचल प्रदेश में नमसाई और लोहित जिलों तथा असम में तिनसुकिया जिले के विवादित क्षेत्रों का दौरा किया था और विभिन्न पक्षकारों से बात की थी। उन्होंने कहा कि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अब इन इलाकों में कोई मुद्दा नहीं है। बोरा ने कहा कि समिति दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रीयों को रिपोर्ट सौंपेगी, जो इस रिपोर्ट को केंद्र के पास भेजेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के लोग शांति से रहना चाहते हैं। आमतौर पर ये कुछ शरारती तत्व होते हैं, जो सीमा के दोनों ओर अशांति पैदा करते हैं। बोरा ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पड़ोसी राज्यों के साथ सीमा विवाद को सुलझाने की पहल कर रहे हैं और इसमें अब तक काफी प्रगति हुई है। उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी समस्याओं को सुलझाना चाहते हैं, क्योंकि उनकी भी इच्छा है कि पूर्वोत्तर के लोग सौहार्द से रहें। मीन ने कहा कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण पिछले सात दशक से सीमा विवाद पर चर्चा लंबित थी। उन्होंने कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद उसके नेताओं ने अंतर्राज्यीय सीमा विवाद का स्थायी समाधान तलाशने की पहल की। क्षेत्रीय स्तर की वार्ता का पहला दौर नामसाई में और दूसरा दौर डिब्रूगढ़ में आयोजित किया गया था। दोनों राज्य 804.1 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। अरुणाचल प्रदेश, जिसे 1972 में केंद्र-शासित प्रदेश बनाया गया था, ने आरोप लगाया है कि मैदानी इलाकों में कई वन क्षेत्र, जो पारंपरिक रूप से उसके पहाड़ी आदिवासी प्रमुखों और समुदायों से संबंधित थे, एकतरफा रूप से असम में स्थानांतरित कर दिए गए थे। 1987 में अरुणाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा मिलने के बाद एक त्रिपक्षीय समिति गठित की गई थी, जिसने सिफारिश की कि कुछ क्षेत्रों को असम से अरुणाचल में स्थानांतरित किया जाए। असम ने सिफारिश का विरोध किया और मामला उच्चतम न्यायालय में है।

नि:शुल्क प्राथमिक नेत्र जांच शिविर

शोणितपुर (हि.स.)। ईआरसी आई अस्पताल के तत्वावधान में गुरुवार की सुबह से आरोग्य स्वास्थ्य मिशन की पहल के तहत अखिल असम जातीयतावादी युवा सम्मेलन और नदुवार प्रेस क्लब के सहयोग से शोणितपुर जिला के जामुगुरीहाट के उत्तर क्षेत्र के धोबीखोला एमवी स्कूल में एक नि:शुल्क प्राथमिक नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सतिया क्षेत्रीय पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बोरा ने किया। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि वृहद जामुगुरीहाट के पिछड़े क्षेत्र में ईआरसी आई हॉस्पिटल के तत्वावधान में दोनों संगठनों के सहयोग से नि:शुल्क प्राथमिक नेत्र जांच शिविर का आयोजन कर प्राथमिक नेत्र परीक्षण के माध्यम से गरीबों को उपचार उपलब्ध कराने का कार्य सराहनीय है।

हाजो में मनाया गया गणित दिवस

रंगिया (हि.स.)। महान भारतीय गणितज्ञ रामानुजन की आज जयंती है। इसके मद्देनजर कामरूप ग्रामीण जिला के हाजो के जपिया में गणित दिवस मनाया गया। गणित दिवस का आयोजन स्वयंसेवी संस्था एड एट एक्शन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन शिक्षक मनमोहन चौधरी ने किया। इस मौके पर कई प्रमुख व्यक्तियों ने छात्र-छात्राओं को गणित दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। एनजीओ के पदाधिकारी पोपी डेका की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय इलाके के कई विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर हाजो के दो वरिष्ठ पत्रकार मदन दास और हीरक दास को कंटेंट पर्सन के रूप में सम्मानित किया गया।

राज्य में आयोजित होगी सुशासन पर कार्यशाला आज

गुवाहाटी (हि.स.)। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार तथा प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के तत्वावधान में सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर, 2022% का आयोजन 19 दिसंबर से देश भर में शुरू हुआ, जो 25 दिसंबर को समाप्त होने वाला है। सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव के हिस्से के रूप में, जनता की शिकायतों को हल करने और जनता को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए तहसील मुख्यालय/पंचायत समितियों आदि में शिविर और कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, सरकारी प्रतिष्ठानों में सभी कार्यक्षेत्रों में सुशासन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, पिछले पांच वर्षों के दौरान, विशेष रूप से लोक सेवा वितरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, शिकायत निवारण और के क्षेत्र में जिले में की गई पहलों को शामिल करते हुए सुशासन पर एक कार्यशाला 23 दिसंबर को प्रदेश भर के प्रत्येक जिले में लोक निर्माण आदि का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा, जिले से संबंधित मामलों और कई अन्य गतिविधियों जैसे कि जिला स्तर की पहल आदि पर फिल्म स्क्रीनिंग, कार्यशाला के दौरान संबंधित जिला अधिकारियों द्वारा की जाएगी। इसके अलावा, कार्यशाला के सफल समापन पर, कार्यशाला के दौरान प्रस्तुत की जाने वाली सभी सुशासन प्रथाओं का पालन किया जा सकता है और प्रासंगिक चित्रों के साथ प्रशासन गांव की और पोर्टल पर साझा किया जा सकता है।

एनएच पर चोरी करने वाले गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों से बैटरी और टायर चोरी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक ने बताया कि जोराबाट क्षेत्र के तेरह माइल इलाके में गस्त लगा रही पुलिस की एक टीम ने गुरुवार तड़के संदिग्ध अवस्था में एक ऑटो रिक्शा चालक को देखा, जिसके बाद पुलिस ने तलाशी ली। ऑटो (एमएल-10ए-6885) के भीतर चुराई गई एक ट्रक के एक टायर और दो बैटरी बरामद किया गया। जिसके बाद ऑटो चालक को पुलिस चौकी लाया गया। पूछताछ के बाद पता चला कि टायर और बैटरी चुराई गई है। आटो चालक बादल जी मोमीन (22) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित मेघालय के नंग्पो थाना क्षेत्र के बर्नीहाट पुलिस चौकी इलाके के हल्दी बागान का रहने वाला बताया गया है। घटना के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर जा रही है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय राजमार्ग 6 और 37 के किनारे खड़े वाहनों से बैटरी और टायर चोरी करने का एक गिरोह इलाके में सक्रिय है। इसमें कुछ ऑटो चालक भी शामिल हैं।

अवैध रूप से मवेशी ले जा रहे दो वाहन जब्त, दो गिरफ्तार

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिला धरमतुल पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर अवैध रूप से मवेशी ले जा रहे दो वाहनों को जब्त किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि थाना क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान 7 मवेशियों को ले जा रही दो बोलेरो पिकअप वाहन (एएस-01जीसी-9120 और एएस-01एलसी-3770) को जब्त किया गया। दोनों वाहनों में अवैध तरीके से कार्बी आंगलोंग जिला से मेघालय के पशु बाजार तक पशुओं की तस्करी की जा रही थी। इस मामले में दोनों वाहन चालकों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, एक पशु तस्कर पुलिस अभियान के दौरान फरार होने में सफल रहा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू है इसके बावजूद पशुओं की तस्करी जारी है।

असम स्टेट पावर वर्कर्स यूनियन का धरना

धुबड़ी (हि.स.)। असम स्टेट पावर वर्कर्स यूनियन के कर्मचारियों ने अपनी दस सूत्री मांगों के समर्थन में गुरुवार को लगभग छह घंटे तक धरना दिया। धुबड़ी जिले के गौरीपुर शहर के बीचोंबीच गौरीपुर एपीडीसीएल के असम विद्युत वितरण कंपनी के सहायक महाप्रबंधक के कार्यालय के सामने कर्मचारियों ने धरना देते हुए नारेबाजी की। मांगों में मुख्य रूप से सभी श्रेणी के कर्मचारियों की तत्काल पदोन्नति, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के औद्योगिक प्रशिक्षित सहायकों को 3 वर्ष, औद्योगिक प्रशिक्षण नहीं लेने वालों को 5 वर्ष तथा कर्मचारियों को 5 वर्ष के भीतर प्रथम पदोन्नति देने का प्रावधान करने की मांगें शामिल हैं।

करियर काउंसलिंग और कौशल विकास कार्यक्रम

नगांव (निसं)। ओम प्रकाश जाजोदिया हिंदी विद्यालय में करियर काउंसलिंग एवं कौशल विकास कार्यक्रम का अयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में सौरभ बोथरा जैन गुवाहाटी से पधारे साथ ही अमित मोर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। विद्यालय की ओर से मुख्य वक्ता सौरभ जैन को फुलाम गमछा से स्वागत किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अपने छात्र जीवन में कुछ कर दिखाने की चाह रखनी चाहिए। हरेक बच्चों के अंदर टेलेंट छुपी रहती है। इसलिए जरुरी है कि अपने योग्यता की मानसिकता को जगाकर सफलता के पायदान पर चढ़ते रहें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ अन्य तकनीकी शिक्षा के साथ ही अपने कैरियर को सफल बना सकते हैं। इस अवसर पर अमित मोर ने भी कैरियर काउंसलिंग संबंधित बातें कहते हुए छात्राओं से आग्रह किया कि अंग्रेजी सिखना और बोलंना सहज है।

आईआईटी, गुवाहाटी में जेईई एडवांस का एग्जाम शेड्यूल जारी

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी ने जेईई एडवांस्ड 2023 (जेईई एडवांस 2023) की तारीखें जारी कर दी हैं। एडवांस्ड तिथियों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा वेबसाइट पर जारी की गई है। रजिस्ट्रेशन 30 अप्रैल, 2023 से शुरू होगा और रजिस्ट्रेशन 4 मई, 2023 को बंद होगा। रजिस्टर्ड उम्मीदवारों के लिए शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 5 मई, 2023 तक है। परीक्षा 4 जून, 2023 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल हैं प्रत्येक तीन घंटे की अवधि के दो पेपर (पेपर 1 और पेपर 2)। दोनों पेपर में उपस्थित होना अनिवार्य है। एक उम्मीदवार लगातार दो वर्षों में अधिकतम दो बार जेईई (एडवांस) का प्रयास कर सकता है। उम्मीदवारों का जन्म 1 अक्टूबर, 1998 को या उसके बाद होना चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों को पांच साल की छूट दी गई है, यानी इन उम्मीदवारों का जन्म 1 अक्टूबर, 1993 को या उसके बाद होना चाहिए। विदेशी उम्मीदवारों के लिए रजिस्ट्रेशन की तारीख भी जारी कर दी गई है। विदेशी उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 24 अप्रैल से शुरू होगा और 4 मई, 2023 को बंद होगा। विदेशी उम्मीदवारों से रजिस्ट्रेशन शुल्क स्वीकार करने की अंतिम तिथि 5 मई, 2023 तक है।

जेमा की वार्षिक आम सभा और चुनाव संपन्न

गुवाहाटी (नसं)। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) की वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष लक्ष्मीपत दुगड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सभा की शुरुआत राष्ट्र गान से हुई।अध्यक्षीय संबोधन के बाद कोषाध्यक्ष गोपाल पसारी ने आय-व्यय का लेखाजोखा पेश किया, जिससे सर्वसम्मति से पारित किया गया। सचिव अशोक सेठिया ने दो वर्ष में आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी सभा को दी। सह सचिव साकेत राज पुगलिया ने सभा के समक्ष पिछली आम सभा का प्रतिवेदन रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवल किशोर सारडा ने सभा के समक्ष संविधान संशोधन रूप रेखा पेश की जिससे सर्वसम्मति से पारित किया गया। दो साल के कार्यकाल में हुए कार्यक्रमों के लिए सदस्यों को विभिन्न स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। सभा की दूसरे चरण में चुनाव अधिकारी अशोक मालू की अध्यक्षता में चुनावी प्रक्रिया का आयोजन हुआ जिसमें हनुमान मल सुराणा, विजय डागा एवं संजय डोसी का उल्लेखनीय योगदान रहा। मालू ने बताया की कार्यकारिणी सदस्यता चुनाव के लिए कुल 22 नामांकन प्राप्त हुए थे। अध्यक्ष हेतु नवल किशोर सारडा का एक मात्र नामांकन प्राप्त होने के कारण सारडा निर्विरोध चुन लिए गए। कार्यकारिणी के चुनाव में कुल 185 सदस्यों ने मतदान में भाग लिया। जिसमे 12 मत खारिज पाए गए। शेष 173 मतों से 15 सदस्य का चुनाव हुआ। चुनाव संबंधी प्रक्रिया पूर्ण होने पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष सारडा ने चुनाव अधिकारी एवं उनकी टीम का धन्यवाद किया एवं संविधान के नियम अनुसार अन्य 5 सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया। कार्यकारिणी मे अध्यक्ष श् नवल सारडा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोपाल पसारी, उपाध्यक्ष प्रमोद मोर, सचिव साकेत राज पुगलिया, सह सचिव प्रथम अनिल दुगड़, सह सचिव अभिषेक केजरीवाल, कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया, सह कोषाध्यक्ष अभिषेक कागलीवाल व अन्य सदस्यों में अशोक सेठिया, रोहित सुराणा, दीपक अगरवाल, कमल कुमार अग्रवाला, प्रदीप अगरवाल, अजीत सेठिया, मनीष कुमार सिंघी, सौरभ बोथरा, राकेश जैन, राकेश श्यामसूखा, सौरव जैन, पंकज लड्ढा एवं राजेश सोनी तथा मुख्य संरक्षक के रूप में सज्जन अग्रवाल के अतुलनीय योगदान हेतु उनका चयन हुआ। वहीं सलाहकार के रूप में राजकुमार धनुका, अशोक मालू एवं मदन मोहन डागा का चयन हुआ। इस आशय की जानकारी सह मंत्री अनिल दुगड़ ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

कोरोना की समीक्षा के लिए केन्द्र व राज्य सरकारें सतर्क

नई दिल्ली, (हि.स.)। चीन सहित कई देशों में एक फिर कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों के मद्देनजर केंद्र व राज्य सरकारें अलर्ट हो गई हैं। कोरोना की स्थिति की समीक्षा और तैयारियों की समीक्षा करने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली में बैठक की। कोरोना की किसी भी स्थिति से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और दिल्ली सरकार भी चौकन्नी हो गई हैं। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कोरोना की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार को बैठक बुलायी है। चीन में कोरोना से बिगड़ते हालात को देखते हुए बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक अहम बैठक की। बैठक में देश में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के बाद केन्द्रीय मंत्री मंडाविया ने ट्वीट कर बताया कि उन्होंने विशेषज्ञों के साथ बैठक की। अभी कोरोना खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। सभी को सतर्क रहने और निगरानी तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बैठक में मंत्री मंडाविया के अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ भारती पवार और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसी बीच लखनऊ से जानकारी मिली है कि गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोक भवन में एक बैठक करेंगे। इसमें कोरोना की मौजूदा स्थिति और नए वेरिएंट से निपटने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के अलावा कोविड-19 महामारी के दौरान काम कर रही नौ अधिकारियों की टीम मौजूद रहेगी। कोरोना से निपटने के लिए दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी एक आपात बैठक गुरुवार को बुलाई है। इस बैठक में कोरोना से निपटने की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

इस बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के अलावा स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना के ओमिक्रॉन बीए.7 वैरिएंट के देश में संदिग्ध चार मामले सामने आए हैं। इनमें से गुजरात में तीन संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें वडोदरा में दो और अहमदबाद में एक संदिग्ध मरीज मिला है। एक संदिग्ध एक मामला मिला है।

तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संदीप गोयल निलंबित

नई दिल्ली, (हि.स.)। तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संदीप गोयल को निलंबित कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बीती रात उनका निलंबन आदेश जारी किया। सुकेश चंद्रशेखर मामले में लगभग एक महीने पहले उन्हें तिहाड़ जेल के डीजी पद से हटाकर दिल्ली पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने को कहा गया था। सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को पैसे देने के आरोप लगाए थे। साथ ही उसने तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संदीप गोयल को भी 12.5 करोड़ रुपये देने की बात कही थी। सुकेश चंद्रशेखर ने आरोप लगाया था कि सुविधा और सुरक्षा देने के एवज में 12.5 करोड़ रुपये संदीप गोयल

को दिये थे। बीते दिनों केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को मिलने वाली सुविधाओं पर रिपोर्ट मांगी थी। यह रिपोर्ट दिल्ली के मुख्य सचिव से मांगी गई थी। पिछले दिनों ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने अदालत को बताया था कि सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर जेल में सुविधाएं ले रहे हैं। उन्हें सुविधाएं मुहैया भी कराई जा रही हैं। ईडी ने अदालत को बताया था कि तिहाड़ जेल में सत्येंद्र जैन को न केवल हेड मसाज दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें समय- समय पर फूट मसाज और बैक मसाज जैसी सुविधाएं भी दी जा रही हैं। इसी मामले में तिहाड़ जेल के महानिदेशक संदीप गोयल को वहां से हटाया गया था।

प्राइवेट स्कूल के बाद अब सरकारी टीचर अभिभावक को बताएंगे कि बच्चों को टिफिन बॉक्स में खाना क्या दें

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। प्राइवेट स्कूलों के बाद अब दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की सेहत की चिंता दिल्ली सरकार को होने लगी है। दिल्ली के एक हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों छात्रों में देखा गया है कि उनमें पोषण की कमी है। ऐसे में अब सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के शिक्षक अभिभावक को बताएंगे की बच्चों को टिफिन बॉक्स में कौन से व्यंजन देने हैं। छात्रों में पोषण की कमी को पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक फैसला लिया है। इस फैसले के अनुसार, बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए स्कूलों में अल्पाहार शुरू किया जाएगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने एक परिपत्र भी जारी किया है। परिपत्र में कहा गया है कि पोषण व्यक्ति के शारीरिक और संज्ञानात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बच्चों के पूर्ण विकास क्षमता को प्राप्त करने के लिए पोषण आवश्यक है।

खराब पोषण न केवल स्कूली उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि शिक्षा से लाभ पाने की उनकी क्षमता को भी प्रभावित करता है। शिक्षा निदेशालय के अनुसार, स्कूलों में लंच की घंटी बजने से पहले 10 मिनट का अल्पाहार शुरू होगा। स्कूलों से अल्पाहार के लिए साप्ताहिक चार्ट तैयार करने को कहा गया है और उसमें प्रति दिन मौसमी फल, अंकुरित अनाज, भूने चने, मूंगफली आदि में से कोई तीन विकल्प पेश करने को कहा गया है। विभाग ने स्कूलों को गृह विज्ञान के अध्यापकों के परामर्श से कक्षा वार परामर्श सत्र आयोजित करने और स्वास्थ्य वर्धक आहार और अध्ययन एवं शारीरिक गतिविधियों, शारीरिक विकास के बीच संबंध पर विस्तार से बताने को कहा गया है। इसमें अभिभावकों को कम लागत में उच्च पोषण वाले व्यंजनों को बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा और बच्चों को टिफिन में वहीं भोजन देने को कहा जाएगा जिससे बच्चों में पोषण की पूर्ति हो पाए।

कोरोना को लेकर सरकार की सतर्कता पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने चीन में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार की सतर्कता पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने इसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जोड़ने की कोशिश की। कांग्रेस ने सरकार की कोरोना वायरस को लेकर सतर्कता पर तीखा कटाक्ष किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इसकी क्रोनोलॉजी को समझाते हुए गुरुवार को कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा दो दिन बाद दिल्ली में प्रवेश करने जा रही है। ओमीक्रोन के चीनी वेरिएंट बीएफ7 से जुड़े अबतक चार मामले सामने आए हैं। यह भी गुजरात और ओडिशा में जुलाई, सितंबर और नवंबर में सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने इसे लेकर

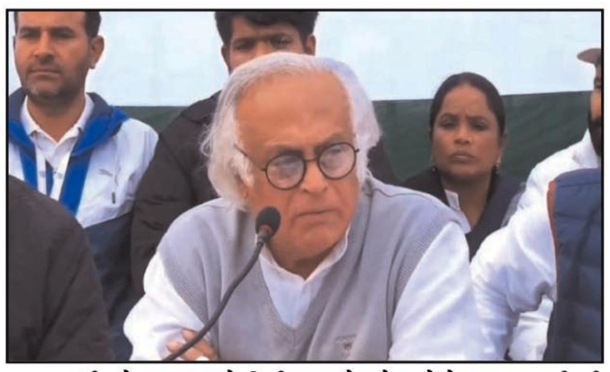

राहुल गांधी को बुधवार को चिट्ठी लिखी। आज प्रधानमंत्री स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। अब इसकी क्रोनोलॉजी समझनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि बुधवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर कोरोना मामलों को देखते हुए अपनी यात्रा स्थगित करने को कहा था। इस पर कांग्रेस नेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री की आलोचना की थी। स्वास्थ्य मंत्री का कहना था कि उन्होंने राजस्थान के सांसदों की सिफारिश पर यह चिट्ठी लिखी है। सांसदों का कहना है कि राहुल की रैली में कई लोग संक्रमित पाए गए हैं। स्वयं हिमाचल के मुख्यमंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित हुए, जिन्होंने राहुल की यात्रा में भाग लिया था।

त्यागी अशोका कृष्णम को मिला साहित्य गौरव सम्मान

विश्व के सबसे बड़ा वर्चुअल कवि सम्मेलन बुलंदी साहित्यिक पंजीकृत अंतरराष्ट्रीय बाजपुर उत्तराखंड संस्था के तत्वाधान में विश्व के 35 देशों के कलमकारों सहित 3970 प्रतिभागियों ने काव्य पाठ किया इस कवि सम्मेलन में को इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में विश्व के सबसे बड़े वर्चुअल 400 घंटे अनावृत चलने वाले कवि सम्मेलन के रूप में दर्ज किया गया जिसमें कुरकावली सम्भल निवासी वरिष्ठ साहित्यकार त्यागी अशोका कृष्णम ने अपनी रचनाएं पढ़कर सहभागिता की।

विमान में सिखों के कृपाण ले जाने की अनुमति के खिलाफ दायर याचिका खारिज

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने घरेलू टर्मिनलों से संचालित होने वाली भारतीय उड़ानों और एयरपोर्ट पर तैनात सिख कर्मचारियों को तय सीमा की कृपाण ले जाने की इजाजत के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये फैसला सुनाया। 15 दिसंबर को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका में कहा गया था कि इस तरह की अनुमति हवाई यात्रा करने वालों के लिए खतरे की वजह बन सकता है। याचिका में ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के 4 मार्च और 12 मार्च के आदेश को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि ये आदेश हवाई यात्रा की सुरक्षा में सेंध लगाने के समान है। इस आदेश में कहा गया है कि कृपाण की कुल लंबाई 9 इंच से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आदेश में कहा गया है कि कृपाण के ब्लेड की कुल लंबाई 6 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए।

केंद्र सड़कों के निर्माण मरम्मत और सड़कों के सौंदर्यीकरण के लिए दिल्ली को 700 करोड़ देगा

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके। सक्सेना के बीच हुई बैठक में फैसला किया गया किऐकेंद्र सरकार राजधानी दिल्ली में सड़कों के निर्माण मरम्मत रखरखाव और सड़कों के सौंदर्यीकरण के लिए दिल्ली को 700 करोड़ रुपये देगी। दिल्ली में सार्वजनिक निर्माण विभाग और दिल्ली एमसीडी जैसी सड़क-स्वामित्व वाली एजेंसियों को राजधानी में सड़क के बुनियादी ढांचे के बदलाव लाने में यह अप्रत्याशित लाभ मिलेगा। एक सूत्र ने कहा कि गडकरी ने एनएचएआई को शहर में अपनी सभी सड़कों की मरम्मत नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण की लागत वहन करने का निर्देश देने के साथ ही महिपालपुर (आईजीआई हवाई अड्डे) और धौला कुआं के बीच सड़क के विस्तार में होने वाली लागत को भी वहन करने का निर्देश दिया। उपराज्यपाल के एक अनुरोध पर कि एनएचएआई दिल्ली में तीन लैंडफिल साइटों पर एकत्र कचरे को उठाता है और 20 लाख टन से अधिक का उपयोग करता है

जिसे वह पहले से ही उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है केंद्रीय मंत्री ने एनएचएआई को कचरा उठाने और सड़क निर्माण गतिविधियों के लिए उसका उपयोग करने का निर्देश दिया। गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि इस तथ्य के बावजूद कि इससे एनएचएआई के लिए ढुलाई में वृद्धि होगी यह राष्ट्रीय राजधानी को कचरे के पहाड़ों को समतल करने में मदद करेगा जो शहर में दशकों से बढ़ गए थे। बैठक एनएचएआई परियोजनाओं जैसे यूईआर-द्वितीय द्वारका एक्सप्रेसवे दिल्ली-देहरादून राजमार्ग और वसंत कुंज सेक्टर सी-डी में समानांतर फ्लाईओवर से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए बुलाई गई थी। गडकरी और एलजी सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि पेड़ काटने स्थानांतरण की अनुमति भूमि का आवंटन आवंटित भूमि का कब्जा सौंपने कचरा संग्रह बिंदु को हटाने बिजली संचरण को स्थानांतरित करने जैसे लंबित मुद्दों के संबंध में लंबित मुद्दे दिल्ली सरकार दिल्ली विकास प्राधिकरण और एमसीडी की ओर से लाइन पहले ही पूरी हो चुकी है।

लंबे समय से लंबित इन मुद्दों को पिछले कुछ महीनों में एलजी द्वारा सक्रिय संचालन के साथ हल किया गया था।

दिशा सालियन मौत मामले की एसआईटी जांच होगी: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मालाड में टेलेंट मैनेजर दिशा सालियन की मौत की जांच स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। इस संबंध में अगर किसी के पास सबूत हैं तो वे एसआईटी को दे सकते हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस मामले में किसी को जानबूझकर परेशान नहीं किया जाएगा। बालासाहेब की शिवसेना के विधायक भरत गोगावले ने विधानसभा में कहा कि 8 जून, 2020 को टेलेंट मैनेजर दिशा सालियन की उनके इमारत से ही गिरने से मौत हो गई थी। इस मौत पर शुरू से ही शक व्यक्त किया जा रहा है। इसलिए मामले की एसआईटी गठित कर पारदर्शी जांच की जानी चाहिए। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के विधायक नीतेश राणे ने कहा कि इस मामले की छानबीन में बिहार पुलिस ने एयू का उल्लेख किया है। नीतेश राणे ने कहा कि एयू का मतलब आदित्य उद्धव ठाकरे हो सकता है, इसलिए मामले में आदित्य ठाकरे का भी नार्को टेस्ट करना चाहिए। इस मुद्दे पर सत्तापक्ष के ही विधायक शोरशराबा कर रहे थे, इससे सदन का कामकाज 5 बार स्थगित करना पड़ा। इसके बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले की

एसआईटी जांच की घोषणा की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने कहा कि दिशा सालियन की मौत के बाद इस मामले की जांच सीबीआई ने की थी और इस मामले को आत्महत्या का मामला माना था। साथ ही दिशा सालियन के माता -पिता खुद राष्ट्रपति से मिलकर उनकी बेटी की मौत के इस मुद्दे पर राजनीति किए जाने पर दुख व्यक्त किया था। इसलिए एक बार सीबीआई की ओर से मामले को आत्महत्या बताए जाने पर फिर से इसकी जांच उचित नहीं है। अजीत पवार ने कहा कि अगर दिशा सालियन की मौत की जांच कर रहे हो तो पूजा चव्हाण मौत मामले की भी जांच करनी चाहिए। पूजा चव्हाण मौत मामले में मंत्री संजय राठोड़ पर आरोप लगाया गया था।

श्रद्धा हत्याकांड: आरोपित आफताब ने जमानत याचिका वापस ली

नई दिल्ली, (हि.स.)। बहुचर्चित श्रद्धा हत्याकांड के आरोपित आफताब ने दिल्ली के साकेत कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली है। आफताब ने कोर्ट से कहा कि वो अभी जेल से बाहर नहीं आना चाहता है। उसके बाद एडिशनल सेशंस जज वृंदा कुमारी ने याचिका वापस लेने की अनुमति दी। 17 दिसंबर को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने आफताब के वकील एमएस खान को बताया था कि आफताब का ई-मेल आया है कि उसने वकालतनामा पर हस्ताक्षर जरूर किया है लेकिन उसे इस बात की जानकारी नहीं है कि जमानत याचिका दायर हो रही है। इस पर एमएस खान ने कहा था कि आफताब पर जरूर कोई दबाव है, जिसकी वजह से वह ऐसा कह रहा है। जब आफताब जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश हुआ तो उसने कहा था कि उसने नया वकील किया है। उसके लिए उसने वकालतनामा पर हस्ताक्षर किया था लेकिन उसकी जमानत याचिका दाखिल की जानी है, उसे इसका पता नहीं है। आफताब अभी न्यायिक हिरासत में है। 21 नवंबर को साकेत कोर्ट ने आरोपित आफताब का पोलिग्राफ टेस्ट करने की अनुमति दी थी।

कोरोना महामारी की रफ्तार देखते हुए संसद में मास्क बना आवश्यक

अजय कुमार

नई दिल्ली। संसद में गुरुवार को एक बार फिर मास्क की अनिवार्यता लौट आई। चीन में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसको देखते हुए संसद में सुरक्षाकर्मियों, अधिकारियों और सांसदों के बीच मास्क का वितरण हुआ और उन्हें मास्क लगाने की सलाह दी गई। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला आज सदन में मास्क लगाकर पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी भी राज्यसभा की कार्यवाही में शामिल होने पहुंचे तो वे मास्क पहने हुए दिखाई दिये। इसके अलावा कई सांसदों ने भी संसद में मास्क का उपयोग किया। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि चीन में बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने एहतियातन मास्क लगाने की सिफारिश की है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमें इस हिदायत का पालन करना चाहिए। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से मास्क पहनने की

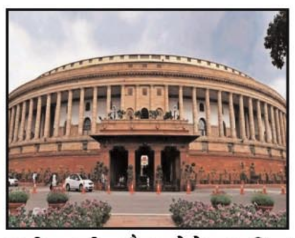

अपील की और कोरोना उचित व्यवहार के प्रति जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पिछले हालातों को देखते हुए हमें पूरी तरह सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्लविश्व के कतिपय देशों में कोविड-19 महामारी के फिर से सक्रिय होने के मामले को देखते हुए सांसदों से सतर्कता और सावधानी बरतने, मास्क का उपयोग करने तथा जनजागरूकता उत्पन्न करने का आग्रह किया जाता है। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में कोरोना महामारी की स्थिति के संबंध में आज एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक चीन में संक्रमण दर में भारी उछाल के बीच हो रही है, जहां आने वाले महीनों में लाखों मौतों का अनुमान लगाया गया है।

विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव खारिज, मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर साधा निधाना

- विपक्ष के हंगामे के बाद विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित

भोपाल, (हि.स.)। मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्य विपक्ष पार्टी द्वारा प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लगाए गए आरोपों का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री के जवाब के बाद सदन में अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत के आधार पर खारिज हो गया। इस दौरान कांग्रेस में जमकर हंगामा किया, जिसके चलते विधानसभा की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बुधवार को कांग्रेस द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव पर देर रात तक चर्चा हुई। इसके बाद बुधवार को सुबह 11.00 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई, जिसमें मुख्यमंत्री चौहान ने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर अपना जवाब पेश करते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने विपक्ष के आरोपों की धज्जियां उड़ाते हुए कहा कि ऐसा लचर अविश्वास प्रस्ताव मैंने तो देखा ही नहीं है। अगर अविश्वास की बात करें तो कांग्रेस में कौन, किस पर विश्वास करता है, समझ में ही नहीं आता है। उन्होंने कहा कि हम पर आरोप लगाए जाते हैं कि हमने सरकार गिराई। 11 दिसंबर 2020 को मतगणना का दिन था। रात के 2:00 बजे तक हमने चुनाव परिणाम देखें और जो परिणाम आए उसमें हमारी 109 सीटें थी कांग्रेस की 114 सीटें थी। रात में मैं निश्चय करके सोया था कि सुबह ही मैं इस्तीफा दे दूंगा। यदि कांग्रेस सरकार ने जनकल्याण और प्रदेश के विकास के लिए कार्य किया होता, तो उनकी ही सरकार के मंत्री उन्हें छोड़कर हमारे साथ न आते। हमारे पास आए साथियों का फैसला सही था और जनता ने उन्हें उपचुनाव में भारी बहुमत से फिर से निर्वाचित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कमलनाथ सरकार में 165 दिन में 450 आईएएस और आईपीएस के ट्रांसफर किए। 15 हजार से ज्यादा तबादले किए गए। वल्लभ भवन दलालों का अड्डा बन गया था। तत्काली मुख्यमंत्री के ओएसडी का जो वीडियो वायरल हुआ, उसके कारण भ्रष्टाचार की विष बेल ऐसी फैली कि पूरे मध्यप्रदेश में त्राहि-त्राहि मच गई। मैं बताना चाहता हूं

कि एक नहीं, कई मामले हैं। सिंचाई परियोजना में घोटाला किया गया। विधायकों को मिलने के लिए समय नहीं दिया जाता था। विधायकों से कहते थे चलो-चलो...। कोई बड़ा ठेकेदार आ जाए, तो उसे बैठाते थे। मुख्यमंत्री के भाषण पर विपक्ष ने सदन में हंगामा कर दिया, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा कि आप अविश्वास प्रस्ताव लाए, आरोप लगाए, अब मुख्यमंत्री के जवाब तो सुन लीजिए। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सज्जन सिंह वर्मा से कहा कि विपक्ष के विधायकों को नियंत्रित करें। सदन के नेता को बोलने का मौका दें। मुख्यमंत्री चौहान ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायकों द्वारा लगाए गए एक-एक आरोप का जवाब सदन में दिया। उन्होंने पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार पर कई जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने भाजपा के विधायकों, नेताओं से बदले की भावना से नियम विरुद्ध जाकर कार्रवाई करने की कोशिश की। संपत्तियों को नेस्तनाबूद करने का कुचक्र रचा, कई दुकानें तोड़ी गईं। हमने राजनीतिक विद्वेष में कभी कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि प्रदेश को अपराध मुक्त बनाने के लिए गुंडे, माफिया, बदमाशों पर कार्रवाई की, उनकी अवैध संपत्तियों को तोड़ा। लेकिन कांग्रेस सरकार ने भाजपा को निशाना बनाया था। जब तक कांग्रेस की सरकार थी बैगा, सहरिया, भारिया सहित अन्य जनजातीय समुदाय के पात्र हितग्राहियों के खातों में राशि नहीं पहुंची थी। कांग्रेस ने जनजातीय समुदाय के साथ भी धोखा किया। गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गई संबल योजना से लाखों गरीबों के नाम कांग्रेस की सरकार ने काट दिए। हमने बच्चों को लैपटॉप देने की योजना शुरू की थी, कांग्रेस सरकार ने लैपटॉप बांटना भी बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि हर घर तक नल से पानी पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल जीवन मिशन योजना शुरूआत की, लेकिन मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार ने यह योजना शुरू ही नहीं की। प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब परिवारों के लिए आवास योजना शुरू की, लेकिन मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार ने मकानों के प्रस्ताव भी लौटा दिए और राज्य के अंश की राशि भी कम कर दी, जिससे लाखों गरीब परिवारों के मकान का सपना टूटा। यदि कांग्रेस सरकार ने जनकल्याण और प्रदेश के विकास के लिए कार्य किया होता, तो उनकी ही सरकार के मंत्री उन्हें छोड़कर हमारे साथ ना आते। हमारे पास आए साथियों का फैसला सही था और जनता ने उन्हें उपचुनाव में भारी बहुमत से फिर से निर्वाचित किया। मुख्यमंत्री के जवाब के बाद अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग हुई और प्रस्ताव अस्वीकृत हो गया। इसके बाद विपक्ष ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

घबराना नहीं है लेकिन कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करना होगा : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, (हि.स.)। दुनिया में कोविड का खतरा बढ़ता देख उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को शासन की महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे के दौरान एक भी कोरोना का नया केस नहीं आया है। बावजूद इसके हमे पूरी सतर्कता बरतनी होगी। भीड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क के लिए जागरूक करें, नए वैरिएंट पर नजर रखें, हर पॉजिटिव केस की जीनोम सिक्वेंसिंग कराएं, कोविड टेस्टिंग और टीके की प्रीकॉशन डोज बढ़ाने समेत अधिकारियों को अन्य महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड प्रबंधन के लिए गठित उच्चस्तरीय टीम-09 के साथ प्रदेश की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई देशों में विगत एक सप्ताह से कोविड के नए केस में बढ़ोतरी देखी जा रही है लेकिन उत्तर प्रदेश में स्थिति सामान्य है। दिसम्बर माह में प्रदेश की कोविड पॉजिटिविटी दर 0.01 प्रतिशत रही है। वर्तमान में कुल एक्टिव केस की संख्या 62 है। विगत 24 घंटों में 27 हजार 208 हजार टेस्ट किए गए। इसमें से एक भी नए मरीज की पुष्टि नहीं हुई। इसी अवधि में 33 लोग उपचारित होकर कोरोना से मुक्त भी हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कोविड से बचाव के लिए ट्रेस, टेस्ट, ट्रीटमेंट और टीका की रणनीति सफल सिद्ध हुई है। संभव है आने वाले कुछ दिनों में नए केस में बढ़ोतरी हो, ऐसे में हमें अलर्ट रहना होगा। यह समय घबराने का नहीं, सतर्क और सावधान रहने का है। कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करना होगा। अस्पतालों, बस, रेलवे स्टेशन, बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाए जाने के लिए लोगों को जागरूक करें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को एक्टिव करें। कोविड की बदलती परिस्थितियों पर सूक्ष्मता से नजर रखी जाए। चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग बेहतर समन्वय के साथ तैयारी करें। राज्य स्तरीय स्वास्थ्य सलाहकार समिति के परामर्श के अनुसार आगे की नीति तय की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार से सतत संपर्क-संवाद बनाए रखें। कोविड के नए वैरिएंट पर सतत नजर रखी जाए। जो भी नए केस मिलें, उनकी जीनोम सिक्वेंसिंग कराई जाए। दैनिक टेस्टिंग को बढ़ाया जाए। गंभीर, असाध्य रोग से ग्रस्त लोगों, बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। कोविड प्रबंधन में इंटेग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की उपयोगिता का हम सभी ने अनुभव किया है। गृह, स्वास्थ्य और नगर विकास विभाग परस्पर समंन्वय के साथ आइसीसीसी को फिर से एक्टिव करने की तैयारी करें। प्रधानमंत्री के मंत्र "जहां बीमार-वहीं उपचार" की भावना के अनुरूप ग्राम प्रधानों, एएनएम, आशा बहनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का सहयोग लिया जाए। सभी अस्पतालों में चिकित्सकीय उपकरणों की क्रियाशीलता, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र, हर अस्पताल में पर्याप्त संसाधन होने चाहिए। चिकित्सा संस्थानों की अद्यतन आवश्यकताओं का परीक्षण करते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों के नए पद सृजित किए जाएं। पुराने पदों में कोई कटौती न की जाए। यह कार्य शीर्ष प्राथमिकता के साथ किया जाए। अच्छी गुणवत्ता के साथ दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हों। यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में जीवनरक्षक दवाओं की कमी न हो। मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन की कार्यपद्धति में सुधार की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री स्तर से विभाग के कार्यों की समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड के नए वैरिएंट के दृष्टिगत प्रीकॉशन डोज लगाए जाने में तेजी की अपेक्षा है। लोगों को प्रीकॉशन डोज की जरूरत और उपयोगिता के बारे में जागरूक किया जाए। प्रयागराज माघ मेले के व्यवस्थित आयोजन के लिए अंतर विभागीय समन्वय के साथ कार्य हो। कल्पवासियों, श्रद्धालुओं, साधु-संतों, को पूर्व में मिलने वाली सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने बाजरा खरीद पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हुई बाजरा की खरीद की प्रगति उत्साहजनक है। अब तक 45 हजार मीट्रिक टन खरीद हो चुकी है। किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी जिले में कमी न हो।

अग्निशमन उपाय को लेकर कुशीनगर के होटलों पर सख्ती

- एक दर्जन होटल व हॉस्पिटल कार्रवाई की जद में

कुशीनगर, (हि.स.)। बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर स्थित होटल, नर्सिंग होम व हॉस्पिटल अग्निशमन सुरक्षा के बनाए गए मानक पर खरे नहीं पाए गए हैं। एसडीएम ने जांच पश्चात इनके प्रबंधकों को नोटिस देकर मानक पूरा करने को कहा है। नोटिस के बाद जगे संस्थान प्रबन्धक अग्निकांड की स्थिति में सुरक्षा उपायों का प्रबंधन करने में जुट गए हैं। इसी क्रम में गुरुवार को होटल रायल रेजीडेंसी में लगाए गए नए अग्निशमन संयंत्र का परीक्षण किया गया। दूसरी तरफ नोटिस के बाद भी कई संस्थानों में कोई सुगबुगाहट नहीं है। दरअसल सितम्बर माह में लखनऊ के हजरतगंज स्थित होटल में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो जाने के बाद अग्निशमन विभाग सक्रियता बढ़ गई। अग्निशमन अधिकारी द्वितीय सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में होटलों की जांच की गई। जिसमें एक दर्जन से अधिक होटल व हॉस्पिटल मानक पर खरे नहीं पाए गए। इनके पास अग्निशमन विभाग की एनओसी भी नहीं थी। जांच रिपोर्ट आने के बाद एसडीएम कल्पना जायसवाल ने प्रबंधन को नोटिस भेज कर मानक का अनुपालन कर एनओसी लेने का निर्देश दिया। किंतु अभी भी कई संस्थान सुरक्षा उपाय को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। जिले के अनेक होटल व हॉस्पिटल में अग्निशमन उपकरण तक नही हैं। कहीं उपकरण लगे भी हैं तो आग लगने की स्थिति में कितने कारगर होंगे यह न तो प्रबंधन जानता है और न कार्यरत कर्मचारी। कई होटल ऐसी जगह पर हैं जहां दमकल वाहन मुश्किल से पहुंच पायेंगे। कई भवनों में आकस्मिक खिड़की, दरवाजा तक नहीं है। कई भवनों में फायर अलार्म व रेत से भरी बाल्टियां तक नहीं रखी गई हैं। जिससे अग्निकाण्ड की स्थिति में सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। एसडीएम कल्पना जायसवाल ने बताया कि बड़े भवनों के लिए अग्निशमन उपाय अनिवार्य शर्त है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है। सम्बंधित सभी संस्थानों का पुनः जांच कराकर सत्यापन किया जाएगा। यदि कमी मिली तो कड़ी कार्रवाई होगी।

सारनाथ से निकली कांग्रेस की भारत जोड़ो प्रादेशिक यात्रा

-सारंगनाथ महादेव और भगवान बुद्ध के दर्शन-पूजन से शुरू हुई यात्रा, शाम को होगा समापन

वाराणसी, (हि.स.)। कांग्रेस के प्रयागराज प्रांत की निकली प्रादेशिक भारत जोड़ो यात्रा आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुकी है। गुरुवार दोपहर में पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में अन्तिम दिन यात्रा की शुरूआत भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश स्थली ऐतिहासिक सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी विहार बुद्ध मंदिर से हुई। यात्रा लेकर निकले पूर्व मंत्री अजय राय ने सारंगदेव महादेव दरबार और भगवान बुद्ध का कार्यकताओं के साथ दर्शन पूजन भी किया। इसके बाद पदयात्रा शुरू की। पदयात्रा पाण्डेय पुर के निकट पहुंची तो कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद खुद भी यात्रा में शामिल हुए। यात्रा हुकुलगंज, तेलियाबाग, लहुराबीर, कबीर चौरा, मैदागिन, चौक, काशी विश्वनाथ दर्शन पूजन, जंगमबाड़ी, मदनपुरा, अस्सी, लंका मालवीय जी की प्रतिमा से भगवान होते हुए सीर (लंका) स्थित संत रविदास मंदिर पर समाप्त होगी। यात्रा के बीच पूर्व विधायक अजय राय ने बताया कि प्रादेशिक भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत 11 दिसम्बर को हुई थी। 11 जिलों से गुजरी यात्रा को लोगों से सम्मान और अपनापन मिला। किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान और व्यापारी सभी ने यात्रा का समर्थन किया है। मथुरा में यात्रा के दौरान भगदड़ से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि भगदड़ हुई, इसका मतलब कि भीड़ हो रही है। भीड़ का होना बताता है कि जनता का झुकाव कांग्रेस के पक्ष में है।

लावारिस नवजात को सीडब्लूसी ने भेजा शिशु गृह

बस्ती, (हि.स.)। जनपद के नगर थाना क्षेत्र के कुश्मौल ग्राम के बाहर लावारिस मिले नवजात शिशु के स्वस्थ होने के बाद न्यायपीठ के आदेश पर शिशु गृह में आवासित कराया गया है। शिशु के माता-पिता की खोज के लिए प्रयास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बीती 16 दिसम्बर को कुश्मौल ग्राम के बाहर एक नवजात बालक लावारिस हालत में पाया गया था। जिसे ग्रामीणों की सूचना पर नगर थाना की पुलिस ने चाइल्ड लाइन को लिखा पढ़ी के बाद सौंप दिया था। शिशु को चाइल्ड लाइन ने 18 दिसंबर को सीडब्लूसी के आदेश पर महिला अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल कराया। बालक के स्वस्थ होने के बाद उसे चाइल्ड लाइन ने न्यायपीठ के समक्ष प्रस्तुत किया। न्यायपीठ बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रेरक मिश्रा, सदस्य अजय श्रीवास्तव, डॉक्टर संतोष श्रीवास्तव, गोवर्धन, मंजू त्रिपाठी की बेंच ने शिशु के सर्वोच्च हित को देखते हुए उसे शिशु गृह में आवासित कराने का फैसला लिया। चाइल्ड लाइन ने स्वास्थ विभाग के सहयोग से बालक को शिशु गृह में आवासित करवा दिया है। न्याय पीठ के अध्यक्ष प्रेरक मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया नवजात लावारिस बालक की सुरक्षा को देखते हुए गृह में आवासित कराने का आदेश दिया गया है। इसी के साथ बालक के जैविक माता-पिता को खोजने का प्रयास भी विभिन्न माध्यमों से किया जा रहा है। एक निश्चित समय तक इंतजार के बाद नवजात के एडाप्शन की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। न्याय पीठ के लिए बालक का सर्वोच्च हित सर्वोपरि है।

पूर्व मंत्री नीलकंठ तिवारी ने रैन बसेरों का लिया जायजा

- पूर्व मंत्री ने कहा कि गरीब लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े

वाराणसी, (हि.स.)। वाराणसी जिले में बढ़ते ठंड के प्रकोप को देख गुरुवार को शहर दक्षिणी के विधायक व प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने टाउनहॉल स्थित शेल्टर होम का जायजा लिया। विधायक ने शेल्टर होम में मौजूद व्यवस्थाओं को परखने के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र के अन्य शेल्टर होम अलईपुर, गोलगड्डा, राजघाट (स्थायी) तथा अस्थायी रैन बसेरा टाउनहॉल, बेनियाबाग व दशाश्वमेध (आरपी घाट) का बुधवार देर शाम निरीक्षण किया। विधायक ने शेल्टर होम में साफ सफाई, रजाई गद्दे व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद उन्होंने हिदायत दी कि यहां ठहरने वाले लोगों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। पूर्व मंत्री ने नगर निगम के जोनल अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि रैन बसेरा में रह रहे गरीब लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही सड़कों पर रह रहे गरीबों को ठंड से बचाव के लिए रैन बसेरों में शिफ्ट किया जाए। इस दौरान उन्होंने राजघाट रैन बसेरा में रह रहे लोगों के साथ-साथ सड़क पर रह रहे जरूरतमंदों को कंबल भी बांटे। पूर्व मंत्री ने निरीक्षण के दौरान साथ चल रहे नगर निगम के जोनल अधिकारी संजय तिवारी एवं राजेश अग्रवाल को रैन बसेरा पर रह रहे लोगों के लिए सभी आवश्यक एवं बुनियादी व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने का निर्देश दिए। बेनियाबाग रैन बसेरा के निरीक्षण के दौरान केयर टेकर द्वारा अनियमितता बरते जाने पर उन्होंने तत्काल केयरटेकर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिए। उन्होंने रैन बसेरों में मच्छरों से निपटने के लिए व्यवस्था, साफ-सफाई एवं शौचालयों को दुरुस्त रखने, लोगों को ठंड से बचाव के लिए सभी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिए। उन्होंने अस्थाई रैन बसेरों में आग से बचाव के यंत्र भी रखे जाने का निर्देश दिया।

बरहरवा टोल प्लाजा टेंडर मामले में नहीं हुई निष्पक्ष जांच : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एस के द्विवेदी की कोर्ट में गुरुवार को साहिबगंज के बरहरवा टोल प्लाजा टेंडर मामले में बरहरवा थाने में दर्ज मामले की 24 घंटे में क्लीन चिट देने के मामले की सीबीआई जांच का आग्रह करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। ईडी की ओर से दायर शपथपत्र का कोर्ट ने अवलोकन किया। इस दौरान कोर्ट ने माना कि इस मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच नहीं हुई है। जल्दबाजी में मामले में जांच अधिकारी ने मामले की जांच की और रिपोर्ट दिया है। वहीं, सुनवाई के दौरान राज्य सरकार, आलमगीर आलम और पंकज मिश्रा की ओर से कोर्ट से समय की मांग की गई। इनकी ओर से कहा गया कि ईडी के शपथ पत्र के बाद वे अपना जवाब दाखिल करना चाहते हैं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 16 जनवरी निर्धारित की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि साहिबगंज के बरहरवा थाने में टोल प्लाजा टेंडर विवाद में शंभू नंदन कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें पंकज मिश्रा पर टेंडर में भाग नहीं लेने की धमकी देने का आरोप लगाया गया था। पंकज ने टेलिफोनिक धमकी दी थी लेकिन पुलिस ने उसके वॉइस रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच नहीं कराई थी। साथ ही आधे घंटे में 14 गवाहों का बयान लेकर पुलिस ने मामले में पंकज मिश्रा और मंत्री आलमगीर आलम को क्लीन चिट दी थी। याचिकाकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया था कि मामले में जांच को प्रभावित करने के लिए इन दोनों को क्लीन चिट दी गई है। याचिकाकर्ता ने इसकी सीबीआई जांच कराने का आग्रह किया है। मामले को लेकर बरहरवा साहिबगंज थाना कांड संख्या 85/2020 दर्ज कराई गई थी। निचली अदालत ने भी मामले में ट्रायल पर रोक लगाई है।

रिम्स की दशा सुधारने की मांग पर सदन के गेट पर लेटे समरीलाल

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरूवार को सदन के बाहर भाजपा विधायकों ने राज्य में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन किया। भाजपा के विधायक विधानसभा की सीढ़ियों पर धरने पर बैठ गए। विरोधी दल के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने कहा कि इस सरकार में झारखंड की बहू बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। अपराधियों को सरकार संरक्षण दे रही है। सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है। वहीं रिम्स की अव्यवस्था को लेकर भाजपा विधायक समरी लाल विधानसभा के मेन गेट के पास कंबल ओढ़ कर लेट गए। उन्होंने कहा कि रिम्स में मरीजों का बुरा हाल है। इस कड़ाके की ठंड में भी बाहर लिटा कर मरीजों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रिम्स में सुधार के लिए कमेटी बनाने जाये, जिससे मरीजों को सही इलाज मिल सके।

कोविड अनुरूप व्यवहार अपनाने की जरूरतः डॉ. कैनेडी

मेदिनीनगर, (हि.स.)। कोरोना के नए वेरिएंट ने चीन में तबाही मचा रखी है। कुछ और देशों में भी एक्टिव है। हमारे देश में भी जल्द ही व्यापक रूप से फैलने की आशंका है। यह बातें पूर्व सिविल सर्जन डॉ जॉन एफ कैनेडी ने कहा। उन्होंने कहा कि जो कोविड अनुरूप व्यवहार अपना कर हमने पिछली लहर पर कंट्रोल पाया था उसे फिर से अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बूस्टर डोज लेना जरूरी है। नए वेरिएंट के खतरनाक होने की संभावना नहीं है परंतु हमें बहुत सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने पलामूवासियों से अपील करते हुए कहा है कि अविलंब बूस्टर डोज लें और कोविड अनुरूप व्यवहार अपनाना फिर से शुरू कर दें।

तृतीय स्नातक स्तरीय कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा की तैयारी पूरी

मोतिहारी, (हि.स.)। अगामी 23 और 24 दिसंबर को कर्मचारी आयोग पटना द्वारा आयोजित होने वाली तृतीय स्नातक स्तरीय संयुक्त(प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी को लेकर स्थानीय नगर भवन में डीएम शीर्षत कपिल अशोक की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि जिले में कुल 17 परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं। जहां 12404 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो पाली में आयोजित होगे। प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से 12:15 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से 4:15 बजे तक होगी। परीक्षा केंद्र के 200 मीटर परिधि में निषेधाज्ञा लागू रहेगी। साथ ही परीक्षा के दिन ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु रखने की पूरी व्यवस्था की जायेगी। बैठक में केंद्रधीक्षक,स्टैटिक दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिन्हे परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर ब्रीफिंग देते हुए डीएम ने कहा कि परीक्षा की गरिमा, पवित्रता एवं विधि व्यवस्था बनाए रखना आप सबका कर्तव्य है। इसे ध्यान में रखते हुए आप लोग कदाचारमुक्त परीक्षा संपन्न कराने में अपनी महत्ती भूमिका निर्वहन करे। उन्होने बताया कि परीक्षा से जुड़े हर पहलू की जिला नियंत्रण द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी। ऐसे में किसी लापरवाही सामने आने पर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

एसएसबी 12वीं बटालियन के जवानों ने तस्करी के 29 मवेशियों को किया जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

किशनगंज, (हि.स.)। एसएसबी 12वीं बटालियन के जवानों ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर तस्करी के 29 मवेशियों को जब्त किया है। एनएच 27 स्थित फरिंगगोड़ा चेक पोस्ट पर की गई कार्रवाई के दौरान कंटेनर सवार एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के बाद एसएसबी 12वीं बटालियन के कमांडेंट मुन्ना सिंह के निर्देश पर एक टीम का गठन किया। टीम फरिंगगोड़ा चेकपोस्ट पर घात लगाकर बैठ गई। इसी दौरान जवानों ने किशनगंज की दिशा से तेज रफ्तार से आ रही कंटेनर को रोका। कंटेनर में 29 मवेशियों को क्रुरता पूर्वक रखा गया था। पूछताछ के दौरान कंटेनर चालक ने मवेशियों के संबंध में ना तो संतोषजनक जवाब दिया और ना ही वैध कागजात प्रस्तुत कर सका। नतीजतन मवेशियों को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर सदर थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। असम के कोकराझाड़ जिले के उदलपुरी भेड़यागुड़ी निवासी आरोपी मैनुल पिता अनिमुद्दीन मवेशियों को तस्करी कर असम ले जा रहा था। गौरतलब हो कि इन दिनों किशनगंज एनएच 27 के रास्ते मवेशियों की तस्करी अत्यधिक तस्कर के द्वारा किया जा रहा। मवेशी तस्कर किशनगंज को सैफ जोन मान वाजपते तस्करी कर रहे है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार पशु तस्कर का किशनगंज बिहार बस स्टैंड में रात्रि 11 बजे के बाद हुजूम लगता है कई बार खबर के माध्यम से खबर प्रकाशित भी किया गया था पर कोई कार्रवाई अब तक नही हुई ये अपने आप मे सवाल है।

एनएसडी और द फैक्ट के राष्ट्रीय नाट्य कार्यशाला का शुभारंभ

बेगूसराय, (हि.स.)। नाट्य और अभिनय प्रशिक्षण के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध राष्ट्रीय नाटय विद्यालय नई दिल्ली एवं देश की चर्चित नाट्य संस्थान द फैक्ट आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के 30 दिवसीय आवासीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला की शुरूआत फैक्ट स्पेस में हो गया। नाट्य कार्यशाला में निदेशक चर्चित रंगकर्मी प्रवीण कुमार गुंजन एवं कार्यशाला सहायक निदेशक एनएसडी पास आउट हरिशंकर रवि के नेतृत्व में देश के ख्यातिलब्ध रंग गुरु पटना के संजय उपाध्याय, नई दिल्ली के अवतार साहनी, चेन्नई के मेलोडी डोरकस, मुम्बई के अनामिका तिवारी एवं एनएसडी स्नातक सिकन्दर कुमार चयनित प्रतिभागियों को रंगकर्म के बारिकियों से अवगत कराएंगे। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों द्वारा एक नाटक भी तैयार किया जाएगा तथा प्रशिक्षण के बाद 19 जनवरी 2023 को समापन समारोह दिनकर कला भवन में होगा। जिसमें छात्रों को एनएसडी द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा तथा उसी दिन प्रवीण कुमार गुंजन के निर्देशन में कार्यशाला में तैयार नाटक की भव्य प्रस्तुति की जाएगी। प्रस्तुत होने वाले नाटक की प्रकाश परिकल्पना चिंटू कुमार करेंगे। बेगूसराय रंगमंच के लिए गर्व का पल है, जहां राष्ट्रीय स्तर की नाट्य कार्यशाला आयोजित हो रही है। पूरे देश से प्राप्त आवेदन के आलोक में कार्यशाला के लिए 21 लड़के एवं पांच लड़कियों का चयन किया गया। जिनमें बेगूसराय के छह सहित पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली एवं बिहार के कई जिले के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

संपादकीय

फिर सतर्क हो जाइए

कोरोना अभी गया नहीं है। यह बात केवल चीन में फैल रही महामारी की सूचनाओं से ही पता नहीं चलती, बल्कि भारत के स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने देश के लोगों को यह संदेश दिया है। बुधवार को कहा गया उनका यह कथन इसलिए गौर करने लायक है क्योंकि भारत में भी अब तक चीन में कोरोना के प्रसारक वैरिएंट बीएफ.7 के तीन मामले रिपोर्ट किए गए हैं जिनमें दो गुजरात और एक उड़ीसा में पाया गया है। यह नया वैरिएंट ओमीक्रॉन वायरस की एक उप-वंशावली है और इसकी सबसे मजबूत संक्रमण क्षमता है क्योंकि यह अत्यधिक संचरित होता है, इसकी ऊष्मायन अवधि कम होती है और इसमें पुनः संक्रमण पैदा करने या उन लोगों को भी संक्रमित करने की उच्च क्षमता होती है, जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। यह अमेरिका, ब्रिटेन और बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस और डेनमार्क जैसे यूरोपीय देशों सहित कई अन्य देशों में पहले ही पाया जा चुका है। चीन के बहुत पड़ोस में होने और व्यापारिक आदान-प्रदान के जीवंत संपर्कों के कारण भारत को कोरोना संक्रमण से सतर्क रहने की पहले ही आवश्यकता थी किंतु नए मामलों ने हमें समय रहते सचेत किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कोविड-19 स्थिति की समीक्षा करके लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने सहित कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करने और टीका लगवाने को कहा। उनकी इस सलाह की देशवासियों को निर्देश मानकर पालना करनी चाहिए क्योंकि यदि संक्रमण फैल गया तो मास्क युग ही फिर से नहीं लौटेगा, हम एक गंभीर संकट में फिर से फंस सकते हैं। सरकार ने देश भर के हवाई अड्डों पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के नमूने लेने शुरू कर दिए हैं। यह एक निरोधक उपाय है जो प्रारंभिक एहतियात है। पर यह देश के लोगों को परिस्थिति की गंभीरता को समझाने के लिए पर्याप्त समझी जानी चाहिए। आगे का काम जनता का है। यह समझना होगा कि भारत की केवल 27-28 फीसदी योग्य आबादी ने ही कोरोना की एहतियाती खुराक ली है। वैश्विक हालात को देखते हुए सरकार ने सभी संबंधितों को सतर्क रहने और निगरानी मजबूत करने का निर्देश दिया है। कोरोना की ताजा लहर की गिरफ्त में केवल चीन ही नहीं है अपितु जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित कई देशों में कोविड-19 मामलों में उछाल आ रहा है। चीन में तो हालात इतने खराब हैं कि अस्पतालों में बिस्तर नहीं मिल रहे हैं। वहां ये हालात अभी और गहरा सकते हैं। विशेषज्ञों का मत है कि अगले तीन महीने में वहां कोई अस्सी करोड़ लोग संक्रमित हो सकते हैं और करीब दस लाख लोगों की मौत हो सकती है। कुछ इसी तरह के आसार अमेरिका में भी बन सकते हैं। ऐसे में अन्य देश कितने बचे रह सकते हैं, यह उनकी सरकारों के उपायों और जनता की जागरूकता पर निर्भर करेगा। भारत ने यद्यपि कोविड से लड़ने में सरकारी सक्रियता, मजबूत इच्छा शक्ति, वैज्ञानिक अनुसंधान में तेजी और लोगों में जागरूकता का प्रदर्शन कर विकट स्थिति को संभालने की कोशिश की थी किंतु तब भी कई मौतों को कोई नहीं रोक सका। इसलिए अब पुनः उसी रिवायत को दोहराने की जरूरत को दरकिनार नहीं करना चाहिए। हमने कोरोना के कम होते ही जिस उपेक्षा और लापरवाही की आदत को अपना लिया है, उसे छोड़ने का आह्वान हो चुका है। के महत्व पर ध्यान दिया। केंद्र ने जांच बढ़ाने और नमूनों को जीनोम सीक्वेंसिंग लेबोरेटरीज को भेजने का राज्य सरकारों से आग्रह किया है ताकि नए वेरिएंट को ट्रैक किया जा सके।

> चीन के बहुत पड़ोस में होने और व्यापारिक आदान-प्रदान के जीवंत संपर्कों के कारण भारत को कोरोना संक्रमण से सतर्क रहने की पहले ही आवश्यकता थी किंतु नए मामलों ने हमें समय रहते सचेत किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कोविड-19 स्थिति की समीक्षा करके लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने सहित कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करने और टीका लगवाने को कहा। उनकी इस सलाह की देशवासियों को निर्देश मानकर पालना करनी चाहिए क्योंकि यदि संक्रमण फैल गया तो मास्क युग ही फिर से नहीं लौटेगा, हम एक गंभीर संकट में फिर से फंस सकते हैं। चीन के बहुत पड़ोस में होने और व्यापारिक आदान-प्रदान के जीवंत संपर्कों के कारण भारत को कोरोना संक्रमण से सतर्क रहने की पहले ही आवश्यकता थी किंतु नए मामलों ने हमें समय रहते सचेत किया है।

अमृत कलश

व्यक्तिगत न लें

आपके आसपास जो कुछ भी होता है, उसे व्यक्तिगत रूप से न लें। अन्य लोग आपके कारण कुछ भी नहीं करते हैं। यह स्वयं के कारण है। सभी लोग अपने सपनों में, अपने ही मन में जीते हैं; हम जिस दुनिया में रहते हैं, उससे बिल्कुल अलग दुनिया में हैं। जब हम किसी चीज़ को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं, तो हम यह धारणा बना लेते हैं कि उन्हें पता है कि हमारी दुनिया में क्या है, और हम अपनी दुनिया को उनकी दुनिया पर थोपने की कोशिश करते हैं ।यहां तक कि जब कोई स्थिति इतनी व्यक्तिगत लगती है, भले ही दूसरे सीधे आपका अपमान करते हों, तो इसका आपसे कोई लेना-देना नहीं है ।वे जो कहते हैं, जो करते हैं, और जो राय देते हैं, वे उन समझौतों के अनुसार होते हैं जो उनके मन में होते हैं। चीजों को व्यक्तिगत रूप से लेना आपको इन शिकारियों का आसान शिकार बनाता है ।वे आपको एक छोटी सी राय के साथ आसानी से जकड़ सकते हैं और आपको जो भी जहर चाहिए, खिला सकते हैं, और क्योंकि आप इसे व्यक्तिगत रूप से लेते हैं, आप इसे खा जाते हैं। यहाँ तक कि अपने बारे में आपके जो विचार हैं, वे भी आवश्यक रूप से सत्य नहीं हैं; इसलिए आपको अपने मन में जो कुछ भी सुनना है उसे व्यक्तिगत रूप से लेने की आवश्यकता नहीं है। कुछ भी व्यक्तिगत रूप से न लें क्योंकि चीजों को व्यक्तिगत रूप से लेने से आप अपने आप को बिना कुछ लिए भुगतने के लिए तैयार कर लेते हैं। जब हम वास्तव में अन्य लोगों को वैसे ही देखते हैं जैसे वे व्यक्तिगत रूप से लेते हैं, तो हम कभी भी उनके कहने या करने से आहत नहीं हो सकते। भले ही दूसरे आपसे झूठ बोलें, यह ठीक है। वे आपसे झूठ बोल रहे हैं क्योंकि वे डरते हैं। जब आप व्यक्तिगत रूप से कुछ भी नहीं लेते हैं तो आपको बड़ी मात्रा में स्वतंत्रता मिलती है।

बोध कथा

भेड़ के झुण्ड में शेर

एक शेरनी गर्भवती थी। गर्भ पूरा हो चुका था ।शिकारियों से भागने के लिये छलांग लगा रही थी कि छलांग लगाकर एक टीले से दूसरे टीले पर तो पहुंच गई लेकिन बच्चा नीचे गिर गया। नीचे भेड़ों की एक कतार गुजर रही थी। वह बच्चा उस झुंड में पहुंच गया था तो वो शेर का बच्चा, लेकिन फिर भी भेड़ों ने उसे अपने झुंड में मिला लिया। शेर उनके साथ रहते हुए अब जवान हो गया। शेर का बच्चा था तो शरीर से सिंह ही हुआ, लेकिन भेड़ों के साथ रहकर वह खुद को भेड़ मानकर ही जीने लगा। एक दिन उसके झुंड पर एक शेर ने धावा बोला। उसको देखकर भेड़ें भागने लगी। अचानक शेर की नजर भेड़ों के बीच चलते शेर पर पड़ी। दोनों एक दूसरे को आश्चर्य से देखते रहे। सारी भेड़ें भाग गईं , शेर अकेला रह गया। दूसरे शेर ने इस शेर को पकड़ लिया। यह शेर होकर भी रोने लगा। मिमियाया, गिड़गिड़ाया कि छोड़ दो मुझे, मुझे जाने दो। मेरे सब संगी साथी जा रहे हैं। मेरे परिवार से मुझे अलग न करो। दूसरे शेर ने फटकारा- अरे मूर्ख ! ये तेरे संगी साथी नहीं हैं। तेरा दिमाग फिर गया है। तू पागल हो गया है। परन्तु वह नहीं माना। वह तो स्वयं को भेड़ मानकर भेड़चाल में चलता था। बड़ा शेर उसे घसीटता हुआ नदी के किनारे ले गया। दोनों ने नदी में झांका। बूढ़ा सिंह बोला, "नदी के पानी में अपना चेहरा देख और पहचान।" उसने देखा तो पाया कि जिससे जीवन की भीख मांग रहा है वह तो उसके ही जैसा है। उसे बोध हुआ कि मैं तो भेड़ नहीं हूं। मैं तो इस सिंह से भी ज्यादा बलशाली और तगड़ा हूं। उसका आत्म अभिमान जागा। आत्मबल से भरकर उसने भीषण गर्जना की। सिंहनाद था वह। ऐसी गर्जना उठी उसके भीतर से कि उससे पहाड़ कांप गये। बूढ़ा सिंह भी कांप गया। उसने कहा, "अरे ! इतने जोर से दहाड़ता है ?" युवा शेर बोला, "मैंने जन्म से कभी दहाड़ा ही नहीं। बड़ी कृपा तुम्हारी, जो मुझे जगा दिया।" इसी दहाड़ के साथ उसका जीवन रूपांतरित हो गया। यही बात मनुष्य के संबंध में भी है। अगर मनुष्य यह देख ले कि जो कृष्ण और श्रीराम में हैं वह उसमें भी है। फिर हमारे भीतर से भी वह गर्जना फूटेगी। अहं ब्रह्मास्मि । मैं ब्रह्म हूँ। गूंज उठेंगे पहाड़। कांप जायेंगे मन के भीतर घर बनाये सारे विकार और महसूस होगा अपने भीतर आनंद ही आनंद।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने का काम धार्मिक पर्यटन ने पूरे देश में कर दिया

भूखा नहीं सोने की भोजन संस्कृति

प्रमोद भार्गव

> सरकार को यह दलील इसलिए देनी पड़ी क्योंकि अ्यायालय ने कहा था कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों तक इस योजना के लाभ को सीमित न रखा जाए। बल्कि अअ्य जरूरतमंदों को भी इसमें शामिल किया जाए ।केंद्र सरकार प्रधानमंत्री गरीब
> कल्याण अअ्न योजना के अंतर्द्यत अवधि तीन महीने और बढ़ाकर पेट की भूख से जूझ रहे लोगों को 2020 से गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे परिवारों को प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज हर महीने निशुल्क दे रही है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्द्यत 81.35 करोड़ लाभार्थी हैं। कोरोना महामारी के दौरान जब काम-धंधे पूरी तरह बंद हो गए थे, तब रोज कुआं खोदकर प्यास बुझाने वाले लोगों के लिए भोजन का संकट गहरा गया था।

सर्वोच्च यायालय ने कहा है कि 'हमारी संस्कृति में भूखा नहीं सोने की अवधारणा है।' हमारा यह पारंपरिक बोध नैतिक, धार्मिक और समाजिक आदर्शों को मिलाकर एक ऐसा मूल्य रचता है, जिसका अनुभव करते हुए भक्तिकालीन कवि कबीरदास करते हैं, 'साईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय। आपहूं भूखा न रहे, साधु न भूखा जाय।' इस अपरिग्रहवादी चेतना का संकेत न्यायालय ने देते हुए केंद्र सरकार से कहा है कि यह सुनिश्चित हो कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत खाद्यान्न अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। न्यायमूर्ति एमआर शाह और हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति तक भोजन पहुंचाना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। न्यायालय कोरोना महामारी के दौरान भारतबंदी के चलते प्रवासी श्रमिकों की कठिनाईयों से संबंधित जनहित मामले पर सुनवाई कर रहा है। अदालत ने इस मामले को स्वतः संज्ञान में लिया है। इस सिलसिले में सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज, हर्थ मंदर और जगदीप झोकर की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि खाद्य सुरक्षा के दायरे में आने वाले लाभार्थियों की संज्ञा बढ़ गई है, अतएव इस परिप्रेक्ष्य में यदि कानून को प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया गया तो कई जरूरतमंद और पात्र लाभार्थी मुफ्त अनाज के लाभ से वंचित रह जाएंगे। सरकार का इस बावत दावा है कि पिछले आठ वर्षों की अवधि में भारत में लोगों की प्रतिव्यक्ति आमदनी में वृद्धि हुई है। यह वृद्धि औसतन 33.4 प्रतिशत तक है। इसलिए प्रतिव्यक्ति बड़ी आमदनी के चलते बड़ी संख्या में गरीब परिवार उच्च आयवर्ग के दायरे में आ गए हैं। सरकार को यह दलील इसलिए देनी पड़ी क्योंकि न्यायालय ने कहा था कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों तक इस योजना के लाभ को सीमित न रखा जाए। बल्कि अन्य जरूरतमंदों को भी इसमें शामिल किया जाए। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अवधि तीन महीने और बढ़ाकर पेट की भूख से जूझ रहे लोगों को 2020 से गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे परिवारों को प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज हर महीने निशुल्क दे रही है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत 81.35 करोड़ लाभार्थी हैं। कोरोना महामारी के दौरान जब काम-धंधे पूरी तरह बंद हो गए थे, तब रोज कुआं खोदकर प्यास बुझाने वाले लोगों के

लिए भोजन का संकट गहरा गया था। अतएव भारत सरकार ने गरीबों को राहत पहुंचाने की दृष्टि से पूर्व से मिल रहे सस्ते अनाज के अतिरिक्ति पांच किलो मुफ्त अनाज देने की थी, जो वर्तमान में भी जारी है। हालांकि इस दौरान तालाबंदी पूरी तरह खोल दी गई है। नतीजतन शहरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाएं पटरी पर लौटने लगी हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने का काम धार्मिक पर्यटन ने पूरे देश में कर दिया है। ऐसे में अन्न योजना अनिश्चित आय वाले लोगों के लिए सोने में सुहागा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून पूरे देश में लागू है। इस कानून के तहत देशभर के 81.35 करोड़ लोगों को 2 रुपए किलो गेहूं और 3 रुपए किलो चावल मिलते हैं। गरीबों अथवा भूखों को मिले इस सस्ते अनाज के अधिकार को इस कानून का उज्जवल पक्ष माना जाता है। लेकिन इतनी बड़ी संख्या में देश के लोग भूखे हैं, तो यह चिंता का विषय है कि आजादी के अमृत महोत्सव में भी यह भूख क्यों बनी हुई है। अतएव संदेह होना लाजिमी है कि नीतियां कुछ ऐसी जरूर हैं, जो बड़ी संख्या में लोगों को रोटी के हक से वंचित बनाए रखने का काम कर रही हैं। पूंजी और संसाधनों पर अधिकार आबादी के चंद लोगों की मुट्ठी में सिमटता जा रहा है। इस लिहाज से भूख की समस्या का यह हल सम्मानजनक व स्थाई नहीं है। इस परिप्रेक्ष्य में अब देश के नीति-नियंताओं की कोशिशें यह होनी चाहिए कि लोग श्रम से आजीविका कमाने के उपायों से खुद जुड़ें और आगे भूख सूचकांक का जब भी नया सर्वेक्षण आए तो उसमें भूखों की संख्या घटती दिखे ? न्यायालय की यही चिंता है। खाद्य सुरक्षा के तहत करीब 67 फीसदी आबादी को रियायती दर पर अनाज दिया जा रहा है। इसके दायरे में शहरों में रहने वाले 50 प्रतिशत और गांवों में रहने वाले 75 फीसदी लोग हैं। इस कल्याणकारी योजना पर 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपए का खर्च सब्सिडी के रूप में दिया जाता है। लोगों तक इस अनाज को पहुंचाने के लिए पीडीएस की 1,61,854 दुकानों पर इपीओएस मशीनें लगाई गई हैं, जिससे अनाज की तौल सही हो। सही लोगों को इसका लाभ मिले, इसके लिए राशन कार्डों को आधार नंबर से भी जोड़ा गया है। बावजूद पूरे देश में यह वितरण प्रणाली संदिग्ध बनी हुई है। निशुल्क अनाज योजना के अंतर्गत एक हजार लाख टन से अधिक अनाज प्रतिमाह बांटा जा रहा है। अब तक इस योजना पर 3.40 लाख करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इसलिए पूंजीवाद के समर्थक अर्थशास्त्री और उद्योगपति इस अनाज को मुफ्त बांटने का विरोध कर रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की भी यही मंशा है। हालांकि भारत सरकार केवल गरीबों को अनाज में सब्सिडी देती हो, ऐसा नहीं है। उद्योगपतियों के भी हजारों करोड़ के कर हर साल माफ कर दिए जाते हैं। सरकारी कर्मचारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के न केवल वेतन बढ़ा दिए जाते हैं, बल्कि सुविधाएं भी बढ़ा दी जाती हैं। इसलिए वंचितों को राहत देना आवष्यक है। दरअसल किसी भी देश के राशष्ट्रप्रमुख की प्रतिबद्धता विश्व व्यापार से कहीं ज्यादा देश के गरीब व वंचित तबकों की खाघ सुरक्षा के प्रति होती है। लिहाजा जेनेवा में 2014 में आयोजित हुए 160 सदस्यों वाले डब्ल्यूटीओ के सम्मेलन में नरेंद्र मोदी ने समुचित व्यापार अनुबंध ; ट्रेड फैलिसिटेशन एग्रीमेंटद्ध पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। इस करार की सबसे महत्वपूर्ण शर्त थी कि संगठन का कोई भी सदस्य देश, अपने देश में पैदा होने वाले खाद्य पदार्थों के मूल्य का 10 फीसदी से ज्यादा अनुदान खाद्य सुरक्षा पर नहीं दे सकता। जबकि भारत के साथ विडंबना है कि खाद्य सुरक्षा कानून और मुफ्त अन्न योजना के तहत देश की 67 फीसदी आबादी खाद्य सुरक्षा के दायरे है। इसके लिए बतौर सब्सिडी जिस धनराशि की जरूरत पड़ती है, वह सकल फसल उत्पाद मूल्य के 10 फीसदी से कहीं ज्यादा बैठती है। इस लिहाज से मोदी ने करार पर हस्ताक्षर नहीं करके यह मंशा जता दी थी कि उनकी सरकार गरीबों के हक में है।

कालेज शिक्षा में होगा सुधार

> अंडरग्रेजुएट कोर्स की अवधि में किया जा रहा बदलाव देश के सभी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लागू होगा। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ अधिकांश राज्य स्तरीय और निजी विश्वविद्यालय भी चार वर्षीय अंडरग्रेजुएट कोर्स लागू करने वाले हैं। तीन साल के अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन ले चुके छात्रों को भी चार वर्षीय पाठ्यक्रम अपनाने की सुधिवा दी जाएगी। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन की ओर से फोर ईयर यूनिवर्सिटी प्रोग्राम को लेकर फ्रेमवै ॅ के अनुसार अब छात्रों को 4 साल में अंडर ग्रेजुएट कोर्स को पूरा करना होगा। नए नियमों के अनुसार छात्रों को कई सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके अनुसार कह सकते हैं कि 12वीं के बाद की प.ाई अब पूरी तरह बदलने वाली है। कहतें है कि नए सेशन में इन नियमों के तहत दाखिला मिलेगा। जो छात्र अगले सेशन में अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम में एडमिशन लेंगे, उ3ह्रें कई तरह के फायदे हैं।

केंद्र ने कॉलेज शिक्षा मे बदलाव की पूरी तैयारी कर ली है। इसी दिशा में 12 दिसम्बर को यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ने फोर ईयर अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम (एफवाईयूपी) की रूपरेखा जारी कर दी है। अभी तक बीए, बीएससी या बीकॉम करने वालों को तीन साल में ग्रेजुएशन की डिग्री मिलती थी। लेकिन अगले साल से ग्रेजुएशन की डिग्री के लिए चार साल तक पढ़ाई करनी पड़ेगी। ख़बरों के अनुसार आने वाले शैक्षणिक सत्र 2023-24 में सभी विश्वविद्यालयों में इसे लागू कर दिया जाएगा। मतलब अगले साल जो छात्र बीए, बीएससी या बीकॉम में एडमिशन लेंगे उनके ये कोर्स चार साल के होंगे। अंडरग्रेजुएट कोर्स की अवधि में किया जा रहा बदलाव देश के सभी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लागू होगा। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ अधिकांश राज्य स्तरीय और निजी विश्वविद्यालय भी चार वर्षीय अंडरग्रेजुएट कोर्स लागू करने वाले हैं। तीन साल के अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन ले चुके छात्रों को भी चार वर्षीय पाठ्यक्रम अपनाने की सुविधा दी जाएगी। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन की ओर से फोर ईयर यूनिवर्सिटी प्रोग्राम को लेकर फ्रेमवर्क के अनुसार अब छात्रों को 4 साल में अंडर ग्रेजुएट कोर्स को पूरा करना होगा। नए नियमों के अनुसार छात्रों को कई सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके अनुसार कह सकते हैं कि 12वीं के बाद की पढ़ाई अब पूरी तरह बदलने वाली है। कहतें है कि नए सेशन में इन नियमों के तहत दाखिला मिलेगा। जो छात्र अगले सेशन में अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम में एडमिशन लेंगे, उन्हें कई तरह के फायदे हैं। नई शिक्षा व्यवस्था में अगर कोई तीन साल साल से पहले पढ़ाई छोड़ देता है तो उसे तीन साल के भीतर फिर से शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही छात्र को सात साल की अवधि में अपनी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने का मौका दिया जाएगा। यूजी कोर्स में एडमिशन लेते समय छात्र जिस कोर्स को चुनते हैं वो सब्जेक्ट बदल सकते हैं। पहले भाग के तीन सेमेस्टर में सभी छात्रों को कॉमन और इंट्रोक्टरी कोर्स की अनिवार्य पढ़ाई करनी होगी। इसी तरह दूसरे भाग के चौथे, पांचवें और छठे सेमेस्टर में एक मुख्य विषय लेना होगा। इसके साथ दो छोटे यानी माइनर सब्जेक्ट का विकल्प मिलेगा। तीसरे भाग में सातवें और आठवें सेमेस्टर को शामिल किया गया है। इसमें छात्रों को ऑनर्स और शोध का विकल्प मिलेगा। यूजी कोर्स में दाखिला लेने वाले शिक्षार्थियों को सभी विषयों में अपनी रुचि के कोर्स चुनने का अवसर मिलेगा। छात्र चाहें तो वह पहले से चले आ रहे तीन वर्षीय अंडर ग्रेजुएशन प्रोग्राम को ही जारी रख सकते हैं। नए नियम के तहत सात साल के भीतर एंट्री-एक्जिट की सुविधा मिलेगी। चार वर्षीय यूजी डिग्री प्रोग्राम वाले छात्र सीधे पीएचडी के लिए पात्र होंगे। पहले साल की पढ़ाई से सर्टिफिकेट, दूसरे में डिप्लोमा, तीसरे में डिग्री और चौथ में आनर्स डिग्री और रिसर्च डिग्री मिलेगी। कॉलेज छात्रों के पास विकल्प होगा कि वो क्लास लेने का तरीका बदल सकते हैं। छात्र ऑनलाइन, ऑफलाइन या डिस्टेंस मोड से क्लास लेने का ऑप्शन चुन सकते हैं। यह बदलाव लम्बे समय से शिक्षा के क्षेत्र मे वांछित थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की गाइडलाइन के अनुसार चार वर्षीय स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवार सीधे पीएचडी कर सकते हैं और उन्हें मास्टर डिग्री की आवश्यकता नहीं होगी। यूजीसी का सर्कुलर जारी होने के बाद विद्यार्थी इस निर्णय से काफी खुश हैं। इसका मुख्य कारण पीजी की डिग्री न करना है। हालांकि यह छात्र इसे जितना आसान सोच रहे हैं यह उतना आसान भी नहीं होगा। चार साल का यूजी कोर्स करने के बाद भले ही विद्यार्थियों का एक साल बच रहा है, लेकिन इसमें उन्हें ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री जरूरी होगी। ग्रेजुएशन डिग्री के साथ उन्हें 12 क्रेडिट का प्रोजेक्ट वर्क भी करना होगा। यूजीसी के अनुसार जो छात्र तीन साल में ग्रेजुएशन करना चाहते हैं, उन्हें 120 क्रेडिट (अकादमिक घंटों की संख्या से मापा जाता है) प्राप्त करने होंगे। जबकि चार साल यूजी कोर्स ऑनर्स की डिग्री के लिए चार साल में 160 क्रेडिट हासिल करने होंगे। ऑनर्स विद रिसर्च के लिए छात्रों के पास 7.9 सीजीपीए यानी 75 प्रतिशत अंक होना जरूरी है। यह डिग्री भी केवल वही कॉलेज करा सकेंगे जिसमें परमानेंट दो पीएचडी गाइड हैं। जिन कॉलेजों में पीएचडी गाइड नहीं हैं, वह यह डिग्री नहीं करा सकते हैं। कुछ ही कॉलेजों में ही यह सुविधा है। यूजीसी के अनुसार स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और क्रेडिट ढांचे को अधिसूचित किया है जो छात्रों को प्रवेश और निकास के लिए कई विकल्प प्रदान करेगा। मौजूदा च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम को संशोधित करके प्रारूप विकसित किया गया है। कार्यक्रम के अनुसार छात्र मौजूदा समय की तरह तीन साल के पाठ्यक्रम के बजाय केवल चार साल की ऑनर्स डिग्री हासिल कर सकेंगे। ऑनर्स डिग्री भी दो श्रेणियों, ऑनर्स और ऑनर्स विद रिसर्च में प्रदान की जाएगी। जारी करिकुलम में अगर कोई छात्र रिसर्च स्पेशलाइजेशन करना चाहते हैं तो उन्हें अपने चार साल के कोर्स में एक रिसर्च प्रोजेक्ट शुरू करना होगा। इससे उन्हें रिसर्च स्पेशलाइजेशन के साथ ऑनर्स की डिग्री मिलेगी। फिलहाल छात्रों को तीन साल के यूजी कोर्स को पूरा करने के बाद ऑनर्स डिग्री मिलती है। विद्यार्थियों से मोटा शुल्क वसूलने वाले महाविद्यालयों को अब शैक्षिक गुणवत्ता सुधार के प्रयास करने होंगे। इससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार होगा। इसके लिए कॉलेजों को संसाधनों के मामले में अपडेट होना होगा। आईसीटी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही कॉलेज में प्लेसमेंट सेल, कॅरियर काउंसलिंग सेल एवं पूर्व छात्र संघ एसोसिएशन की स्थापना के जरिए स्टूडेंट्स को बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराना होगा। इसके साथ ही नैक एक्रीडिटेशन के लिए भी आवश्यक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का गठन करना होगा। बुनियादी सुविधाएं बढ़ानी होंगी। वित्तीय सहायता बढ़ाकर स्टाफ की कमी दूर करनी होगी। उच्च अध्ययन के तहत राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय परीक्षा में सफल स्टूडेंट्स का रिकॉर्ड अरेंज (संभाल) कर कॉलेज की वेबसाइट पर प्रदर्शित करना होगा। कॉलेज में यूजीसी योग्यताधारी शैक्षणिक स्टाफ की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। वहीं शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए प्रोत्साहन, विशेष योग्यजनों के लिए सुविधाएं देनी होंगी। साथ ही शिक्षकों को सम्मेलनों, कार्यशालाओं, शिक्षक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन व वित्तीय सहायता देनी होगी। सरकार देखे कि इस दिशा में ढील तो नहीं है।

नागरिक बोध

वन्य जीव : कानून ज्यादा सख्त बनाना होगा

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन वन्य जीवन संरक्षण संशोधन विधेयक राज्य सभा के पटल पर रखा। इससे पूर्व यह विधेयक मानसून सत्र में अगस्त को लोकसभा में पारित कर दिया गया था। इस बिल का उद्देश्य वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्रायः प्रजातियों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन के बेहतर कार्यान्वयन के लिए एक प्रयास है। विधेयक एक ऐसे प्रावधान के कारण से विवादास्पद था, जिसमें हाथियों का व्यापार करना संभव बना दिया गया था। इस कारण सदन में भारी विरोध के कारण उस प्रावधान को हटा दिया गया। विधेयक पेश करते हुए यादव ने कहा कि जंगली जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्रायः होने वाली प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन सीआईटीईएस के तहत भारत के दायित्वों को पूरा करने के लिए संशोधन पेश किया गया है, क्योंकि भारत सीआईटीईएस का सदस्य है। जिस गति से वन्य जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों का नुकसान हो रहा है, यह समझौता उसी के पालन के लिए संशोधित किया गया था। भारत में वन्य जीवों के अवैध व्यापार के लिए अलग नियमों का प्रावधान किया गया है–जैसा सीमा शुल्क अधिनियम, एक्जिम नीति, विदेश व्यापार महानिदेशालय और वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम के तहत नियंत्रित किया जाता है। सीआईटीईएस ने वन्य जीवों के अवैध व्यापार के लिए अलग नियम का प्रावधान बनाया। यूपीए ने सीआईटीईएस के तहत अपने आश्वासनों को पूरा नहीं किया। लेकिन हम अभी इसे पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। लोक सभा ने इसे पारित कर दिया है। यादव ने कहा कि अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सीआईटीईएस के परिशिष्ट–2 से परिशिष्ट–1 में लाल मुकुट वाले कछुवे और लीथ के सॉफ्ट शेल कछुवे को स्थानांतरित करने के भारत के प्रस्ताव को पनामा में सीआईटीईएस की 19वीं बैठक में पार्टियों के सम्मेलन सीवोपी द्वारा अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि सीआईटीईएस ने छोटे कारीगरों को राहत देते हुए 10 किग्रा. तक की शीशम की लकड़ी में व्यापार पर कैप को मुक्त करने की अनुमति दी है। लोक सभा में पारित विधेयक में वन्य जीवों के लिए राज्य बोर्डों की स्थायी समितियों के गठन से संबंधित प्रावधान बनाया गया है। विशेषज्ञों ने कहा है कि इस प्रावधान से राज्य स्तर पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वन्य जीवन मंजूरी की प्रक्रिया को आसान बनाने की संभावना है क्योंकि पैनल में ज्यादातर आधिकारिक सदस्य शामिल होंगे। अप्रैल में कांग्रेस नेता जयराम रमेश की अध्यक्षता वाली संसद की स्थायी समिति ने केंद्र से बंदी हाथियों के परिवहन के प्रावधानों का स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया था और इसकी कुछ सिफारिशों को केंद्र ने स्वीकार कर लिया था। तत्कालीन संप्रग सरकार ने २००५ में इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आश्वासन दिया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया। यह सरकार इस आश्वासन को पूरा करने के साथ ही १९७२ के कानून में संशोधन करना भी चाहती है।

देश दुनीया से

अक्साई चिन पर अफसोस जाहिर करेगा ड्रैगन

गत नौ दिसंबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में 'यांग्त्से' नामक सैन्य पोस्ट पर साजिश को अंजाम देने के इरादे से आए पीपल लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों का भारतीय सेना के जवानों ने अपने बेखौफ अंदाज में खैर मकदम करके ड्रैगन को सख्त लहजे में पैगाम नसर कर दिया कि यदि एलएसी पर घुसपैठ की कोई हिमाकत बेकाबू होगी तो चीनी सेना का इस्तकबाल इसी शिद्दत से होगा। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने भी तवांग की सैन्य कार्रवाई पर अपने सैनिकों के साहस व जज्बे पर खुशी का इजहार करके अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। भारतीय सैनिकों की दिलेरी के आगे चीनी सेना के तर्जुमान कर्नल 'लॉन्ग शाओहुआ' ने अमन की पैरोकारी के लिए बयान जारी किया, नतीजतन चीनी सेना फ्लैग मीटिंग के लिए आमादा हुई। भारत व चीन के बीच सन-1996 में हुए 'कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मीजर्स' नामक समझौते के तहत दोनों देशों के सैनिक एलएसी पर एक दूसरे की तरफ हथियारों का रुख नहीं कर सकते। लेकिन विडंबना है कि सैन्य तसादुम सरहदों पर होते हैं, मगर हरारत देश की सियासत की बढ़ जाती है। आजादी के बाद देश के लिए पांच बड़े युद्धों व आतंकी घटनाओं में हजारों सैनिक अपना बलिदान दे चुके हैं। यदि भारत हमसाया मुल्कों से सरहदी तनाजे से जूझ रहा है तो इसके लिए देश की रियासत ही जिम्मेवार है। 1962 में भारत-चीन की सेनाओं की अदावत का मुख्य मरकज यही तवांग क्षेत्र था। भारतीय सेना शूरवीरता व राष्ट्रवाद की सबसे बड़ी प्रतीक रही है। सन-1962 की भीषण जंग में चेयरमैन 'माओ' की सेना को सबक सिखाने वाले हिमाचली शूरवीर मेजर धन सिंह थापा 'गोरखा' व सुबेदार जोगिंद्र सिंह 'सिख' तथा शैतान सिंह भाटी 'राजपूत' समुदाय से थे। मगर उन तीनों परमवीरों का मंजिल ए मकसूद हिंदोस्तान की सरजमीं को दुश्मन से महफूज रखने का था। मेजर सोमनाथ शर्मा, यदुनाथ सिंह, मे. होशियार सिंह, एल्बर्ट एका तथा विक्रम बत्रा जैसे परमवीरों की कर्मभूमि रहा भारतीय सैन्य पराक्रम रणभूमि में दुश्मन के सामने कभी कमजोर साबित नहीं हुआ मगर सियासी पराक्रम में जरूर कमी रही है। 1962 में चीनी सेना के हमले से इसी तवांग सैक्टर को बचाने के लिए '13 डोगरा' बटालियन के 75 जवानों तथा '9 पंजाब' बटालियन के तीन अधिकारी व 62 जवानों ने रणभूमि में अपने प्राणों की आहुति दे डाली थी। बलिदान हुए आधे से ज्यादा जांबाजों का संबंध वीरभूमि हिमाचल से था। हिमाचली सूरमा सु. कांशीराम 'महावीर चक्र' ने इसी युद्ध में अपना पराक्रम दिखाया था। 9 पंजाब के मेजर महेंद्र सिंह चौधरी व नायक चैन सिंह दोनों 'महावीर चक्र' तथा ले. नवीन चंद्र कोहली व मलकीयत सिंह 'वीर चक्र' योद्धाओं ने चीन की पेशकदमी को नाकाम करके इसी तवांग सैक्टर के मैदाने जंग में शहादत को गले लगा लिया था। तवांग सैक्टर की रक्षा के लिए ही 'प्रथम सिख' के सुबेदार जोगिंद्र सिंह 'परमवीर चक्र' गोला बारूद खत्म होने के बाद चीनी सैनिकों को राइफलों की संगीनों से हलाक करके 23 अक्तूबर 1962 को अपने 24 सैनिकों के साथ 'बुमला' नामक स्थान पर वीरगति को प्राप्त हो गए थे। भारत के दिग्गज हॉकी ओलंपियन मेजर हरिपाल कौशिक 'प्रथम सिख' को सेना ने इसी युद्ध में अदम्य साहस के लिए 'वीर चक्र' से नवाजा था। उसी जंग में तवांग के नजदीक 'नूरानांग' में लगभग तीन सौ चीनी सैनिकों को मौत के घाट उतार कर सेना की 'चार गढ़वाल राइफल' के 154 शूरवीर रणभूमि में ही मौत की आगोश में समा गए थे। चीनी हमले में चौथी गढ़वाल के एकमात्र जीवित बचे 21 वर्षीय सिपाही जसवंत सिंह रावत 'महावीर चक्र' (मरणोपरांत) ने अपनी मशीनगन से तीन दिन तक निडरता से अकेले ही चीनी सेना का सामना करके 17 नवंबर 1962 को नूरानांग के रण में अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया था। नूरानांग में 'बाबा जसवंत मंदिर' जसवंत सिंह रावत के शौर्य की चश्मदीद गवाही आज भी मौजूद है।

> भारतीय रक्षा मंत्रालय ने भी तवांग की सैन्य कार्रवाई पर अपने सैनिकों के साहस व जज्बे पर खुशी का इजहार करके अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। भारतीय सैनिकों की दिलेरी के आगे चीनी सेना के तर्जुमान कर्नल 'लॉन्ग शाओहुआ' ने अमन की पैरोकारी के लिए बयान जारी किया, नतीजतन चीनी सेना फ्लैग मीटिंग के लिए आमादा हुई। भारत व चीन के बीच सन1996 में हुए 'कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मीजर्स' नामक समझौते के तहत दोनों देशों के सैनिक एलएसी पर एक दूसरे की तरफ हथियारों का रुख नहीं कर सकते। लेकिन विडंबना है कि सैन्य तसादुम सरहदों पर होते हैं, मगर हरारत देश की सियासत की बढ़ जाती है। आजादी के बाद देश के लिए पांच बड़े युद्धों व आतंकी घटनाओं में हजारों सैनिक अपना बलिदान दे चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

एक और पड़ोसी देश पर कर्ज संकट, मालदीव को आईएमएफ ने सतर्क होने को कहा

माले। अब मालदीव का आर्थिक संकट नाजुक मोड़ पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मालदीव को चेतावनी दी है कि वह नोटों की छपाई कर अपना खर्च न चलाए। आईएमएफ ने मालदीव सरकार से कहा है कि वह अपनी मौद्रिक नीति को सख्त बनाए, ताकि उसकी मुद्रा की कीमत में अंधाधुंध गिरावट को रोका जा सके। साथ ही मालदीव को भुगतान संतुलन संबंधी घाटे पर काबू पाने को भी कहा गया है। मालदीव में वहां का सरकारी संस्थान- मालदीव मॉनेटरी ऑथरिटी (एमएमए) मुद्रा विनिमय दर को तय करता है। आईएमएफ ने अब एक बयान में कहा है- 'आईएमएफ के निदेशकों ने एमएमए को सलाह दी है कि विदेशी मुद्रा भंडार और मुद्रा की कीमत पर बढ़ रहे दबावों को दूर करने के कदम उसे उठाने चाहिए। अगर मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो एमएमए को मौद्रिक नीति को सख्त बनाने की तैयारी दिखानी चाहिए।' मौद्रिक नीति को सख्त बनाने का मतलब ब्याज दरों में बढ़ोतरी से है। विशेषज्ञों के मुताबिक मालदीव के प्रति आईएमएफ का रुख अभी तक श्रीलंका की तुलना में उदार है। आईएमएफ ने श्रीलंका को अपनी मुद्रा की कीमत गिराने की सलाह दी थी। लेकिन उसने अभी एमएमए को डॉलर की तुलना में मालदीव की मुद्रा की कीमत को तय करने की अनुमति दे रखी है। एमएमए के अधिकारियों ने मीडियाकर्मियों को बताया कि मौजूदा मौद्रिक नीति ढांचे के तहत वह डॉलर के मुकाबले मालदीव की मुद्रा की कीमत तय करता है। इसका मकसद बाजार में वस्तुओं और सेवाओं की कीमत को स्थिर बनाए रखना है।

चीन के साथ तनाव के बीच अमेरिका और भारत के सैन्य प्रमुखों के बीच अहम चर्चा

वाशिंगटन। सीमा पर भारत और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मार्क ए माइली और उनके भारतीय समकक्ष भारतीय रक्षा बल के प्रमुख जनरल अनिल चौहान ने एक दूसरे से कॉल पर बातचीत की। इस दौरान दोनों सैन्य नेताओं ने एक दूसरे से क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा माहौल के आकलन साझा किए और द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। ज्वाइंट स्टाफ के उप प्रवक्ता जोसेफ आर. होलस्टेड ने बुधवार को कॉल के रीडआउट में यह बात कही। होल्स्टेड ने कहा कि प्रमुख रक्षा साझेदारी के तहत अमेरिका और भारत ने मजबूत सैन्य से सैन्य संबंधों को साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत मुक्त हिंद-प्रशांत को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रमुख क्षेत्रीय नेता है और एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत और कई अन्य विश्व शक्तियां संसाधन संपन्न और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य पैंतरेबाजी की पृष्ठभूमि में एक स्वतंत्र, खुले और संपन्न हिंद-प्रशांत को सुनिश्चित करने की आवश्यकता के बारे में बात कर रही हैं। चीन लगभग सभी विवादित दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है, हालांकि ताइवान, फिलीपींस, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम सभी इसके कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं।

म्यांमार : संकट को लेकर पहला प्रस्ताव पास, सेना से 'सू की' समेत हिरासत में रखे नागरिकों को छोड़ने की मांग

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को म्यांमार में जारी मानवाधिकार संकट को लेकर

पहला प्रस्ताव लाया गया। इसमें मांग की गई कि म्यांमार की सेना (जुंता) मनमाने तरीके से हिरासत में रखे गए नागरिकों को तुरंत छोड़े। प्रस्ताव में म्यांमार की प्रमुख नेता आंग सान सू की और पूर्व राष्ट्रपति विन माइंट को छोड़ने का अनुरोध भी किया गया। गौरतलब है कि यूएनएससी की अध्यक्षता इस महीने भारत के पास है। इसी मौके पर ब्रिटेन ने म्यांमार को लेकर यह प्रस्ताव पेश किया, जिस पर वोटिंग कराई गई। प्रस्ताव को लेकर यूएनएससी के 12 सदस्यों ने म्यांमार से तुरंत हिंसा रोकने और हिरासत में रखे गए लोगों को छोड़ने की मांग की। वहीं तीन सदस्य- रूस, चीन और भारत इस प्रस्ताव पर वोटिंग में शामिल नहीं हुए। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि यह प्रस्ताव म्यांमार में रक्तपात रोकने के लिए एक कदम है। हालांकि, इसे लेकर काफी कुछ किया जाना बाकी है। उधर चीन के राजदूत झांग जुन ने कहा कि म्यांमार के मुद्दे पर कोई भी हल तत्कालिक नहीं है। म्यांमार में एक फरवरी 2021 को सेना ने निर्वाचित प्रतिनिधियों का तख्तापलट कर सत्ता खुद संभाल ली थी। फिलहाल सैनिक शासक जनरल मिन आंग हलायंग म्यांमार के राष्ट्राध्यक्ष हैं। तख्तापलट के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों ने म्यांमार पर कई प्रतिबंध लगाए थे। इसके पहले भी 1990 के दशक में जब सेना ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को जेल में डाल कर सत्ता पर कब्जा जमाया, तब 20 वर्ष तक अमेरिका ने म्यांमार के लिए राजदूत की नियुक्ति नहीं की थी। 2010 में जब म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल की गई, तब अमेरिका ने वहां अपना राजदूत भेजा था।

साल 2023 साबित होगा टर्निंग प्वॉइंट, झुकने का सवाल ही नहीं: जेलेंस्की

वाशिंगटन।

यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की है। मुलाकात के दौरान जेलेंस्की का जोरदार स्वागत किया गया। फरवरी में रूसी हमलों के शुरू होने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की पहली बार अमेरिका दौरे पर पहुंचे हैं। राष्ट्रपति बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने उनका व्हाइट हाउस में स्वागत किया। इतना ही नहीं जेलेंस्की के स्वागत में अमेरिकी सांसदों ने खड़ा होकर हौसला अफजाई किया। इसी के साथ अमेरिका ने यूक्रेन के लिए 1.8 बिलियन डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता देने का एलान किया है। इसके लिए जेलेंस्की ने बाइडन का आभार भी जताया।

मुलाकात के बाद दोनों ही देशों की तरफ से बयान भी जारी किए गए। इस दौरान जेलेंस्की ने साफ किया कि बातचीत से मसला सुलझाया जाना चाहिए। अगर कोई देश युद्ध के जरिए झुकाने की कोशिश करेगा तो हम कभी सरेंडर नहीं करने वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि साल 2023 टर्निंग प्वॉइंट साबित होने वाला है। हम संकट का डटकर मुकाबला करेंगे। जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि संघर्ष का दांव उनके राष्ट्र के भाग्य से कहीं अधिक बड़ा था। दुनिया भर में लोकतंत्र का परीक्षण किया जा रहा है। इस लड़ाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, उम्मीद है कि हमें और जगह से सुरक्षा मिलेगी।

जेलेंस्की ने अमेरिकी पैकेज पर जताया आभार -अमेरिका से मिली मदद पर जेलेंस्की ने कहा, मैं अमेरिकी कांग्रेस को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। बहुत बहुत धन्यवाद, मिस्टर प्रेसीडेंट। कांग्रेस को धन्यवाद, और हमारे लोगों की तरफ से आपके सामान्य लोगों को धन्यवाद, अमेरिकियों को धन्यवाद। उन्होंने कहा, वार्ता का मुख्य फोकस यूक्रेन को मजबूत करना था और मुझे यूक्रेन को मिले अमेरिकी पैकेज की वजह से स्वदेश लौटने की अच्छी खबर मिलेगी। इस पैकेज का सबसे मजबूत तत्व देशभक्त हैं। जेलेंस्की ने अमेरिका से मिले 1.8 बिलियन डॉलर पैकेज सहायता पर कहा कि यह यूक्रेन के लिए सुरक्षित हवाई क्षेत्र बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और यह एकमात्र तरीका होगा जिससे हम आतंकवादी देश को हमारे ऊर्जा क्षेत्र, हमारे लोगों और हमारे बुनियादी ढांचे पर हमला करने से वंचित कर पाएंगे। पूरी चर्चा के दौरान दोनों नेता एक-दूसरे की टिप्पणियों पर हंसते हुए और एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हुए एक गर्म तालमेल साझा करते दिखाई दिए, हालांकि जेलेंस्की ने स्पष्ट किया कि वह बाइडन और अन्य पश्चिमी नेताओं पर हमेशा और अधिक समर्थन के लिए दबाव डालना जारी रखेंगे।

राष्ट्रपति जो बाइडन बोले- नाटो कभी इतना एकजुट नहीं था- इस मौके पर जो बाइडन ने कहा- मुझे गठबंधन, नाटो और यूरोपीय संघ, साथ ही अन्य राष्ट्रों को एक साथ रखने के बारे में बिल्कुल भी चिंता नहीं है। मैंने कभी भी नाटो और यूरोपीय संघ को किसी भी चीज के बारे में इतना अधिक एकजुट नहीं देखा है, और मुझे इसमें बदलाव का कोई संकेत नहीं दिखता है। मुझे लगता है कि यह दो दिन पहले की बात है, पुतिन कह रहे थे कि जितना उन्होंने सोचा था, यह उससे कहीं अधिक कठिन निकला। उन्होंने सोचा कि वह नाटो, पश्चिम को तोड़ सकते हैं, गठबंधन को तोड़ सकते हैं, उन्होंने सोचा कि रूसी बोलने वाले यूक्रेनी लोगों द्वारा उसका स्वागत किया जाएगा।

दुनिया में फिर हाहाकार मचा सकता है कोरोना

चीन में बीएफ.7 ने मचाई तबाही डब्ल्यूएचओ ने मांगा कोविड डेटा

स्विट्जरलैंड।

चीन में फैल रहे कोरोना ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी हैं, कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि हर हफ्ते चीन में हजारों लोगों की जा रही है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना से जुड़े आंकड़ों को लेकर चिंता जाहिर की है इसके लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने बुधवार को एक बार फिर चीन से कोरोना महामारी की उत्पत्ति को बेहतर ढंग से समझने के लिए अनुरोधित डेटा को साझा करने को कहा है।

कोरोना से जुड़े सही डेटा की आवश्यकता - डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयसस ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि कोविड-19 के बाद की स्थिति की हमारी समझ से परे है और हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि संक्रमण के दीर्घकालिक परिणामों से पीड़ित लोगों का इलाज कैसे किया जाए। आगे कहा कि इस महामारी की शुरुआत कैसे हुई, इस बारे में बारे में समझने के लिए सही डेटा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमने चीन से डेटा साझा करने का अनुरोध किया है। साथ ही टेड्रोस ने कोरोना जैसी गंभीर बीमारी की बढ़ती रिपोर्ट के साथ चीन में विकसित होती स्थिति के बारे में भी चिंता व्यक्त की। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा कि जमीन पर स्थिति का व्यापक जोखिम मूल्यांकन करने के लिए, डब्ल्यूएचओ

को रोग की गंभीरता, अस्पताल में भर्ती और गहन देखभाल इकाइयों के समर्थन की आवश्यकताओं के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी की आवश्यकता है।

चीन में बिगड़े हालात- चीन में वेरिएंट बीएफ.7 ने यहां कहर मचा दिया है और मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चीन में बुधवार को भी हालात सामान्य नहीं दिखे। बीजिंग के मुर्दाघरों से शवों को तेजी से श्मशान घाटों की तरफ निकाला गया। अंत्येष्टि के लिए लंबी कतारें देखी गईं। हालांकि सरकारी कोशिशों से यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई गई है। साथ ही शहर के अन्य खाली मैदानों को भी अंत्येष्टि स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

खतरे में पड़ सकती है 13 से 21 लाख लोगों की जान - ब्रिटेन स्थित ग्लोबल हेल्थ इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स फर्म ने चीन में कोरोना संक्रमण को लेकर बदल रहे हालात पर नया विश्लेषण प्रस्तुत किया है। इसमें कहा गया है कि चीन में हाइब्रिड इम्युनिटी की काफी कमी है और देश में कम टीकाकरण व बूस्टर खुराक वितरण के कारण हालात काफी विकट होंगे। विश्लेषण के मुताबिक, चीन सरकार यदि शून्य-कोविड नीति को पूरी तरह बदलती है तो देश के 13 से 21 लाख लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है।

कोरोना का पहला मामला चीन के वुहान में मिला था- बता दें कि कोरोना का पहला मामला चीन के वुहान में मिला था। विशेषज्ञों ने वायरस की उत्पत्ति पर दो प्रमुख सिद्धांतों को सामने रखा है। पहला सिद्धांत यह है कि SARS-CoV-2 एक प्राकृतिक जूनोटिक स्पिलओवर का परिणाम है। दूसरा सिद्धांत यह है कि वायरस ने एक शोध से संबंधित घटना के परिणामस्वरूप मनुष्यों को संक्रमित किया। SARS-CoV-2 एक रोगजनक के रूप में उभरा है ।

पाकिस्तान में सियासी टकराव के बीच बिगड़ रहे हालात

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में लगातार जारी सियासी टकरावों के बीच देश की वित्तीय हालत लगातार बिगड़ रही है। देश के खुले बाजार से डॉलर लगभग गायब हो गया है। इस कारण इंटर-बैंक भुगतान ठहर-से गए हैं। एयरलाइंस को भुगतान नहीं हो पा रहा है। उधर आयात की जाने वाली बहुत सी वस्तुएं भुगतान ना होने के कारण विदेशी बंदरगाहों पर अटकी हुई हैं। अखबार द डॉन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक लेटर ऑफ क्रेडिट खोलना मुश्किल हो गया है, जबकि देश के विदेश स्थित दूतावासों या वाणिज्य दूतावासों से लेन-देन में भी कठिनाई आ रही है।

करेंसी डीलर आतिफ अहमद ने द डॉन से कहा कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद मुश्किलें बढ़नी शुरू हुईं। इसका एक पहलू डॉलर की कीमत का बढ़ना रहा है। उन्होंने कहा- 'रूस से तेल और गैस की सप्लाई घट जाने के कारण यूरोपियन यूनियन पर बहुत खराब असर पड़ा। अमेरिका इन मामलों में आत्मनिर्भर है, इसलिए यूरो और पाउंड की तुलना में डॉलर मजबूत हुआ। जब रूस ने तेल खरीदारों से रुबल में भुगतान करने को कहा, तो उससे भी डॉलर की मांग बढ़ी। कारोबारी डॉलर खरीदने लगे ताकि उसे वे रुबल में कन्वर्ट कर पाएं।'

विशेषज्ञों के मुताबिक इससे विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के आए दौर का पाकिस्तान जैसे कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश पर बहुत बुरा असर हुआ है। अब ये संकट अपनी चरम सीमा पर पहुंचता दिख रहा है। द डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक करेंसी बाजार में डॉलर के अलावा बाकी विदेशी मुद्राएं बाजार में उपलब्ध हैं, लेकिन वे भी बाजार मूल्य पर नहीं मिल पा रही हैं। जिनके पास ये मुद्राएं हैं, वे इन्हें देने के बदले अतिरिक्त रकम मांग रहे हैं। इनमें यूरो, ब्रिटिश पाउंड, दिरहम और सऊदी रियाल शामिल हैं। करेंसी कारोबारियों के मुताबिक छुट्टियों का सीजन आने से विदेशी मुद्रा की किल्लत बढ़ गई है। पाकिस्तान के धनी लोग साल के अंत में छुट्टियां मनाने के लिए विदेश जा रहे हैं। वे अमेरिका, यूरोप या पश्चिम एशियाई देशों में जा रहे हैं। ऐसे लोग महंगी दरों पर भी विदेशी मुद्राओं की खरीदारी कर रहे हैं। वित्त राज्यमंत्री आयशा ग़ौस पाशा ने हाल में यह स्वीकार किया था कि देश की अर्थव्यवस्था में मुश्किलें कायम हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि इन मुश्किलों को दूर करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जा सके हैं।

इस्राइल में पीएम नेतन्याहू ने बनाई नई सरकार, शपथ ग्रहण की तारीख अभी तय नहीं

तेल अवीव।

काफी खींचतान के बाद इस्राइल में अब प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार देर रात सरकार बनाने की घोषणा कर दी। उन्होंने राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग को बताया कि वह 38 दिनों की गठबंधन वार्ता के बाद सरकार बनाने में कामयाब रहे। इस घोषणा के बाद, नेतन्याहू अब इस्राइली सरकार के प्रमुख के रूप में वापसी कर रहे हैं।

सरकार स्थापित करने में सक्षम हूं

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्वीट किया कि पिछले चुनावों में हमें मिले भारी जनसमर्थन के लिए धन्यवाद, मैं एक ऐसी सरकार स्थापित करने में सक्षम हूं, जो सभी इस्राइली नागरिकों के लाभ के लिए काम करेगी। आधी रात की समय सीमा खत्म होने के कुछ क्षण पहले नेतन्याहू ने राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग को एक फोन कॉल के दौरान यह घोषणा की।

जल्दी प्रक्रिया को पूरा करेंगे

नेतन्याहू ने कहा कि वह अगले हफ्ते जितनी जल्दी हो सके प्रक्रिया को पूरा करेंगे। हालांकि उन्होंने शपथ ग्रहण की तारीख की घोषणा नहीं की। नेतन्याहू की योजना जनादेश प्राप्त करने के एक हफ्ते से भी कम समय में नई सरकार बनाने की थी, लेकिन उनके गठबंधन सहयोगियों ने सरकार के शपथ लेने के बाद किए गए वादों को पूरा करने के लिए उन पर भरोसा नहीं किया।

सैन्य सामान की प्रदर्शनी देखते पुतिन

मास्को में रुसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन रक्षामंत्र सरजेई शोघू व सैन्य प्रमुख वेलेरी गैरासिमोव सैन्य सामान की एक प्रदर्शनी को देखते हुए।

चीनी सेना ने 24 घंटे के भीतर 39 लड़ाकू विमान और तीन पोत ताइवान भेजे

ताइपे । चीनी सेना ने शक्ति प्रदर्शन के तहत 24 घंटे के भीतर 39 लड़ाकू विमान और तीन पोत ताइवान की ओर भेज दिए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। चीन स्वशासित ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है। चीन ने हाल के वर्षों में ताइवान को लेकर आक्रामक रुख अपनाया है। चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने लगभग रोजाना ही ताइवान की ओर विमान व पोत भेजे हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार बुधवार सुबह छह बजे से गुरुवार सुबह छह बजे के बीच 30 चीनी विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य सीमा को पार किया जो चीन और ताइवान को अलग करती है। मंत्रालय ने बताया कि इन विमानों ने ताइवान के दक्षिण-पश्चिम की तरफ उड़ान भरी और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर चले गए। इन लड़ाकू विमानों में 21 जे-16 लड़ाकू विमान चार एच-6 बमवर्षक विमान और दो अन्य विमान शामिल थे।

म्यांमार में परमाणु रिएक्टर लगाने में रूस करेगा मदद, दोनों देशों में हुआ करार

यंगून।

म्यांमार परमाणु रिएक्टर लगाने की तैयारी में है। इसके लिए उसने रूस में निर्मित छोटे मॉड्यूलर न्यूक्लीयर रिएक्टरों को देश में लगाने की योजना बनाई है। म्यांमार इस समय ऊर्जा के गहरे संकट में फंसा हुआ है। सैनिक शासन के अधिकारियों को उम्मीद है कि रूस की मदद से वे इस संकट का हल निकालने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार के बिजली मंत्रालय और रूस की परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसेतॉम के बीच नवंबर के आखिर में इस बारे में एक करार पर दस्तखत हुए। फिलहाल सहमति संबंधित परियोजनाओं की संभावना का अध्ययन कराने पर हुई है। जानकारों के मुताबिक ऐसे मॉड्यूलर रिएक्टरों के जरिए आम तौर पर एक हजार मेगावॉट बिजली का उत्पादन होता है। इस तकनीक में दुनिया में रूस को अग्रणी माना जाता है। समझा जाता है कि ऐसे रिएक्टरों के जरिए बिजली उत्पादन में वह अमेरिका से भी आगे निकल गया है।

सूत्रों के मुताबिक म्यांमार में मॉड्यूलर रिएक्टर लगाने की संभावना का अध्ययन कराने के लिए एक समझौता एटोमेक्सपो इंटरनेशनल फोरम (परमाणु ऊर्जा प्रदर्शनी) के आयोजन के दौरान हुआ। इस वर्ष यह आयोजन रूस के सोची में हुआ। वहां म्यांमार के बिजली मंत्री और विज्ञान और तकनीक मंत्री गए थे।

एटोमेक्सपो में भाग लेने के पहले म्यांमार के दोनों मंत्रियों ने मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग का दौरा किया। वहां लगे परमाणु रिएक्टरों को उन्होंने देखा। इसके पहले नवंबर के मध्य में यंगून में रोसेतॉम और म्यांमार सरकार के अधिकारियों की मुलाकात हुई थी। उसमें दोनों देशों के बीच परमाणु टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन सेंटर का गठन करने पर सहमति बनी थी।

विश्लेषकों के मुताबिक म्यांमार का सैनिक शासन देश को परमाणु ऊर्जा संपन्न बनाने की आक्रामक रणनीति अपनाए हुए है। म्यांमार सेना के प्रवक्ता जॉव मिन तुन ने बीते सितंबर में कहा था- 'हम कुछ वर्षों के अंदर ही छोटे आकार के परमाणु रिएक्टरों का निर्माण करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।' इसी मकसद से सैनिक तानाशाह जनरल मिन आंग हलायंग ने इस वर्ष जुलाई और सितंबर में रूस की यात्रा की। उनकी दोनों यात्राओं के मौकों पर रोसेतॉम के साथ समझौते हुए। जुलाई में कर्मचारियों की ट्रेनिंग और परमाणु ऊर्जा के बारे में जागरूकता लाने के मकसद से समझौते हुए थे। सितंबर असैनिक मकसदों के लिए परमाणु ऊर्जा के उत्पादन की तैयारी के लिए करार हुआ। म्यांमार में बिजली का प्रमुख स्रोत अभी पनबिजली परियोजनाएं हैं। लेकिन पुरानी पड़ रही ये परियोजनाएं अब देश की जरूरत को पूरा करने में अक्षम हो गई हैं। म्यांमार के पास प्राकृतिक गैस का समृद्ध भंडार है। इसका इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए होता है। लेकिन इससे भी जरूरत पूरी नहीं हो रही है। इसकी वजह यह है कि देश में बिजली की मांग बढ़ती जा रही है। जनरल हलायंग ने देश में बिजली से चलने वाले वाहनों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य घोषित किया है। उधर रोसेतॉम अपने छोटे परमाणु रिएक्टरों की मार्केटिंग आक्रामक ढंग से कर रहा है। अफ्रीका और एशिया में उसने इन्हें लगाने के लिए कई समझौते किए हैं। जिन देशों से उसका करार हुआ है, उनमें इंडोनेशिया और फिलीपींस शामिल हैं।

जमीन खरीद-फरोख्त मामले में रॉबर्ट वाड्रा की मुसीबत बढ़ी

राजस्थान हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान में बीकानेर के कोलायत में जमीन खरीद-फरोख्त और मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में राजस्थान हाई कोर्ट ने महेश नागर और स्काईलाइट प्राइवेट हॉस्पिटिलिटी की याचिकाओं को खारिज कर दिया। जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्रसिंह भाटी की कोर्ट ने फैसला सुनाया। इसके साथ ही इस मामले से जुड़े रॉबर्ट वाड्रा व उनकी मां मौरीन वाड्रा की मुसीबतें बढ़ती नजर आ रही हैं। हालांकि कोर्ट ने अपने फैसले में सभी याचिकाकर्ताओं और संबंधित लोगों की गिरफ्तारी पर आगामी दो सप्ताह तक रोक जारी रखी है। गुरुवार को हाई कोर्ट ने जब फैसला सुनाया तो इस दौरान रॉबर्ट वाड्रा के अधिवक्ता केटीएस तुलसी

और ईडी की ओर से एसएसजी राजदीपक रस्तोगी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में उपस्थित थे। कोर्ट ने तुलसी को बताया कि उनके द्वारा पेश की गई नजीरों से कोर्ट सहमत नहीं है और निर्णय पर पहुंच नहीं पा रहा है। ऐसे में उनकी याचिका को खारिज किया जाता है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि खंडपीठ या सुप्रीम कोर्ट से यदि राहत मिल सकती है तो वह प्रयास कर सकते हैं। इसके लिए कोर्ट ने उनको फौरी राहत देते हुए दो सप्ताह तक गिरफ्तारी पर रोक जारी रखी। कोर्ट ने वाड्रा सहित अन्य की गिरफ्तारी पर दो सप्ताह तक रोक जारी रखी है। इस दौरान वाड्रा एकलपीठ के इस फैसले के खिलाफ खंडपीठ में अपील कर सकते हैं। वाड्रा के अधिवक्ता इस फैसले को खंडपीठ में चुनौती देकर राहत पाने का प्रयास करेंगे। यदि वाड्रा को खंडपीठ से राहत मिलती है तो ठीक, अन्यथा दो सप्ताह बाद ईडी वाड्रा को गिरफ्तार कर पूछताछ करने के लिए स्वतंत्र होगा।

रीट परीक्षा-2022 फर्जीवाड़ा करने वाला मूल अभ्यर्थी गिरफ्तार

जोधपुर (हिंस)। शहर में गत जुलाई माह में आयोजित हुई रीट परीक्षा 2022 में फर्जीवाड़ा कर अपने स्थान पर किसी अन्य को परीक्षा दिलाने वाले मूल अभ्यर्थी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। मंडोर पुलिस ने बताया कि गत जुलाई में रीट परीक्षा का आयोजन हुआ। तब एक स्कूल में वीक्षक ने फर्जी अभ्यार्थी करड़ा जालोर के पुर निवासी गणपतलाल को पकड़ा गया था और मंडोर पुलिस के सुपुर्द कर राजस्थान परीक्षा अधिनियम में केस बनाया गया। वह सांचोर के करड़ा स्थित भाटिप निवासी जयराम पुत्र पूनाराम के स्थान पर परीक्षा देने आया था। पुलिस ने अब मूल अभ्यर्थी जयराम को गिरफ्तार कर लिया।

कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर केंद्र से जो गाइडलाइन मिलेगी उसे लागू करेगा हरियाणा : अनिल विज

चंडीगढ़ (हिंस)। चीन में कोरोना के बढ़ते मामले फिर डराने लगे हैं। इसे देखते हुए सरकार अलर्ट पर है। हरियाणा में भी तैयारियां की जा रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में आरटीपीसीआर मशीनों का प्रबंध कर लिया गया है। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार को कोरोना के नए वेरिएंट के मामले में केंद्र से जो गाइडलाइन मिलेगी, उसे लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा में कोरोना को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। प्रदेश के सभी सिविल सर्जनों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वह आरटीपीसीआर टेस्टिंग को यकीनी बनाएं। इसके अलावा प्रदेश में 50 बेड से अधिक वाले अस्पतालों में लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट को

सुचारू रूप से चलाने के निर्देश जारी किए गए हैं। विज ने कहा कि प्रदेश के सभी अस्पतालों में कोरोना के इलाज हेतु इस्तेमाल होने वाली दवाइयों के स्टॉक की भी रिपोर्ट मांग ली गई है। प्रदेश के सभी अस्पतालों में कोरोना से निपटने के लिए दवाइयों, ऑक्सीजन आदि की उपलब्धता को लेकर जानकारी मांगी गई है। सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने जिलों की स्टेटस रिपोर्ट चैक करके मुख्यालय को रिपोर्ट भेजें।

विकास-कार्यों को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें : अनिल मलिक

फरीदाबाद (हिंस)। अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक ने कहा कि फरीदाबाद जिला में चल रही विकास योजनाओं और परियोजनाओं के सभी कार्यों को गंभीरता से समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी सरकार की हिदायतों के अनुसार सभी कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन समयबद्ध पूरा करना सुनिश्चित करें। हरियाणा सरकार के विकास एवं पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक गुरुवार को मंडलायुक्त विकास यादव व पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, डीसी विक्रम सिंह सहित जिला के उच्च अधिकारियों के साथ जिला फरीदाबाद में चल रहे विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक ने अधिकारियों से कहा कि वे सरकार को अपने धरातल के अनुभव बारे सुझाव जरूर दें, जिससे कि आमजन की समस्याओं का सही समय पर समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में प्लानिंग बेहतर तालमेल करके करेंगे तो परिणाम निश्चित तौर पर सौ फीसदी सफल और जनता के हित के लिए कारगर सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि मण्डल स्तर के अलावा जिला स्तर व सब डिवीजन स्तर पर भी विजिलेंस कमेटियां बनाई गई है। जहां भी विकास कार्य चल रहे हैं और उनमें कोई कमी मिलती है तो विजिलेंस कमेटी के संज्ञान में लाए। उन्होंने तीनों एसडीएम को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों से संबंधित कोई भी शिकायत विजिलेंस कमेटी में आती है तो धरातल पर जाकर निरीक्षण अवश्य करें। ताकि शिकायतों का निपटारा पहले ही किया जा सके। उन्होंने कहा कि विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं में मुम्बई वडोदरा एक्सप्रेस वे, जेवर एयरपोर्ट मार्ग, फरीदाबाद में स्वच्छ पेयजल सप्लाई से जुड़ी पीपीपी मोडपर रैनीवैल ट्यूबवेलो, बड़ल झील, फरीदाबाद में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था और उनकी कार्यशैली सहित जिला फरीदाबाद में तमाम विषयों पर एक-एक कर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

देशभर में राज्य सरकार की योजनाओं की चर्चा : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की आज पूरे देश में चर्चा है। राज्य सरकार प्रत्येक प्रदेशवासी को पानी, बिजली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सभी बजट जनकल्याणकारी रहे हैं तथा आने वाला बजट युवाओं और विद्यार्थियों को समर्पित होगा। राज्य सरकार की प्रत्येक योजना के मूल में वंचित वर्गों का उत्थान है। गहलोत गुरुवार को जयपुर के कंवर का बास में 68.15 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पानी की समस्या के समाधान के लिए बीसलपुर योजना का कार्य तेजी से चल रहा है। प्रदेशवासियों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। किसानों को रबी की फसल की सिंचाई के लिए समुचित विद्युत आपूर्ति के लिए बुधवार को आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौशालाओं को 9 महीने का अनुदान देने वाला राजस्थान एकमात्र राज्य है। लम्पी स्किन डिजीज की प्रभावी रोकथाम कर गौवंश के संरक्षण का कार्य राज्य सरकार ने किया। इससे पूर्व गहलोत ने श्री बालाजी गौशाला में जाकर गायों की पूजा-अर्चना की तथा कृषि विभाग द्वारा अनुदानित ट्रेक्टरों की चाबी लाभार्थी किसानों को सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला परिसर में पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान राजीव गांधी कृषक साथी सहायता योजना के तहत लाभार्थियों को 2-2 लाख रूपए की सहायता राशि के चैक सौंपे। गहलोत ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से राजस्थान मॉडल स्टेट बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से आमजन को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति मिली है। इस योजना के तहत प्रदेशवासियों के लिए 10 लाख तक का इलाज निशुल्क कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में राज्य निरन्तर प्रगति कर रहा है। महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों से विद्यार्थियों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। राज्य में 80 विश्वविद्यालय तथा 211 महाविद्यालय खोले गए हैं। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राज्य में खुले हैं, जहां विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त हो रही है। उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बालिकाओं का नामांकन 500 से अधिक होने पर महाविद्यालय में क्रमोन्नत करने का प्रावधान किया गया है। गहलोत ने कहा कि प्रदेशवासियों को अधिकतम राहत देने के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। महिलाओं एवं बालिकाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए उड़ान योजना संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री किसान ऊर्जा मित्र योजना से 8 लाख किसानों का बिजली बिल शून्य हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को बेरोजगारी से राहत देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगभग 1.35 लाख सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। वहीं, 1.25 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। आगामी दिनों में 1 लाख नौकरियां देने की घोषणा की जा चुकी है। उन्होंने कहा राज्य सरकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जयपुर, जोधपुर और बीकानेर में आयोजित रोजगार मेलों में 10 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने कहा कि आमजन के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना जैसे प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रभारी मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र में वृहद स्तर पर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा पानी एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए उल्लेखनीय विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

लेट लतीफ अधिकारी व कर्मचारी हो जाएं सावधान

जालंधर। पंजाब पावर कार्पोरेशन ने अधिकारियों व कर्मचारियों को समय पर दफ्तर उपस्थित होने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। पिछले दिनों पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने पटियाला में इस मामले को लेकर चेयरमैन बलदेव सिंह सरां, पावर सचिव तेजवीर सिंह व अन्य डायरेक्टरों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की थी। पंजाब पावर कार्पोरेशन द्वारा आज जारी किए गए पत्र नंबर 28158/28668 में कहा गया कि बिजली मंत्री हरभजन सिंह के निर्देशों को देखते हुए अब पावर कार्पोरेशन के दफ्तरों में अगर अधिकारी व कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचेंगे तो उनके खिलाफ कार्पोरेशन द्वारा कार्रवाई की जाएगी। पत्र में लिखा गया है कि प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी को सुबह 9 बजे हर हाल में अपनी

दिन की छुट्टी लगाई जाएगी, यानी उसके आधे दिन के पैसे कटेंगे। विभाग अधीन अलग-अलग शाखाओं का अगर एक ही अधिकारी है तथा उसके अधीन हाजिरी रजिस्टर एक ही होना चाहिए। हाजिरी रजिस्टर के आखिरी कॉलम में यह लिखा जाए कि कर्मचारी द्वारा महीने में कितनी छुट्टियां ली गई हैं तथा कितनी छुट्टियां बकाया हैं। दोपहर के खाने के समय डेढ़ से 2 बजे तक का समय तय किया गया है। उसके बाद अधिकारियों व कर्मचारियों को तुरंत अपने कार्यालय में उपस्थित होना पड़ेगा। हाजिरी रजिस्टर के साथ-साथ एक बाहरी यात्रा रजिस्टर भी लगाया जाएगा जिसमें यह लिखा जाएगा कि अगर किसी अधिकारी व कर्मचारी को फील्ड में जाना पड़ता है तो उसके बारे में रजिस्टर में एंट्री होनी चाहिए।

पाकिस्तानी ड्रोन को बीएसएफ ने किया ढेर

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने फिरोजपुर सेक्टर में बुधवार रात एक ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। इस ऑपरेशन के बाद बीएसएफ द्वारा कई घंटे तक सीमावर्ती क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार बुधवार की रात करीब आठ बजे एक ड्रोन भारतीय सीमा में दाखिल हुआ। यह ड्रोन फिरोजपुर सेक्टर के अंतर्गत आती बीओपी हरभजन के इलाके में देखा गया। जिसके बाद बीएसएफ ने फायरिंग शुरू कर दी। बीएसएफ की 101 बटालियन के जवानों ने कई राउंड फायर किए। कुछ समय बाद आवाज बंद हो गई। बीएसएफ जवानों ने बुधवार सुबह सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया।

झज्जर में बजरंग दल ने किया धर्म परिवर्तन के षड्यंत्र का पर्दाफाश

आयोजकों व बजरंग दल कार्यकर्ताओं में हंगामा

झज्जर (हिंस)। बजरंग दल की शहर इकाई के कार्यकर्ताओं ने बुधवार की शाम यहां लालच देकर निर्धन लोगों का धर्म परिवर्तन करने की साजिश का भंडाफोड़ किया। आयोजन में पहुंचे एक धर्म विशेष (ईसाई) के धर्मगुरु व उसके साथियों को खदेड़ दिया। दोनों पक्षों में विवाद बढ़ने लगा तो पुलिस को बीचबचाव करना पड़ा और गरीबों का धर्म परिवर्तन बदलने के लिए आयोजित समारोह का आयोजन बंद करवाया। दरअसल, शहर के गाजी कमाल मोहल्ले में एक खुले स्थान पर ईसाई पद्धति से प्रार्थना करने के लिए एक पंडाल बनाया गया था। इस पंडाल में ईसाई पादरी प्रार्थना करवा रहा था। उसके पास ही एक घर में भंडारा चल रह था। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के जानकारी मिली कि इस समारोह में लालच देकर निर्धन लोगों का धर्म बदलवाया जाएगा। दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और आयोजकों को ऐसा न करने के लिए कहा। आयोजक यह बात मानने को तैयार नहीं हुए। उनका कहना था कि यह आयोजन धर्म परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि प्रार्थना करने के लिए हो रहा है। दोनों पक्षों में विवाद बढ़ा तो सूचना मिलने पर डीएसपी राहुल देव की अगुआई में पुलिस पहुंच गई और बजरंग दल कार्यकर्ताओं की शिकायत पर आयोजन रुकवा दिया। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने बताया कि गरीब हिंदुओं को बरगलाया जा रहा है। सांपला से एक पादरी मौके पर मौजूद था और उसी ने सारा कार्यक्रम रचा था। एक व्यक्ति ने बताया कि उसको 50 किलोग्राम चावल और कुछ दाल दी गई है। पैसे भी मिलने वाले थे। विश्व हिंदू परिषद के जिला प्रधान जगदीश कुमार ने कहा कि निर्धन हिंदुओं का धर्म परिवर्तन करने की कोशिश नहीं की जाएगी। सभी निर्धन हिंदू हमारे भाई हैं। बाद में डीएसपी राहुल देव ने बताया कि धर्म परिवर्तन के लिए समारोह आयोजित करने की कोई लिखित शिकायत पुलिस को नहीं मिली है। इस तरह का आयोजन होने की पुष्टि भी नहीं हो पाई। लिखित में शिकायत मिलेगी तो जांच की जाएगी।

No. SLRC-G-IV/ASSAM/Advertisement for Analogous Posts-IV/2022-23/02/222

NOTICE

In continuation of this Commission's advertisement No. SLRC-G-IV/ASSAM/ Advertisement for Analogous Posts-IV/2022-23/02/79 dtd, 25/03/2022 and subsequent addendum notices, it is hereby informed that all the candidates, who have been declared qualified in the written examination of SLRC for Class-IV Posts, will have to appear for the Interview along with document submission on the date, time and venue as mentioned in their respective Interview Admit Cards.

The Interview along with document submission is scheduled to commence from 05.01.2023, in two sessions- Morning (9 AM onwards) and Afternoon (1 PM onwards). The candidates will have to bring following documents without fail:

Sl. No.	List of documents
1	Admit Card Interview *(To be downloaded form SEBA website)*
2	Employment Exchange Registration Certificate/Card
3	Age Proof– Admit card fo HSLC exam/Birth certificate in *original and self attested photocopy*
4	Mark sheets and Pass certificates of :
	a. HSLC, HS b. Read upto Class VII (Whichever is applicable) *in original and self attested photocopy*
5	Additional Qualification, if any *in original and self attested photocopy*
6	SC/ST/OBC/MOBC Caste /EWS/PwBD Certificate, if aplicable in original *and self attested photocopy*
7	Ex-Servicemen certificate (Discharge Book Number and Date with place of issue) *in original and self attested photocopy*
8	Photo Identity proof (PAN Card/Passport/Voter ID Card / Driving License, AADHAAR Card).
9	Two copies of self-attested passport size photographs
10	Two copoies of Undertaking and Self Declaration *(To be downloaded from SEBA website)*

The venue, date and time of Interview along with document submission will be available in the Interview Admit Card at the official website of SEBA i.e. www.sebaonline.org on 29.12.2022. Candidates are requested to carefully go through the instructions therein for appearing in the Interview. Candidates will be able to download their Interview Admit Card, Self Declaration and format of Undertaking from the Official website of SEBA i.e. www.sebaonline.org from 11:00 hours of 29.12.2022. The toll free number for assistance is **9667062063** (10:00 AM to 5:00 PM) on all working days.

The Notice with regard to candidates, whose results have been "Withheld", will be issued separately.

Sd/-
Secretary,
State Level Recruitment Commission for Class IV Posts

-- Janasanyog /D/19113/ 22

क्रिसमस पर्व : उत्सव की तैयारियों को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक

जयपुर (हिंस)। प्रेम और सद्भावना का पर्व क्रिसमस रविवार को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस पर्व को लेकर गिफ्ट गैलेरीज में सांता क्लॉज, क्रिसमस ट्री, गिफ्ट आइटम, बैल, पोस्टर, स्टीकर, कार्डस, कैंडल्स की बिक्री के परवान पर है। इस बार बाजार में ऑप्टिकल क्रिसमस ट्री, सफेद व गुलाबी रंग का क्रिसमस ट्री सहित सांता क्लॉज लैंप सजे हुए नजर आ रहे हैं जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे है। इसके अलावा पुराने लुक में कुछ बदलाव के साथ सांता क्लॉज व क्रिसमस ट्री आए हैं, जो लोगों को खूब भा रहे हैं। इसके अलावा जंप करता सांता, फोटो खिंचाता, पियानो बजाता, बॉल खेलता हुआ सांता क्लॉज, विथ लाइटिंग डांसिंग, जिंगल बेल वाला सांता और सैक्सोफोन इस बार लोगों को खास तौर पर आकर्षित कर रहा है। इसके साथ ही वाकिंग क्लॉज, स्केटिंग करता सांता, बेलून में सांता, हाथ में स्लेज पकड़े व गिफ्ट पकड़े सांता क्लॉज, रिंग चलाते सांता क्लॉज की भी अच्छी मांग है। क्रिसमस पर ग्रीटिंग और उपहार देकर लोग एक दूसरे को बधाई देते हैं। यही वजह है शहर के गिफ्ट सेंटरों पर भी क्रिसमस की खास तैयारियां की गई है। इसके अलावा बेकरी आइटमों की भी जबरदस्त मांग की जा रही है। दुकानों एवं मॉल्स में क्रिसमस से संबंधित उपहारों और सजावटी सामान की खूब खरीदारी हो रही है। छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लाज के ड्रेस पहनकर एक अलग ही अंदाज में नजर आएगें। गिफ्ट सेंटर चलाने वाले गौरव ने बताया कि क्रिसमस को लेकर इस बार नई तरह के गिफ्ट आइटम आए है जो बच्चों को बहुत लुभा रहे है। इसके अलावा बेकरी आइटमों की भी जबरदस्त मांग की जा रही है। कुछ लोगों द्वारा तो अपने फेवरेट केक का आार्डर पहले ही दे दिया है।

No. CE/H&UA/Tech/17/PT-III/22-23/29 to 31

PRESS NOTICE

The Chief Engineer, H&UA (Technical Cell), Assam on behalf of the Governor of Assam invites proposal from reputed Class-I(A) Contractor/Farm registered under P.W.D, Assam and having extensive experience in the relevant field of work for the following work.

Sl. No.	Name of work	Approx value of work (in Lakhs)	Cost of RFP and BID Document	EMD/BID security	Last Day of Submission of Bid
1	DESIGN, ENGINEERING AND SUPERVISION OF CONSTRUCTION OF CONVENTION CENTRE AT NORTH LAKHIMPUR, ASSAM UNDER (UIDF) ON EPC MODE.	₹1,560.24 Lakhs	₹20,000.00	Rs. 31.2 Lakhs for Unreserved Category & Rs. 15.6 Lakhs for ST /SC/ OBC/ MOBC / UGE	03-01-2023
2	DESIGN, ENGINEERING AND SUPERVISION OF CONSTRUCTION OF CONVENTION CENTRE AT SILCHAR, ASSAM UNDER (UIDF) ON EPC MODE.	₹1,560.24 Lakhs	₹20,000.00	Rs. 31.2 Lakhs for Unreserved Category & Rs. 15.6 Lakhs for ST /SC/ OBC/ MOBC / UGE	03-01-2023
3	DESIGN, ENGINEERING AND SUPERVISION OF CONSTRUCTION OF CONVENTION CENTRE AT UDALGURI, ASSAM UNDER (UIDF) ON EPC MODE.	₹1,560.24 Lakhs	₹20,000.00	Rs. 31.2 Lakhs for Unreserved Category & Rs. 15.6 Lakhs for ST /SC/ OBC/ MOBC / UGE	03-01-2023

1. Details of the bid may be seen at e-procurement portal website i.e., www.assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours from 14:00 hrs of 21-12-2022 to 03-01-2023
2. The BID validity period of the RFP shall be 180 days from the date of submission.
3. The Bidders must be registered with the E-tendering system (ETS) of the Govt. of Assam.
4. The Chief Engineer, H&UA (Technical Cell), Assam reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reason thereof.
5. Schemes are not yet sanctioned by the competent authority. In the event of non-sanction of the schemes, the bid may be cancelled and no claim what so ever on this account shall be entertained from the bidders

Note:- N.I.T. value is inclusive of GST labour cess etc.

sd/-
Chief Engineer (Technical Cell)
Department of Housing and Urban Affairs
Assam, Guwahati-03

-- Janasanyog /C/16704/22

2022 में निवेशकों के14 खरब डॉलर डूबे, निवेश के लिहाज से यह हो सकता है दूसरा सबसे खराब वर्ष

नई दिल्ली।
2022 का वैश्विक वित्तीय बाजारों के लिए सबसे उठा-पटक का साल बनने की संभवना है। आंकड़ों के अनुसार इस साल वैश्विक इक्विटी में निवेशकों को 14 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इस तरह इक्विटी निवेश के हिसाब से अब तक दूसरा सबसे खराब वर्ष हो सकता है। 14 ट्रिलियन डॉलर को भारतीय रुपये में परिवर्तित करने पर यह आंकड़ा 1,15,79,47,00,00,00,000 रुपये (ओपन-सोर्स कैलकुलेटर) होता है। चौंकाने वाली यह संख्या मुख्य रूप से वैश्विक उथल-पुथल के कारण है जो कोविड-19 के बाद के झटकों के साथ शुरू हुई थी और फरवरी 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध से और बढ़ गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी ट्रेजरी और जर्मन बॉन्ड जिन्हें बाजार के उतार-चढ़ाव के समय में सुरक्षित आश्रय संपत्ति माना जाता है, क्रमश: 16 प्रतिशत और 24 प्रतिशत लुढ़क गए हैं। कभी हिट रहा क्रिप्टो बाजार भी मंदी की चपेट में है। बिटकॉइन 60 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहा है। ईएफजी बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और आयरलैंड के केंद्रीय बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर स्टीफन गेरलाच ने रॉयटर्स के हवाले से कहा, इस साल वैश्विक बाज़ारों में जो कुछ हुआ है वह दर्दनाक है।

वैश्विक झटके के बावजूद भारत अपेक्षाकृत ठीक स्थिति में: विश्व बैंक

लेकिन भले ही वैश्विक बाजार विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, विश्व बैंक ने हाल की एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत वैश्विक उथल-पुथल को नेविगेट करने के लिए बेहतर स्थिति में है। यह देखते हुए कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण के बावजूद लचीलापन प्रदर्शित किया है, विश्व बैंक ने 5 दिसंबर को एक रिपोर्ट में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अन्य उभरते बाजारों की तुलना में वैश्विक स्पिलओवर से अपेक्षाकृत अलग है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार करके भारत को पर्याप्त रूप से वित्तपोषित किया गया है। रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती लचीलापन के लिए नरेंद्र मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों और नियामक उपायों को भी श्रेय दिया गया। इस महीने की शुरुआत में, भारतीय इक्विटी ने अब तक के उच्चतम स्तर को छुआ और भारत का बेंचमार्क निफ्टी इंडेक्स महीने के निचले स्तर पर लौटने से पहले 18,800 अंक के लेवल को पार कर गया।

न्यूज ब्रीफ

अब म्यूचुअल फंड प्लेटफार्म भी वसूलेंगे ट्रांजैक्शन फीसः ग्रो, पेटीएम जैसे प्लेटफॉर्म से एमएफ में निवेश पर देना होगा चार्ज, अभी तक फ्री था

मुंबई। ऑनलाइन म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म जल्द ग्राहकों या फंड हाउसेस से ट्रांजेक्शन फी वसूलना शुरू करेंगे। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने इसकी अनुमति दे दी है। ग्रो, जीरोधा कॉइन और पेटीएम मनी जैसे ऑनलाइन म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म फिलहाल सीधे एमएफ स्कीम्स में मुफ्त निवेश की सुविधा देते हैं। म्यूचुअल फंड्स की बिक्री से इन्हें कोई आय नहीं होती है। सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने कहा, 'इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म कुछ राशि शुल्क के तौर पर वसूल सकते हैं, लेकिन कमीशन जैसे स्ट्रक्चर की अनुमति नहीं दी जाएगी।' सेबी ने इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म्स के लिए एक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क का ऐलान भी किया है। ये न सिर्फ निवेशकों के लिए उपयुक्त सुरक्षा तंत्र होगा, बल्कि ऐसे प्लेटफॉर्म्स का संचालन भी आसान बनाएगा। ये प्लेटफॉर्म लेनदेन पर कितना और किससे शुल्क वसूलेंगे, इसका ब्योरा बाद में सामने आएगा। ईओपी: म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म को एक्जीक्यूशन ओनली प्लेटफॉर्म के रूप में खुद को रजिस्टर कराना होगा। अभी ये या तो निवेश सलाहकार या स्टॉक ब्रोकर के रूप में काम करते हैं। रजिस्ट्रेशन: ऐसे प्लेटफॉर्म्स के पास दो विकल्प होंगे। ये एम्फी के साथ रजिस्ट्रेशन करवाकर एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के एजेंट बन सकते हैं। इसके अलावा बतौर स्टॉक ब्रोकर रजिस्ट्रेशन कराकर निवेशकों के एजेंट भी बन सकते हैं।

चालू वित्त वर्ष में सात फीसदी से ज्यादा रहेगी आर्थिक वृद्धि दर, पनगढ़िया ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा, चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था 7 फीसदी से अधिक की दर से बढ़ेगी। हालांकि, अगर आगामी बजट में कुछ हैरान करने वाले 'प्रतिकूल' कदम नहीं उठाए जाते हैं तो 2023-24 में भी यह वृद्धि दर बनी रहेगी। उन्होंने बुधवार को कहा, मंदी की आशंका कुछ समय से बनी हुई है, लेकिन अभी तक न तो अमेरिका और न ही यूरोपीय संघ इसकी चपेट में आया है।भारत के लिए सबसे खराब दौर खत्म हो चुका है। एलआईसी ने ग्राहकों से कहा है कि वे सोशल मीडिया पर फर्जी संदेशों से बचें। केवाईसी नहीं कराने पर वह कोई चार्ज नहीं लगाती है। वह ग्राहकों को केवाईसी कराने के लिए उत्साहित करती है, पर जुर्माना नहीं लगाती है। टाटा समूह ने 1,500 करोड़ के जीएसटी के खिलाफ डीजीजीआई के साथ वित्त मंत्रालय व सरकार पर बॉम्बे हाईकोर्ट में मुकदमा दायर किया है। मामला जापानी टेलीकम्युनिकेशन कंपनी को एक खरब रुपये के विवाद निपटान से जुड़ा है। सेबी ने सात कृषि जिंसों के फ्यूचर एवं ऑप्शन कारोबार में निलंबन एक साल और बढ़ाकर दिसंबर, 2023 कर दिया है। इनमें मूंग व गेहूं भी हैं। महंगाई को रोकने के लिए सेबी ने दिसंबर, 2021 में यह रोक लगाई थी।

24 में से सिर्फ पांच देशों में वास्तविक ब्याज दर सकारात्मक, भारत भी सूची में शामिल

नई दिल्ली। इस साल दुनिया में महंगाई को थामने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाने का फैसला अब देशों के रीयल इंटरेस्ट रेट यानी वास्तविक ब्याज दर पर दिखने लगा है। 24 देशों में केवल पांच देश ऐसे हैं जिनकी वास्तविक ब्याज दर सकारात्मक है। भारत इस पायदान में सबसे नीचे है। वास्तविक ब्याज दर उसे कहते हैं जब महंगाई की दर में से ब्याज दर को निकालने के बाद जो रिटर्न निवेशकों को मिलता है। बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा नकारात्मक दर तुर्किये में है जो -75.39प्रतिशत है। यहां महंगाई 84.39 और ब्याज दर 9 फीसदी पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, अर्जेंटीना में वास्तविक ब्याज दर -17.40प्रतिशत है। ऑस्ट्रेलिया में -4.20प्रतिशत, कनाडा में-2.65प्रतिशत, यूरो क्षेत्र में -7.50प्रतिशत, फ्रांस में -3.70प्रतिशत, जर्मनी में -7.50प्रतिशत और इटली में -9.30प्रतिशत है। जापान में यह -.380प्रतिशत, रूस में -4.50प्रतिशत, अमेरिका में -2.60प्रतिशत और ब्रिटेन में -7.20प्रतिशत यह दर है।

बीमा बाजार में बढ़ा में 'एम्बेडेड इंश्योरेंस' का चलन पर इस क्षेत्र में और किन बदलावों की है जरूरत

नई दिल्ली।
बीमा बाजार में बीते कुछ समय से एम्बेडे इंश्योरेंस की चर्चा है। जैसे-जैसे तकनीक का चलन बढ़ा है बाजार में एमबेडेड इंश्योरेंस यानी ऑनलाइन बीमा की खरीद के विकल्प भी बढ़े हैं। आज के समय में डिजिटल फर्स्ट दुनिया हकीकत बन गई है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया की 60 फीसदी आबादी आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल कर रही है। बकौल रिपोर्ट्स, केवल भारत में 69 करोड़ लोग इंटरनेट यूज करते हैं और 39 करोड़ लोग सक्रिय रूप से ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करते हैं। इससे डिस्ट्रिब्यूशन यानी वितरण के एक अहम आयाम व कस्टमर एंगेजमेंट के एक प्रभावी माध्यम के रूप में डिजिटल के महत्व का पता चलता है।

तकनीक का चलन बढ़ने से बीमा बाजार में ग्राहकों की अपेक्षाएं बदलीं - श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ कैस्परस जेएच क्रॉमहौट के अनुसार, आज के डिजिटल फर्स्ट वर्ल्ड में ग्राहकों का व्यवहार व अपेक्षाएं पूरी तरह बदल गई हैं। आज के समय में ग्राहक ऐस प्रोडक्ट्स चाहते हैं जिनके इस्तेमाल में किसी तरह का झंझट ना हो और जिनसे जुड़े बेनिफिट्स को या तो डिजिटल तरीके से लिया जा सकता हो या फिर कम-से-कम डिजिटल तरीके से ट्रैक किया जा सकता हो। इन सबसे बढ़कर ग्राहक अपनी डिजिटल यात्रा के दौरान कुछ एडेड बेनिफिट्स, सेवा से जुड़े अनुभव एवं डिलीवरी की ज्यादा तेज रफ्तार की उम्मीद करते है। इसके साथ ही डिजिटल से इंश्योरेंस कंपनियों एवं डिस्ट्रिब्यूटर्स को अपनी पहुंच ज्यादा ग्राहकों तक बढ़ाने का मौका भी मिल रहा है। इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी की वजह से इंश्योरटेक के लिए संभावनाओं का

द्वार खुल गया है।

बीमा सेक्टर में उपलब्ध ऑनलाइन विकल्पों की तलाश करने लगे हैं ग्राहक - भारत में पारंपरिक रूप से ऐसा माना जाता है कि इंश्योरेंस और खासकर लाइफ इंश्योरेंस बेचा जाता है और इसकी बिक्री आसान नहीं है। हाल के वर्षों में टर्म कवर पॉलिसीज को लेकर जागरूकता बढ़ी है लेकिन इन्हें बेचना अब भी चुनौती है। हालांकि अब अधिक ग्राहक इंश्योरेंस के महत्व को लेकर जागरूक हुए हैं और ऑनलाइन उपलब्ध इंश्योरेंस विकल्पों के बारे में अधिक-से-अधिक जानकारी हासिल करने में लगे हैं। हालांकि, ये देखा गया है कि अधिकतर लोग इंश्योरेंस खरीदने का निर्णय लेने से पहले किसी कॉल सेंटर या एजेंट या एडवाइजर की तुलना में सीधे तौर पर किसी एजेंट से मिलकर विचार-विमर्श करना पसंद करते हैं। एक्सेंचर की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इंश्योरेंस खरीदने वाले केवल 15 फीसदी लोग पूरी तरह से ऑनलाइन तरीके से इंश्योरेंस खरीदते हैं।

इंटरनेट की मौजूदगी से बीमा बाजार के पास सुदूर ग्रामीण इलाकों तक पहुंचने का मौका - इस प्रकार इंश्योरेंस की ऑनलाइन बिक्री के मौजूदा मॉडल से इंडस्ट्री की विजिबलिटी बढ़ी है और लोगों को इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स खरीदने के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है लेकिन यह कुल मौजूद ग्राहकों से जुड़ी संभावनाओं को भुनाने के करीब भी नहीं है। एक अनुमान के मुताबिक, भारत के ऑनलाइन यूजर्स में करीब 50 फीसदी ग्रामीण इलाकों से है और डिजिटल के पास भारत के सबसे सुदूर इलाके तक पहुंचने या समाज के हर तबके तक पहुंचने का बड़ा मौका है। ऐसे में इंश्योरेंस कंपनियों को भारत में इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स की बिक्री के तरीके एवं डिजिटल ऑफर्स में ग्राहकों को किस तरह बेस्ट वैल्यू मिल सकता है इस बारे में दोबारा विचार करने की जरूरत है।

डिजिटल का चलन बढ़ने से बीमा कंपनियों के लिए ग्राहकों को समाधान उपलब्ध कराना हुआ आसान - डिजिटल के जरिए कंपनियों को 'प्रोडक्ट्स' की अवधारणा से हटकर ग्राहकों को समाधान उपलब्ध कराने की संभावनाओं का द्वार खुल जाता है। एम्बेडेड इंश्योरेंस ऐसा एक उदाहरण है जहां इंश्योरेंस कंपनी ग्राहकों को अन्य प्रोडक्ट या सर्विस की खरीद पर समाधान ऑनलाइन तरीके से पेश कर सकती है। एम्बेडेड इंश्योरेंस को निर्विवाद रूप से ऐसे प्वाइंट पर मौजूदगी का फायदा मिलता है जहां ग्राहक पहले से अवेलेबल हो और ऐसे में जब वैल्यू इंश्योरेंस को पिच किया जाता है तो ग्राहक के उसके फायदे को समझने की संभावना बहुत अधिक रहती है।

क्या है एम्बेडेड इंश्योरेंश, इससे ग्राहकों को क्या फायदा है - असान भाषा में समझें तो ऑनलाइन उपलब्ध बीमा विकल्पों को एम्बेडेड इंश्योरेंस कहा जा सकता है। एम्बेडेड इंश्योरेंस कोई नया विचार नहीं है। अगर आप एम्बेडेड इंश्योरेंस के पहले के उदाहरण को समझना चाहते हैं तो आप इसके जरिए इसे समझ सकते हैं कि जब कोई ग्राहक होम लोन लेता है तो उसे कवर करने के लिए एक टर्म प्लान भी लेता है। हालांकि, डिजिटल के नए युग में ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इनोवेटिव सॉल्यूशन प्रदान करने के बहुत अधिक मौके मौजूद हैं। इनके अलावा 'फिजिटल' मॉडल से ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीके से सभी प्रोडक्ट्स/सर्विसेज की बिक्री में डिजिटल का महत्व इतना अधिक होता है कि ग्राहकों को वैल्यू एडेड सर्विस उपलब्ध कराना ना सिर्फ मुमकिन होता है बल्कि ग्राहकों से ऐसी आकांक्षा भी होती है। यह ध्यान रखना जरूरी कि एम्बेडेड इंश्योरेंस महज एक डिस्ट्रीब्यूशन चैनल बनकर ना रह जाए श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ कैस्परस जेएच क्रॉमहौट के अनुसार, इस बात को सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखने की जरूरत होती है कि एम्बेडेड इंश्योरेंस इंश्योरर के लिए एक अन्य डिस्ट्रिब्यूशन चैनल बनकर ना रह जाए।

मारुति सुजुकी ने तमिलनाडु के पोर्ट से डील साइन की

कामराजर पोर्ट से दुनियाभर में हर साल 20 हजार कारें एक्सपोर्ट करेगी कंपनी, पांच साल के लिए किया कॉन्ट्रेक्ट

नई दिल्ली।
मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने ग्लोबल मार्केट में अपनी कारों को एक्सपोर्ट करने कि लिए तमिलनाडु के कामराजर पोर्ट से डील साइन की है। यह डील पांच साल के लिए की गई है। ऑटोमोबाइल यूनिट्स को इंपोर्ट और एक्सपोर्ट करने के लिए कामराजर पोर्ट के मैनेजमेंट ने एक कार-कम-जनरल कार्गो बर्थ डेवलप किया है।

इसका इस्तेमाल अफ्रीका, मिडल ईस्ट, लैटिन अमेरिका, आसियान , ओशिनिया और सार्क रीजन में कारों के एक्सपोर्ट के लिए किया जाएगा। भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी ने गुरुवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि वह इस पोर्ट से सालाना 20 हजार व्हीकल्स को एक्सपोर्ट करेगा। एक्सपोर्ट के लिए देश में कंपनी का यह चौथा पोर्ट है। वर्तमान में मारुति सुजुकी मुंबई, मुंद्रा और पिपावाव बंदरगाहों से अपनी गाड़ियों को विदेश में एक्सपोर्ट कर रही है।

दुनिया भर के कस्टमर तक पहुंचने में मदद मिलेगी - मारुति सुजुकी के एमडी और सीईओ हिसाशी टेकुची ने कहा, कंपनी मेक इन इंडिया पहल के लिए डेडीकेटेड है। हमारे एक्सपेंडिंग एक्सपोर्ट ऑपरेशन यह दिखाते हैं कि हम ग्लोबल कस्टमर के लिए भरोसेमंद, हाई क्वालिटी और एडवान्स्ड कार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि कामगार पोर्ट से निर्यात की शुरुआत से हमें दुनियाभर के कस्टमर तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इससे कंपनी द्वारा उपयोग किए जा रहे मुंद्रा, मुंबई और पिपावाव पोर्ट का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। कामराजर पोर्ट के एमडी सुनील पालीवाल ने कहा, मारुति सुजुकी के पोर्ट से जुड़ने से हमें परिचालन बढ़ाने में मदद मिलेगी। उम्मीद करते हैं कि यह डील सक्सेस होगी और हम भारत की इकोनॉमी में योगदान दे पाएंगे। उन्होंने बताया कि पोर्ट पर 14 हजार कारों के लिए पार्किंग स्पेस है। यहां शिपिंग से पहले गाड़ियों की अच्छी तरह से जांच और सफाई की जाती है।

मारुति ने कहा, दोनों कंपनियों के बीच हुए समझौते के तहत कर्नाटक में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बिदादी प्लांट में बनाई जा रही मारुति सुजुकी की ग्रैंड विटारा को डिलीवरी से पहले पोर्ट पर प्री-डिलीवरी इंस्पेक्शन (पीडीआई) किया जाएगा, इसके बाद एक्सपोर्ट किया जाएगा।

एमपीसी ब्योरा : जल्द नहीं थमेगा ब्याज दरों में वृद्धि का दौर, फिर बढ़ेगा रेपो रेट

मुंबई।
महंगाई में नरमी के बावजूद आरबीआई ब्याज दरों के मोर्चे पर अभी राहत नहीं देना चाहता है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के ब्योरे में इसका संकेत दिया है। ब्योरे के मुताबिक, दास ने कहा कि ब्याज दरों में वृद्धि का दौर जल्द थमने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, अगर तरलता को कम करने की कोशिश के तहत की जा रही वृद्धि को सही वक्त आने से पहले रोक दिया गया तो यह नुकसानदेह साबित हो सकता है। आरबीआई की दिसंबर के पहले सप्ताह में हुई एमपीसी की बैठक में रेपो दर में 0.35 फीसदी की वृद्धि की गई थी। इस वृद्धि को सही ठहराते हुए दास ने कहा, मेरा मानना है कि मौद्रिक नीति कार्रवाई में वक्त से पहले ठहराव लाना इस वक्त एक बड़ी नीतिगत भूल साबित होगी। अभी भविष्य की स्थिति काफी अनिश्चय है।ऐसे में ब्याज दरों में बढ़ोतरी रोकने से ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं, जिनमें महंगाई दर का दबाव और बढ़ सकता है।

ऐसा होने पर हमें और ज्यादा कड़े नीतिगत फैसले करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। डिप्टी गवर्नर माइकल देवब्रत पात्रा ने कहा कि आने वाली सूचनाओं से यह संकेत नहीं मिलता है कि महंगाई में मामूली नरमी टिकाऊ है।इसलिए महंगाई के लक्ष्य के प्राप्त करने के लिए एमपीसी की उचित प्रतिक्रिया देने के लिएतैयार रहना चाहिए। एमपीसी सदस्य जयंत आर वर्मा ने रेपो दर में 0.35प्रतिशत वृद्धि के खिलाफ मतदान किया था। उन्होंने कहा था, मेरा मानना है कि 6.25प्रतिशत की रेपो दर आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम है। उदार रुख वापस लेने से विकास के नरम दृष्टिकोण को नुकसान हो सकता है।

सैमसंग नए आईपैड के लिए स्पेशल ओएलईडी पैनल कर रहा विकसित

सैन फ्रांसिस्को। सैमसंग कथित तौर पर विशेष ओएलईडी पैनल के विकास को प्राथमिकता दे रहा है जिसका उपयोग 2024 में कुछ आईपैड मॉडल में किया जाएगा। सैममोबाइल की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले, तकनीकी दिग्गज फुल-कट ओएलईडी पैनल बनाना चाहते थे, लेकिन आईपैड के लिए ओएलईडी पैनल की संभावित मांग को देखते हुए, सैमसंग ने टू-स्टैक टेंडेम ओएलईडी पैनल का विकास शुरू कर दिया है। टू-स्टैक टेंडेम ओएलईडी पैनल में एक के बजाय पिक्सल की दो लेयर्स शामिल हैं और यह हाइब्रिड तकनीक स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्टवॉच, टीवी और लैपटॉप में उपयोग किए जाने वाले मौजूदा ओएलईडी पैनल की तुलना में हायर ब्राइटनेस और लंबा जीवन प्रदान करेगी।

टाटा बढ़ाएगी टियागो ईवी के दाम: अगले महीने से 30 से 35 हजार रुपए महंगी हो जाएगी इलेक्ट्रिक कार, अभी 8.49 लाख शुरुआती कीमत

नई दिल्ली।
टाटा मोटर्स ने अपनी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार टियागो ईवी के दाम बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। नई कीमतें जनवरी से लागू हो जाएंगी। ये कीमतें 3 से 4प्रतिशत तक बढ़ाई जाएंगी। इससे टियागो ईवी के सभी वैरिएंट्स 30 से 35 हजार रुपए महंगे हो सकते हैं। टियागो की कीमत बढ़ाए जाने की उम्मीद पहले से ही थी, क्योंकि कंपनी ने इस ईवी को पहले 10 हजार कस्टमर के लिए इंट्रोडक्टरी प्राइस पर लॉन्च किया था। हालांकि लॉन्चिंग के बाद मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद कंपनी ने यह सुविधा 20 हजार ग्राहकों को दी गई थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने बताया कि टियागो की कीमतें बढ़ाने का संबंध सिर्फ इंट्रोडक्टरी प्राइस नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले साल की तुलना में बैटरी कीमतें 30 से 35 प्रतिशत महंगी हो गई हैं।

इसके अलावा ईवी के लिए नए बैटरी नार्म्स और अप्रैल से लागू होने वाले बीएस-6 एमीशन नार्म्स के कारण मैकिंग कोस्ट बढ़ गया है। इसलिए ईवी की कीमत बढ़ाई जा रही हैं।

चंद्रा ने बताया कि कस्टमर पर इसका सीधा असर न हो इसके लिए कंपनी इन कीमतों को दो चरणों में बढ़ाएगी। टाटा की ईवी कारों में 20 से 25 प्रतिशत डिमांड टियागो ईवी की चंद्रा ने कहा कि इस ईवी की बुकिंग टियागो के सभी वेरिएंट्स (पेट्रोल और सीएनजी) की तुलना में 30 से 35प्रतिशत है। वहीं कंपनी के अन्य इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (नेक्सॉन ईवी और टिगोर ईवी) लाइन-अप में टियागो ईवी की डिमांड 20 से 25प्रतिशत है। चंद्रा ने बताया कि कंपनी मिड जनवरी तक टियागो ईवी की डिलीवरी शुरू करने की योजना बना रही है और चार से पांच महीनों के भीतर पहले बैच की डिलीवरी पूरी करने की उम्मीद है। टाटा अगले 4 सालों में 10 बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल लाने की योजना बना रही है।

रिलायंस ने जर्मन कंपनी मेट्रो के भारतीय कारोबार का किया अधिग्रहण, 2850 करोड़ रुपये में हुई डील

नई दिल्ली।
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड 2,850 करोड़ में जर्मन फर्म मेट्रो एजी के भारत में थोक कारोबार का अधिग्रहण करेगी। इस अधिग्रहण से रिलायंस के मुखिया अरबपति मुकेश अंबानी भारत के विशाल खुदरा क्षेत्र में अपनी प्रमुख स्थिति को मजबूत करना चाहता है। खबरों के अनुसार इस डील में मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी ने अहम भूमिका निभाई है।

रिलायंस इंस्ट्रीज की सब्सिडियरी आरआरवीएल (रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड) ने 100 प्रतिशत हिस्सेदारी की खरीदारी के लिए मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षरण किया है। यह डील 2850

करोड़ रुपये में की गई है।

जर्मन फर्म मेट्रो एजी ने 2003 में भारत में शुरू किया था कारोबार

जर्मन कंपनी मेट्रो एजी ने 2003 में कैश-एंड-कैरी बिजनेस फॉर्मेट पेश करने वाली पहली कंपनी के रूप में भारत में कारोबार शुरू किया था। वर्तमान में यह कंपनी लगभग 3,500 कर्मचारियों के साथ 21 शहरों में 31 बड़े प्रारूप स्टोर संचालित करती है। मल्टी-चैनल कैश एंड कैरी होलसेलर के रूप में कंपनी की भारत में 3 मिलियन से अधिक ग्राहकों तक पहुंच है। इनमें से 1 मिलियन ग्राहक अपने स्टोर नेटवर्क और ऐप के माध्यम से खरीदारी करते हैं। मेट्रो इंडिया ने खुद को किराना और अन्य छोटे व्यवसायों और व्यापारियों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2021/22 (सितंबर 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष) में, मेट्रो इंडिया ने 7700 करोड़ की बिक्री की है जो भारतीय बाजार में प्रवेश के बाद से कंपनी का सबसे अच्छा बिक्री प्रदर्शन है।

मेट्रो इंडिया ने बयान जारी कर साझा की अधिग्रहण की खबर

कंपनी ने एक बयान मे कहा, इस अधिग्रहण के माध्यम से, रिलायंस रिटेल को भारत के प्रमुख शहरों के प्रमुख स्थानों पर स्थित मेट्रो इंडिया स्टोर्स के एक विस्तृत नेटवर्क तक पहुंच मिलेगी। साथ ही कंपनी को पंजीकृत किराना और अन्य संस्थागत ग्राहकों का एक बड़ा आधार, मजबूत आपूर्तिकर्ता नेटवर्क और मेट्रो इंडिया की ओर से कार्यान्वित कुछ वैश्विक सर्वोत्तम संचालक तकनीक हासिल होंगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, यह अधिग्रहण रिलायंस रिटेल के फिजिकल स्टोर फुटप्रिंट और आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क, प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों और सोर्सिंग क्षमताओं में तालमेल और दक्षता का लाभ उठाकर उपभोक्ताओं और छोटे व्यापारियों की बेहतर सेवा करने की क्षमता को और मजबूती प्रदान करेगा।

ईशा अंबानी बोलीं- यह अधिग्रहण हमारी वाणिज्यिक रणनीति के अनुरूप

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, मेट्रो इंडिया का अधिग्रहण छोटे व्यापारियों और उद्यमों के साथ सक्रिय सहयोग के माध्यम से साझा समृद्धि का एक अनूठा मॉडल बनाने की हमारी नई वाणिज्य रणनीति के अनुरूप है। मेट्रो इंडिया भारतीय बी2बी बाजार में अग्रणी और प्रमुख खिलाड़ी है और इसने मजबूत ग्राहक अनुभव प्रदान करने वाला एक ठोस मल्टी-चैनल प्लेटफॉर्म बनाया है। हमारा मानना है कि भारतीय व्यापारी/किराना पारिस्थितिकी तंत्र की हमारी गहरी समझ के साथ मेट्रो इंडिया की स्वस्थ संपत्ति भारत में छोटे व्यवसायों को कई अलग तरह के मौके उपलब्ध कराएगी।

एफटीएक्स के पूर्व मुखिया को एफबीआई के हवाले किया गया, बहामास से न्यूयार्क लाए गए

नई दिल्ली। दिवालिया क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के पूर्व मुखिया सैम बैंकमैन फ्राइड को एफबीआई के हवाले कर दिया गया है। उन्हें बुधवार की रात बहामास से न्यूयार्क ले जाया गया। उन्हें कुछ दिनों पूर्व हिरासत में लिया गया था। बैंकमैन-फ्राइड पर न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में मुकदमा चलाया जा रहा है। उसके अरबों डॉलर के साम्राज्य और क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स धराशायी होने से संबंधित धोखाधड़ी और अन्य आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। मैनहट्टन यूएस अटॉर्नी डेमियन विलियम्स ने बुधवार रात एक बयान में कहा कि कथित जालसाज जल्द से जल्द एक संघीय न्यायाधीश के सामने पेश किया जाएगा। बैंकमैन-फ्राइड ने नासाओ के ओडिसी हवाई अड्डे से लगभग 7 बजे उड़ान भरी।

अल्लू अर्जुन की फिल्म के गीत की धुन चुराने का आरोप

-फिल्म सर्कस के जारी हो चुका है यह गीत

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म सर्कस के जारी हो चुके गीत को लेकर चोरी का आरोप लगा है। कहा ये जा रहा है कि इस गीत की धुन दक्षिण भारत के सुपर सितारे अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर रही फिल्म के गीत की धुन से उठाई गई है। रोहित शेट्टी की इस फिल्म में रणवीर सिंह दोहरी भूमिका निभाते नजर आएंगे। करंट लगा गीत दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह पर फिल्माया गया है। दीपिका का यह गीत कैमियो है। सर्कस 23 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। करंट लगा गीत का रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जमकर मजाक उड़ाया जा रहा है कारण है गाने का बैकग्राउंड म्यूजिक अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर रही फिल्म सराइनोडु से मिलता-जुलता है। यह चोरी पकड़े जाने के बाद से ही सोशल मीडिया यूजर्स मेकर्स और स्टारकास्ट को बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं। ट्रोलिंग के दौरान इस गीत को लेकर एक यूजर ने लिखा है पहले सिर्फ फिल्में ही चोरी होती थीं अब बॉलीवुड वाले गाने भी चुराने लगे।

वहीं दूसरे ने लिखा बॉलीवुड वाले कभी साउथ की कॉपी करने से पीछे नहीं हटते। रोहित शेट्टी की यह फिल्म शेक्सपियर के लोकप्रिय नाटक द कॉमेडी ऑफ एरर्स से प्रेरित है। इसी नाटक पर 80 के दशक में गुलजार ने संजीव कुमार देवेन वर्मा और मौसमी चटर्जी को लेकर फिल्म अंगूर का निर्माण व निर्देशन किया था। अपने समय में इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा व्यवसाय किया था। अंगूर को भारतीय सिनेमा की कल्ट कॉमेडी फिल्मों में शुमार किया जाता है। रोहित शेट्टी की सर्कस में रणवीर सिंह जैकलीन फर्नांडिस पूजा हेगड़े अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। वहीं अजय देवगन फिल्म में कैमियो में नजर आने वाले है। बता दें कि हिन्दी फिल्मों में अब दूसरी फिल्मों के माल को चुराना कोई बड़ी बात नहीं रह गई है। आए दिन इस तरह के मामले सामने आते रहते हैं।

गोविंदा ने लगातार हिट फिल्में दीं लेकिन उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे : रोहित

मुंबई (ईएमएस)। गोविंदा बालीवुड के सुपरस्टार्स में से एक रहे हैं। उनका आकर्षण आज भी लोगों के सिर चढ़कर बोलता है। फिर भी माना जाता है कि शोबिज वर्ल्ड में उन्हें उनके हिस्से की सफलता नहीं मिली है। वह स्टारडम जो वह डिजर्व करते थे उन्हें कभी नहीं मिला। फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने कहा कि गोविंदा ने 10 साल तक लगातार ब्लॉक बस्टर फिल्में दीं लेकिन उन्हें उसका सही हिसाब नहीं मिल पाया। रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी मच-अवेटेड फिल्म सर्कस के प्रमोशन को लेकर सुर्खियों में हैं। रोहित की फिल्म में रणवीर सिंह जैकलीन फर्नांडिज पूजा हेगड़े वरुण शर्मा टीकू तलसानिया जॉनी लीवर संजय मिश्रा जैसे एक्टर्स शामिल हैं। ये फिल्म विलियम शेक्सपीयर की नॉवल द कॉमेडी ऑफ एरर्स पर बनी है। रोहित ने फिल्म को लेकर बात की। गोविंदा आज अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। रोहित शेट्टी ने कहा- लगातार दस साल तक उस इंसान ने सिर्फ ब्लॉक बस्टर्स दिए। गोविंदा और डेविड धवन ने मिलकर शोला और शबनम आंखें राजा बाबू जोड़ी नंबर वन और हसीना मान जाएगी जैसी बैक-टू-बैक हिट फिल्में दी। रोहित शेट्टी बोले मुझे नहीं लगता कि उन्हें उनका सही हक मिल पाया वरना वह आज सबसे बड़े सुपरस्टार होते। अब सोशल मीडिया है एक चलती है तो सब चिल्लाते हैं। उन्होंने दस साल तक लगातार हिट्स दिए हैं। गोविंदा आज यानी 21 दिसंबर को अपना जन्म दिन मना रहे हैं। वह आज 60 साल के हो गए हैं। 1986 में इल्जाम फिल्म से अपने करियर की शुरूआत करने वाले गोविंदा ने लगातार हिट फिल्मों में काम किया। डायरेक्टर डेविड धवन के साथ उनकी जोड़ी को ब्लॉकबस्टर माना जाता था। हाल ही में गोविंदा डांस इंडिया डांस सुपर मॉम्स रिएलिटी शो में बतौर जज नजर आए थे। इस शो को हाईएस्ट टीआरपी मिली थी। गोविंदा के खाते में अब भी कई फिल्में हैं। रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस 23 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण ने भी रणवीर सिंह के साथ एक स्पेशल गाना किया है। रोहित शेट्टी सर्कस के अलावा एक वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स भी डायरेक्ट कर रहे हैं। जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा विवेक ओबरॉय और शिल्पा शेट्टी लीड रोल में होंगे। ये कॉप एक्शन ड्रामा अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी।

प्रतीक सहजपाल की जन्मदिन पार्टी में बेशर्म रंग गाना बजते ही डांस के लिए मचल उठीं पूनम पांडे

मुंबई (ईएमएस)। शाहरुख खान की फिल्म पठान इन दिनों ट्रोल्स के निशाने पर है और फिल्म के बायकॉट की मांग लगातार तेज हो रही है। इसी फिल्म से हाल ही में दीपिका पादुकोण पर फिल्माया गया गाना बेशर्म रंग रिलीज हुआ है जिसमें उनके सेंसेशनल डांस और कपड़ों पर खूब तहलका मचा हुआ है। खैर एक तरफ जहां इसी गाने की वजह से फिल्म के बायकॉट की हवा चली हुई है वहीं इंडस्ट्री की कई अभिनेत्रियां इस गाने के खूब रील्स बना रही हैं। अब नया वीडियो पूनम पांडे का आया है जिसमें वह बेशर्म रंग गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। हालांकि पूनम पांडे ने इस गाने पर रील नहीं बनाया है बल्कि एक इवेंट में बज रहे गाने पर वह लचकती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में पूनम के हाथ में कॉफी मग दिख रहा है और बेशर्म रंग पर अपनी बॉडी को गाने की धुनों पर मूव करती दिख रही हैं। पूनम के इस वीडियो को देखकर अधिकतर यूजर्स यही कह रहे हैं कि दीपिका से अच्छा तो इनको ले लेते वैसे भी इन कामों में एक्सपर्ट हैं। एक ने कहा आपके बेशर्म रंग को तो दुनिया देख चुकी है। बता दें कि पूनम का यह वीडियो बिग बॉस फेम प्रतीक सहजपाल के 29वें बर्थडे पार्टी का है जो सोमवार रात को सेलिब्रेट किया गया। इस पार्टी में टीवी इंडस्ट्री के कई सितारे शामिल हुए जिसमें पूनम भी थीं। पूनम पांडे कंगना रनौत के शो लॉक अप में भी नजर आ चुकी हैं। इस शो में पूनम ने अपनी लाइफ से जुड़े कई शॉकिंग खुलासे भी किए थे और कई जगह उन्हें अपनी गलतियों पर कंगना से झाड़ भी पड़ी थी।

सलमान बोले गॉड ब्लेस यू अक्की

हम सभी जानते हैं कि अक्षय कुमार एक फैमिली मैन हैं जिन्होंने हमेशा सबके सामने यह बात मानी है कि उनकी ज़िंदगी में अपने बच्चों पत्नी और बहन की क्या अहमियत है। इसके साथ ही सलमान खान जो खुद भी अपने परिवार के बहुत करीब हैं अक्षय से बहुत अच्छी तरह जुड़ते हैं। अब सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अक्षय कुमार का एक वीडियो शेयर किया है जिसमें अक्षय अपनी फिल्म रक्षा बंधन के प्रमोशन के दौरान अपनी बहन से मिले एक ऑडियो मैसेज को सुनने के बाद बेहद इमोशनल दिख रहे हैं। उनका यह वीडियो रक्षा बंधन के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर से पहले सामने आया है।गॉड ब्लेस यू अक्की वाकई शानदार। इसे देखकर बहुत अच्छा लगा। फिट रहें काम करते रहें और भगवान हमेशा आपके साथ रहें ब्रदर। इस वीडियो को शेयर करते हुए सलमान ने कहा है मैंने अभी-अभी कुछ देखा जिसे मैंने सोचा कि सबके साथ शेयर करना चाहिए।

लंदन में मॉम के साथ विंटर वेकेशन मना रहीं सारा अली खान ने शेयर की सिजलिंग तस्वीरें

बॉलीवुड की चुलबुली अभिनेत्री सारा अली खान इन दिनों लंदन में मॉम अमृता सिंह के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। सारा ने अपनी वेकेशन की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन पर उनके फैंस प्यार लुटा रहे हैं। सारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लंदन से कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें से एक वे इनडोर पूल में स्विमिंग पूल में खड़ी हैं और उन्होंने पिंक बिकनी पहनी हैं। वहीं उन्होंने अपने पैरों की एक तस्वीर भी शेयर की है। इन पिक्चर्स के कैप्शन में सारा ने लिखा, "हैप्पी, पीसफुल, रिलैक्स।" एक अन्य तस्वीर में सारा मॉम अमृता सिंह और हेयर स्टाइलिस्ट सैंकी एवरस के साथ हैं। इस तस्वीर में सारा पिंक कलर की जैकेट और शूज के साथ पिंक जिम वियर में बेहद प्यारी लग रही हैं। अमृता सिंह लॉन्ग ब्लैक विंटर जैकेट के साथ कैजुअल्स लुक में नजर आ रही हैं। इनके अलावा सारा ने अर्ली सनसैट का एक वीडियो और अपने डिनर की एक तस्वीर भी शेयर की है। तस्वीर में टेबल पर कई डिशेज नजर आ रही हैं। इस पिक्चर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'इन मूड फॉर द फूड।' सारा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अगले साल उनकी चार फिल्में रिलीज के लिए कतार में हैं। वह लक्ष्मण उटेकर की अनटाइटल फिल्म में विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा अनुराग बसु की मेट्रो ...इन दिन और गैसलाइट में दिखाई देंगी।

मेगन फॉक्स और केली की जबरदस्त केमिस्ट्री

हॉलीवुड फिल्मों की एक्ट्रेस मेगन फॉक्स मंगेतर मशीन गन केली के साथ आउटिंग को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। इस कपल को एक साथ सिटी में स्पॉट किया जाता है। बीते सोमवार को फिर इस कपल को लॉस एंजिल्स में डिनर पर स्पॉट किया गया जहां दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली। कपल की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 36 की मेगन फॉक्स पेल ग्रीन टॉप के साथ सिल्वर शिमरी मिनी स्कर्ट में बेहद बोल्ड नजर आईं। इस लुक को उन्होंने पिंक श्रग के साथ टीम अप किया था। स्किनफिट टॉप में एक्ट्रेस के क्लीवेज साफ नजर आए। इस लुक को मेगन ने पिंक सैंडल के साथ कंप्लीट किया और हाथ में खूबसूरत सा पर्स कैरी किया था। ओवरऑल लुक में एक्ट्रेस काफी हॉट दिखीं।

तैमूर के बर्थडे पर करीना की पोस्ट

करीना कपूर और सैफ अली खान के शहजादे तैमूर अली खान 6 साल के हो गए हैं और इस मौके पर उन्हें सोशल मीडिया पर लगातार बधाइयां मिल रही हैं। इसी बीच मॉम करीना कपूर ने भी अपने लाडले को खास पोस्ट शेयर कर बर्थडे विश किया है। एक्ट्रेस के पोस्ट पर फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। करीना कपूर ने अपने शहजादे तैमूर की कभी समसेट एंजॉय करते तो कभी बिस्तर पर कूदते हुए की तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- टिम क्या तुम पृथ्वी के छोर को देख सकते हो? क्योंकि मैं तुमसे उतना प्यार करती हूँ। सपने देखते रहो मेरे बच्चे सूर्यास्त का पीछा करते रहो और खोजते रहो... काम की बात करें तो करीना कपूर को हाल ही में फिल्म लाल सिंह चड्ढ़ा में देखा गया था। फिल्म में एक्ट्रेस आमिर खान के साथ नजर आई थीं।

विवादों के बीच रिलीज हुआ 'पठान' का दूसरा गाना 'झूमे जो पठान'

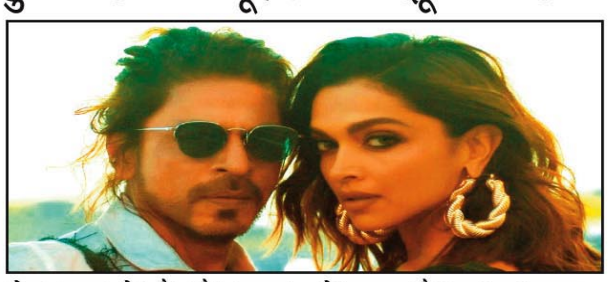

शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की फिल्म पठान के हालिया रिलीज गाने 'बेशरम रंग' इन दिनों विवादों में है। इस बीच निर्माता ने गुरुवार को फिल्म का दूसरा गाना 'झूमे जो पठान' रिलीज कर दिया है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण पर फिल्माए गए इस गाने को सुनने के बाद दर्शक खुशी से झूम उठे हैं। गाने में शाहरुख - दीपिका के जबदस्त डांस मूव्स देखे जा सकते हैं। 'झूमे जो पठान' गाने को अरिजीत सिंह के साथ सुकृति ककर और विशाल-शेखर की जोड़ी ने मिलकर गाया है। गाने के बोल कुमार के हैं और इसका म्यूजिक विशाल-शेखर ने तैयार किया है। 'झूमे जो पठान' गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। फैंस इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं। अगर बात करें फिल्म 'पठान' की तो दर्शकों को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इन्तजार है। यह एक एक्शन - थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म में शाहरुख, जॉन और दीपिका के अलावा डिम्पल कपाड़िया और आशुतोष राणा भी अहम भूमिका में होंगे। यह फिल्म 25 जनवरी, 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में एक साथ रिलीज होगी।

साल 2022 में बॉलीवुड के इन सितारों ने रचाई शादी

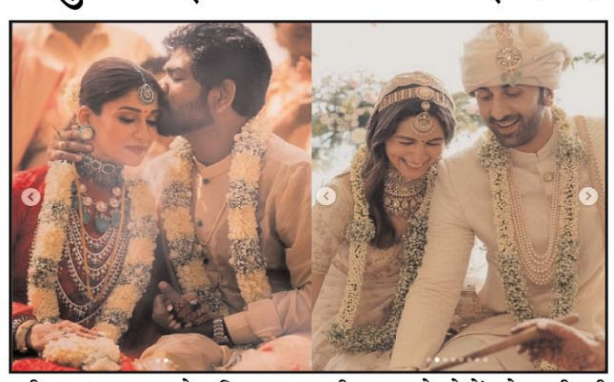

साल 2022 में अब कुछ दिन ही और शेष रह गए हैं और जल्द ही साल 2023 शुरू हो जायेगा। साल 2022 बॉलीवुड के कई सितारों के लिए खुशियों से भरा रहा। इस साल बॉलीवुड के कई सितारों को अपना हमसफर मिला और उनके घर शादी की शहनाई गूंजी। इस स्पेशल अंक में हम अपने पाठकों को बता रहे हैं कुछ ऐसे ही सितारों के बारे में जिन्होंने इस साल शादी रचाई।

आलिया भट्ट-रणबीर कपूर - इस कड़ी में पहला नाम है रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का। दोनों बॉलीवुड के फेमस सेलिब्रिटी कपल है और दोनों ने इसी साल 14 अप्रैल को परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी रचाई थी।

नयनतारा-विग्नेश शिवन - दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी -मानी अभिनेत्री नयनतारा ने निर्देशक विग्नेश शिवन के साथ छह साल तक डेट करने के बाद इसी साल 9 जून को तमिलनाडु के खूबसूरत शहर महाबलीपुरम में शादी रचाई।

ऋचा चड्ढा -अली फजल - सेलिब्रिटी कपल ऋचा चड्ढा और अली फजल ने भी सालों तक एक दूसरे को डेट करने के बाद इस साल शादी रचाई। दोनों की मुलाकात साल 2013 में आई फिल्म फुकरे के सेट पर हुई थी और इसके बाद ही दोनों एक - दूसरे को डेट करने लगे थे। दोनों साल 2020 की शादी की प्लानिंग कर रहे थे लेकिन कोरोना महामारी की वजह से दोनों को शादी की डेट आगे बढ़ानी पड़ी। दोनों ने इस साल 4 अक्टूबर को परिवार की मौजूदगी में धूमधाम से शादी रचाई।

पायल रोहतगी-संग्राम सिंह - अभिनेत्री पायल रोहतगी और पहलवान संग्राम सिंह भी लगभग 12 साल तक एक -दूसरे को डेट करने के बाद इसी साल 9 जुलाई को शादी के बंधन में बंधे। इन सब के अलावा मौनी रॉय, हंसिका मोटवानी, सना कपूर और विक्रांत मैसी आदि ने भी इस साल शादी रचाई।

सूडोकु नवताल- 6557

★★★✯☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6556 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 7621

1	2		3	■	4		5	■
6		■		■		■	7	8
	■	9		10		■	■	
11			■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			

बाएँ से दाएँ

1. रमण योग्य-4
4. साल, वर्ष-3
6. बांया-2
7. राय, वोट-2
9. तकरार, कहासुनी-4
11. अंधकार, अंधेरा-3
12. सरल, आसान-3
13. चील, ईगल-2
14. देवदास की प्रेमिका-2
15. सूली, क्रूस-3
17. कारण-3
19. मन को हरने वाला-4
21. कार्य, काज-2
23. बाण, तीर-2
24. दबाना, कुचलना-3
25. हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. परंपरा, रीति-रिवाज-4
2. संस्कृत में 'मेरा'-2
3. भरोसा, विश्वास-3
4. दीदी, भगिनी-3
5. समान, एक जैसा-2
8. अंधेरा, अंधकार-3
9. बोरिया बिस्तर-4
10. रिहा-2
12. तालाब, जलाशय-4
15. तमीज, शिष्टता-3
16. मछली, एक राशि-2
18. ज्वरताप-4
19. चिंतन, विचार-3
20. रनिवास (उर्दू-3)
22. नशा, अभिमान-2
23. पार्थिव देह, लाश-2

शब्द पहेली -7620 का हल

गी	ला	■	गा	य	क	■	दी	प
ति	■	बा	ल	■	चा	बी	■	व
का	ज	ल	■	भा	■	ना	खू	न
■	ल	■	बा	व	न	■	न	■
स	म	त	ल	■	ख	ट	ख	ट
■	ह	■	क	रा	रा	■	रा	■
प	ल	क	■	वी	■	शा	बा	श
र	■	ला	ल	■	आ	प	■	ह
ख	त	■	ता	जु	ब	■	ती	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फाइनल हारने के 64 घंटे के अंदर प्रैक्टिस पर लौटे एम्बाप्पे, मार्टिनेज लगातार उड़ा रहे मजाक

पेरिस/ब्यूनस आयर्स।
विश्वकप के फाइनल में हार मिलने के 64 घंटे के अंदर फ्रांस के स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे 10 दिन की छुट्टियां रद्द कर बुधवार (21 दिसंबर) को प्रैक्टिस पर लौट आए। 24 वर्षीय एम्बाप्पे का मंगलवार को जन्मदिन था और माना जा रहा था कि वह विश्वकप की थकान मिटाने के लिए 10 दिन की छुट्टियों पर जाएंगे, लेकिन फाइनल की हार के सदमे से उबरने के लिए उन्होंने वापस मैदान पर आना बेहतर समझा। एम्बाप्पे अपनी घरेलू टीम पेरिस सेंट जर्मेन के ट्रेनिंग बेस कैंप में पहुंच गए। वहीं, पीएसजी में उनके साथी और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी अपने देश में टीम के बाकी साथियों के साथ जश्न मना रहे हैं।

पीएसजी के लिए 28 को खेल सकते हैं एम्बाप्पे - पीएसजी को 28 दिसंबर को स्ट्रॉसबर्ग के खिलाफ लीग-1 (फ्रेंच लीग) का मैच खेलना है। माना जा रहा है कि एम्बाप्पे इस मुकाबले में खेलने के लिए उतर सकते हैं। एम्बाप्पे के प्रैक्टिस पर आने की घोषणा खुद पीएसजी ने की। वह इस सत्र में पीएसजी के लिए 20 मैच में 19 गोल कर चुके हैं।

एम्बाप्पे के शब्द बन गए प्रेरणा - विश्वकप के फाइनल के हॉफ टाइम के दौरान फ्रांस के ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एम्बाप्पे अपगी टीम के साथियों को प्रेरित कर रहे हैं। एम्बाप्पे 2-0 से पिछड़ने के बाद साथियों से कह रहे हैं कि यह विश्वकप का फाइनल है और जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण मैच। हमारी स्थिति इससे ज्यादा खराब नहीं हो सकती है। हम वापस मैदान में खेलने चलते हैं या तो हम उन्हें खेलने देते हैं या फिर कुछ तीव्रता दिखाते हैं। हमें उनके साथ दो-दो हाथ करने हैं और कुछ अलग करके दिखाने की कोशिश करते हैं। एम्बाप्पे के इन शब्दों ने टीम में जान तो डाली ही साथ में वह खुद भी हाफ टाइम के बाद भूखे शेर की तरह टूट पड़े और हैट्रिक लगाई।

एम्बाप्पे के चेहरे वाली गुड़िया के साथ दिखे मार्टिनेज - विश्वकप के फाइनल में पेनाल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को जीत दिलाने वाले गोलकीपर एमेलियानो मार्टिनेज ने फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर काइलिन एम्बाप्पे का उपहास उड़ाना जारी रखा है। मार्टिनेज ने ब्यूनस आयर्स में दूसरे दिन एम्बाप्पे के चेहरे वाली गुड़िया को बगल में दबाकर विजय परेड में हिस्सा लिया। इस दौरान उनके साथ टीम के कप्तान और पेरिस सेंट जर्मेन में म्बापे के साथी लियोनल मेसी भी मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

इयान बिशप, टॉम मूडी, आरोन फिंच, साइमन कैटिच, इरफान पठान स्टार स्पोर्ट्स के आईपीएल नीलामी पैनल का हिस्सा होंगे

नई दिल्ली। इयान बिशप, टॉम मूडी, आरोन फिंच, साइमन कैटिच और इरफान पठान उन पैनलिस्टों में

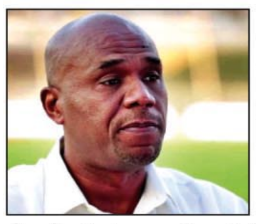

शामिल हैं, जो शुक्रवार दोपहर कोच्चि में होने वाली आगामी आईपीएल नीलामी 2023 के हिस्सा होंगे। नेटवर्क आईपीएल 2023 के खिलाड़ियों की नीलामी को पांच भाषाओं- अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ में प्रसारित करेगा। बिशप, मूडी, फिंच और कैटिच, ये सभी आईपीएल में प्रसारण, खेल और कोचिंग स्थितियों में, मयंती लैंगर के साथ इंग्लिश फीड के लिए मौजूद रहेंगे। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज पठान ने अपने खेल के करियर में छह आईपीएल टीमों के लिए खेला था, आकाश चोपड़ा के साथ हिंदी फीड में नीलामी रणनीतियों और खिलाड़ियों की भर्ती पर अपने विचार देंगे और उनके साथ जतिन सप्रू भी अपने विचार साझा करेंगे। उन्होंने कहा इस साल की नीलामी पैनलिस्ट को हमारे दर्शकों को सर्वोत्तम अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए चुना गया है। ये क्रिकेट क्षेत्र के कुछ सबसे कुशल विशेषज्ञ हैं, जिनके पास न केवल मैदान और टीम प्रबंधन का अनुभव है, बल्कि वे नीलामी रणनीतियों में भी मजबूत हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारी अंग्रेजी भाषा फीड में इयान बिशप जैसे नाम है, जो यकीनन क्रिकेट की दुनिया में एक जाना पहचाना नाम हैं। टॉम मूडी और साइमन कैटिच, जो विभिन्न आईपीएल टीमों की नीलामी रणनीति के दौरान महत्वपूर्ण सदस्य थे और आस्ट्रेलिया के सबसे सफल क्रिकेटरों में से एक आरोन फिंच, जिन्होंने अपने करियर में रिकॉर्ड नौ आईपीएल फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया है। तमिल फीड में लक्ष्मीपति बालाजी, सदगोपन रमेश और सुब्रमण्यम बद्रीनाथ होंगे जबकि तेलुगु फीड में वेणुगोपाल राव, एमएसके प्रसाद और आशीष रेड्डी होंगे। कन्नड़ फीड में विजय भारद्वाज, श्रीनिवास मूर्ति और बालचंद्र अखिल शामिल होंगे। खेल के ये दिग्गज हर नीलामी रणनीति का पूरी तरह से विश्लेषण करने में सक्षम होंगे, जो फ्रेंचाइजी अपनाती हैं और प्रशंसकों को नीलामी में उनकी पसंदीदा टीम के प्रदर्शन के बारे में अच्छी जानकारी प्रदान करती है।

आंद्रे कोली को जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका के दौरे के लिए वेस्टइंडीज का अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया

एंटीगा। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के अपने आगामी दौरों

के लिए वेस्टइंडीज की पुरुष टीम के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में आंद्रे कोली की नियुक्ति की गुरुवार को घोषणा की। वह फिल सिमंस की जगह लेंगे, जिन्होंने आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के बाद पद छोड़ दिया था। सीडब्ल्यूआई के निदेशक की सोमवार को हुई बैठक के बाद, सीडब्ल्यूआई ने घोषणा की है कि कोली 28 जनवरी से 16 फरवरी तक वेस्टइंडीज के जिम्बाब्वे के दो टेस्ट मैचों के दौरे के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका के बहु-प्रारूप दौरे के लिए अंतरिम कोच होंगे, जिसमें दो टेस्ट शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे में 21 फरवरी से 28 मार्च तक तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (वनडे) और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। जमैका के पूर्व विकेटकीपर/बल्लेबाज कोली वर्तमान में सीडब्ल्यूआई अकादमी कार्यक्रम के मुख्य कोच हैं। उन्होंने पहले सहायक अकादमी के मुख्य कोच और अंतरिम अकादमी के मुख्य कोच के रूप में काम किया था, जब 2010 में सगीकोर अकादमी शुरू की गई थी। वह वेस्ट इंडीज अंडर19 टीम के मुख्य कोच भी थे।

अर्जेंटीना के नोट पर होगी मेसी की तस्वीरः वर्ल्ड कप जीत के बाद सरकार तैयार कर रही है योजना

अर्जेंटीना। 36 साल बाद अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने वाले लियोनल मेसी की फोटो करेंसी पर होगी। अर्जेंटीना ने इससे पहले 1978 और 1986 में वर्ल्ड कप जीता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अर्जेंटीना को तीसरी बार खिताब दिलाने वाले मेसी की फोटो करेंसी पर छापने के लिए अर्जेंटीना सरकार के वित्तिय मामले को देखने वाला मंत्रालय विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है तो मेसी देश की करेंसी में छपने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं 18 दिसंबर को कतर में खेले गए फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना टीम ने पेनल्टी शूटऑउट में फ्रांस को 4-2 से हराया। इससे पहले तय समय तक दोनों टीमें 2-2 गोल की बराबरी पर थीं। उसके बाद मैच हाफ टाइम में गया। हाफ टाइम में भी दोनों टीमों ने 1-1 गोल किए। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर रहा। जिसके बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ। मेसी को दूसरी बार वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल का अवॉर्ड मिला। हालांकि, गोल्डन बूट फ्रांस के काइलियन एमबाप्पे को मिला। जिन्होंने टूनार्मेंट में 8 गोल किए। वहीं मेसी ने इस वर्ल्ड कप में 7 गोल किए थे। फाइनल में मेसी ने 2 गोल किए। वे अब तक वर्ल्ड कप में 26 मैच खेल चुके हैं, जिनमें 16 गोल करने में सफल हुए हैं।

पहली पारी में बांग्लादेश 227 रन पर ऑलआउट

उमेश-अश्विन को 4-4 विकेट, टीम इंडिया ने बिना विकेट गंवाए 19 रन बनाए

मीरपुर।
भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश की पहली पारी 227 रनों पर सिमट गई है। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में बिना नुकसान के 19 रन बना लिए हैं। पहले दिन स्टंप्स के बाद कप्तान केएल राहुल 3 और शुभमन गिल 14 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। फिलहाल, मेजबान टीम 208 रनों से आगे है। पहले दिन मीरपुर में टॉस जीतकर खेलने उतरी बांग्लादेश की ओर से मोमिनुल हक ने सबसे ज्यादा 84 रन बनाए।

उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। मुश्फिकुर रहीम 26 और लिटन दास ने 25 रन बनाए। ओपनर नजमुल हसन शान्तो ने 24 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव और रविचंद्रन अश्विन ने 4-4 विकेट लिए। वहीं, 12 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले जयदेव उनादकट के हिस्से 2 सफलताएं आईं। उन्हें पिछले मुकाबले के मैन ऑफ द मैच कुलदीप यादव की जगह टीम में शामिल किया गया है। उनादकट ने आखिरी टेस्ट 16 दिसंबर 2010 में खेला था।

पहला सेशन : 82 रन बनाने में मेजबान के 2 विकेट गिरे - पहले सेशन में बांग्लादेशी टीम ने 82 रन जोड़े, वहीं भारतीय टीम के गेंदबाजों ने 2 विकेट चटकाए। एक समय बांग्लादेश के दोनों ओपनर 39 रन पर पवेलियन लौट गए थे। फिर कप्तान शाकिब और मोमिनुल हक ने पारी संभाली। दोनों ने

सेशन खत्म होने तक तीसरे विकेट के लिए 43 रन जोड़ लिए।

दूसरा सेशनः 102 रन बने, 3 विकेट भी आए - दूसरे सेशन में मेजबान टीम ने 102 रन बनाए। उसे 3 झटके भी लगे। उसकी ओर से मोमिनुल अपना 16वां अर्धशतक जमाकर नाबाद रहे। जबकि शाकिब अल हसन, मुश्फिकुर रहीम और लिटन दास आउट हो गए। मोमिनुल ने टेस्ट में 27वीं बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया। इनमें उनके 9 शतक शामिल हैं। उन्होंने सबसे ज्यादा 50+ स्कोर करने के मामले में बांग्लादेश के हबीब-उल बशर (27) की बराबरी की। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वालों में वे चौथे नंबर पर हैं। उनसे पहले तमीम इकबाल (41), शाकिब अल हसन (35) और मुश्फिकुर रहीम (34) का नंबर है।

तीसरा सेशन : बांग्लादेश ऑलआउट, भारत ने 19 रन जोड़े - दिन के तीसरे और आखिरी सेशन में बांग्लादेश ने 5 विकेट खोए। जबकि टीम के टोटल में 43 रन जुड़े। पहले दिन भारत ने भी 19 रन बनाए हैं।

कैसे गिरे बांग्लादेश के विकेट

पहलाः 15वें ओवर में जाकिर हसन उनादकट की बॉल पर कट करना चाहते थे। उन्हें केएल राहुल ने स्लिप में कैच कराया। दूसरा : शान्तो को अश्विन ने आउट कराया। तीसरा : कप्तान शाकिब अल हसन को उमेश यादव ने मिड ऑफ पर पुजारा के हाथों कैच कराया। चौथा : रहीम को उनादकट ने ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। पांचवां : लिटन दास अश्विन की गेंद पर राहुल को कैच दे बैठे। छठा : उमेश यादव को दूसरा विकेट मिला। ऑफ स्टंप के पास की लेंथ बॉल बल्ले को चूमती हुई पंत के दस्तानों में जा पहुंची। सातवां : 69वें ओवर में नुरुल हसन को उमेश यादव ने आउट किया। आठवां : उमेश यादव ने 73वें ओवर में तस्कीन अहमद को मोहम्मद सिराज के हाथों पॉइंट में कैच कराया। यादव को चौथा विकेट मिला। नौवां : मोमिनुल हक 84 रन बनाकर आउट हुए। 74वें ओवर में अश्विन ने उन्हें विकेट के पीछे पंत के हाथों कैच कराया। दसवां : 74वें ओवर में अश्विन ने खालिद अहमद को शून्य के स्कोर पर उनादकट के हाथों कैच कराया। उमेश के बाद अश्विन को भी चौथा विकेट मिला।

कुलदीप बाहर, उनादकट की 12 साल बाद वापसी - भारतीय कप्तान केएल राहुल फिट हैं और खेल रहे हैं। टीम इंडिया में एक बड़ा बदलाव हुआ है। पिछले मुकाबले के प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप यादव बाहर किए गए हैं। उनकी जगह जयदेव उनादकट की 12 साल बाद वापसी हुई है। वहीं, बांग्लादेश में मोमिनुल और तस्कीन को प्लेइंग 11 में जगह मिली है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारतः केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, जयदेव उनादकट, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेशः जाकिर हसन, नजमुल हसन शान्तो, मोमिनुल हक, लिटन दास (विकेटकीपर), मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन (कप्तान), नुरुल हसन, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, खालेद अहमद और तस्कीन अहमद।

कुलदीप के बाहर होने पर गावस्कर ने कहा- मैन ऑफ द मैच को ड्रॉप करना अविश्वसनीय

ढाका।
भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ढाका के मीरपुर में शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश से बाहर करने से हैरान हैं। उन्हें ड्रॉप करने के फैसले को गावस्कर ने अविश्वसनीय करार दिया। 22 महीनों के बाद अपनी टेस्ट वापसी पर कुलदीप ने प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार जीता, चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में पहले टेस्ट में 188 रन की व्यापक जीत के बाद भारत ने दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की।

कुलदीप ने चटगांव में टेस्ट मैच में आठ विकेट चटकाए, जबकि कुल 113 रन दिए, उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट झटके। उन्होंने बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, पहली पारी में करियर के सर्वश्रेष्ठ 40 रन बनाकर और रविचंद्रन अश्विन के साथ आठवें विकेट के लिए 92 रन जोड़कर भारत को 404 रन बनाने में मदद की।

लेकिन गुरुवार को भारत के कार्यवाहक कप्तान के.एल. राहुल ने कहा कि कुलदीप को अंतिम एकादश से बाहर रखा गया है और उनकी जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को शामिल किया गया। इस अदला-बदली ने गावस्कर सहित कई लोगों को चकित कर दिया।

ब्रॉडकास्टर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने टॉस के बाद गावस्कर के हवाले से कहा, मैन आफ द मैच को बाहर करना, यह अविश्वसनीय है। यही एकमात्र शब्द है जिसका मैं उपयोग कर सकता हूं। मैं काफी कड़े शब्दों का इस्तेमाल करना चाहूंगा, लेकिन यह अविश्वसनीय है कि आपने एक मैन आफ द मैच को टीम में शामिल नहीं किया, जिसने 20 में से आठ विकेट झटके।

टॉस के समय राहुल ने खुलासा किया कि उनादकट ने प्लेइंग इलेवन में कुलदीप की जगह ली थी। ढाका टेस्ट भारत के लिए लंबे प्रारूप में उनादकट के लिए सिर्फ दूसरा मैच होगा। टेस्ट में उनकी अब तक की एकमात्र उपस्थिति लगभग 12 साल पहले, सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के 2010/11 दौरे के पहले टेस्ट में आई थी।

रोहित से टी20- वनडे की कप्तानी छीनी जा सकती हैः हार्दिक होंगे नए कप्तान; बोर्ड ने बातचीत की, लेकिन पंड्या ने समय मांगा

मुंबई।
रोहित शर्मा को वनडे और टी-20 की कप्तानी से हटाया जा सकता है। हार्दिक पंड्या उनकी जगह लेंगे। बीसीसीआई इस पर विचार कर रहा है और जल्द इसका ऐलान हो सकता है। सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि बोर्ड ने इसे मामले में पंड्या से बातचीत की है, लेकिन उन्होंने अभी पर कोई जवाब नहीं दिया है। फैसला लेने के लिए समय मांगा है।

पहले समझते हैं बोर्ड ने पंड्या को क्यों चुना - हार्दिक ने आईपीएल में पहली बार कप्तानी करते हुए नई टीम गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाया था। उन्होंने 15 मैचों में 44.27 की औसत से 487 रन बनाए। यही नहीं उन्होंने अपनी पारी में 4 अर्धशतक भी लगाए। साथ ही 8 विकेट लिए। उधर, टी-20 में उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड और आयरलैंड में टी-20 सीरीज

जीती थी।

पहलाः रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप और एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार मिली थी। इससे पहले एशिया कप में भी टीम इंडिया टॉप-2 में भी जगह नहीं बना पाई थी। तभी से वर्ल्ड कप के बाद रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाने की बात की जा रही है।

दूसराः बीसीसीआई ने पहले ही सिलेक्शन कमेटी को भंग कर दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि रोहित को भी कप्तानी से हटाया जा सकता है।

पिछले साल रोहित ने विराट की जगह ली थी - पिछले साल विराट कोहली ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। बाद में उन्हें वनडे की कप्तानी से हटा दिया गया था। उनकी जगह रोहित शर्मा को वनडे और टी-20 की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और टेस्ट की कप्तानी विराट के पास ही थी। बाद में विराट ने टेस्ट की कप्तानी को भी निजी कारणों का हवाला देकर छोड़ दिया था। जिसके बाद से रोहित तीनों फॉर्मेट के कप्तान हो गए थे।

बीसीसीआई ने सीनियर सिलेक्शन कमेटी बर्खास्त की - बीसीसीआई ने टीम इंडिया की सीनियर सिलेक्शन कमेटी को बर्खास्त कर दिया है। अब से कुछ देर पहले यह फैसला बीसीसीआई ने लिया। पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा समेत सभी सिलेक्टर्स को हटा दिया गया है। टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में टीम इंडिया को इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट की हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही टीम सिलेक्शन पर सवाल उठ रहे थे।

सुरेश रैना ने मुज्तबा यूसुफ, समर्थ व्यास, अफगानिस्तान के अल्लाह मोहम्मद को अपनी शीर्ष अनकैप्ड पसंद के रूप में नामित किया

नई दिल्ली।
भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुज्तबा यूसुफ, सौराष्ट्र के बल्लेबाज समर्थ व्यास, अफगानिस्तान के 15 वर्षीय स्पिनर अल्लाह मोहम्मद को आगामी आईपीएल 2023 की खिलाड़ी नीलामी से अपने शीर्ष अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में नामित किया है जो शुक्रवार को कोच्चि में आयोजित किया जाएगा। 20 साल के यूसुफ ने अतीत में भारतीय घरेलू क्रिकेट रैना के खिलाफ खेला था और यहां तक कि उन्हें आउट भी किया था। उन्होंने 2019 से घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों में जम्मू और कश्मीर के लिए खेला है।

वह धीमी गेंद की अच्छी विविधताओं के लिए जाने जाते हैं और यहां तक कि कटर भी फेंक सकते हैं। यूसुफ इससे पहले आईपीएल के पिछले दो सीजनों में नेट गेंदबाज के रूप में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का हिस्सा थे।

दूसरी ओर, व्यास के पास सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का अनुभव है, जिन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक छक्के (22) लगाए थे। उन्होंने इस साल की विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान दोहरा शतक भी बनाया और सौराष्ट्र को अहमदाबाद में खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। रैना ने कहा, मैं सैयद मुश्ताक अली में मुज्तबा(यूसुफ) के साथ खेला था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में, उनका स्विंग पर अच्छा एक्शन और नियंत्रण है। फिर आपके पास सौराष्ट्र से समर्थ व्यास हैं, जिन्होंने 150 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शीर्ष पांच रन बनाने वालों में से एक थे और अभी-अभी विजय हजारे ट्रॉफी जीती है। वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, जिनको लेने की संभावना है।

रैना ने आफ स्पिनर मोहम्मद के बारे में काफी तारीफ की, जो आगामी आईपीएल खिलाड़ी नीलामी में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं और खिलाड़ी पूल में अफगानिस्तान के आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। स्थानीय अंडर-16 टूर्नामेंट में खेलने के बाद, मोहम्मद ने अफगानिस्तान अंडर-19 टीम के साथ प्रशिक्षण लेना शुरू किया और मिस आइनाक नाइट्स के लिए शापेजा लीग में अपनी शुरूआत की। उन्होंने हिंदकुश स्टार्स के खिलाफ अपने दूसरे मैच में 4/15 सहित अपने पहले तीन मैचों में पांच विकेट लिए थे।

फीफा विश्व कप : अगले विश्व कप में भारत के खेलने की कितनी उम्मीद

कैसे 2026 के लिए क्वालीफाई करेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली।
कतर में आयोजित फुटबॉल विश्व कप समाप्त हो चुका है। अर्जेंटीना की टीम तीसरी बार चैंपियन बन चुकी है। भारतीय टीम एक बार फिर से विश्व कप में नहीं दिखी और फैंस के मन में यह सवाल फिर से उठने लगा कि आखिर टीम इंडिया फुटबॉल के इस महाकुंभ में कब नजर आएगी इससे संबंधित एक सवाल के जवाब में हाल ही में फीफा अध्यक्ष जियानी इंफैंटिनो ने अपनी राय रखी है।

इंफैंटिनो ने सोशल मीडिया पर कहा, अगला विश्व कप 2026 में होना है और भारत इसमें खेल सकता है। अगली बार 32 की जगह 48 टीमें हिस्सा लेंगी। ऐसे में भारत के पास क्वालीफाई करने का मौका होगा। मैं भारतीय फैंस को इस बारे में आश्वस्त करना चाहता हूं कि फीफा उनके देश में काफी काम कर रहा है। हम भारत में फुटबॉल को बड़ा करने के लिए

लगातार मेहनत कर रहे हैं।

भारतीय संसद में भी उठा मामला - इंफेंटिनों के इस बयान से पहले भारतीय संसद में फुटबॉल टीम को लेकर चर्चा हो चुकी है। 20 दिसंबर को संसद के प्रश्नकाल के दौरान केरल के सांसद वीके श्रीकंदन ने युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से एक सवाल किया। उन्होंने पूछा, क्या सरकार अगले फीफा विश्व कप के लिए भारत को योग्य बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो उसका विवरण क्या है

कतर में फीफा विश्व कप के सफल आयोजन, श्रीकंदन के सवाल और इंफेंटिनों के बयान ने भारतीय फुटबॉल को फिर से चर्चा में ला दिया है।

2026 में कैसा होगा विश्व कप का फॉर्मेट - 2026 में फुटबॉल विश्व कप का आयोजन अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होगा। यह पिछले सभी विश्व कप से अलग होगा। अगली बार टीमों की संख्या बढ़ने वाली है। 32 की जगह 48 टीमें हिस्सा लेंगी यानी इस साल के संस्करण से 16 टीमें ज्यादा। फीफा ने अभी यह नहीं बताया कि ग्रुप राउंड का फॉर्मेट क्या होगा, लेकिन 48 टीमों के शामिल होने की पुष्टि हो गई। एशियाई फुटबॉल महासंघ को मिलने वाले स्लॉट की संख्या को लगभग दोगुनी हो जाएगी। अब आठ एशियाई टीमें हिस्सा ले सकेंगी।

भारत की राह अभी भी मुश्किल - फीफा ने भले ही टीमों की संख्या को बढ़ाकर 32 से 48 कर दिया है, लेकिन टीम इंडिया की राह अभी भी कठिन है। फीफा की ताजा रैंकिंग के मुताबिक, भारत 106वें स्थान पर है। एशिया में उसका स्थान 19 है। वह वियतनाम, लेबनान, बहरीन, फिलिस्तीन और सीरिया से भी पीछे है। इसका मतलब यह है कि अगर एशिया से आठ टीमें भी जाती हैं तो भारत को इसमें शामिल होने के लिए कई उलटफेर करने होंगे। भारत इस मामले में नॉर्थ कोरिया से प्रेरणा ले सकता है। वह 2010 में 105वें स्थान पर रहने के बावजूद विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर गया था। इस साल रैंकिंग में सबसे निचली टीम घाना की थी। वह 61वें स्थान पर था। भारत ने हाल के दिनों में एशियाई टीमों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अफगानिस्तान, बांग्लादेश, कंबोडिया, हॉन्ग कॉन्ग, मालदीव और नेपाल को हराया है। हालांकि, वह बहरीन, जॉर्डन और यूएई जैसी मजबूत टीम के खिलाफ हारा भी है।

आईपीएल 2023 के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे इंग्लैंड के स्पिनर रेहान अहमद

लंदन। इंग्लैंड के युवा प्रतिभाशाली लेग स्पिनर रेहान अहमद फरवरी में दो टेस्ट की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा नहीं करेंगे और इसके बजाये फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव लेने के लिए टी20 लीग में हिस्सा लेंगे। रेहान मंगलवार को कराची में टेस्ट डेब्यू पर पांच विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। उन्होंने दूसरी पारी में पाकिस्तान के मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों का विकेट चटकाते हुए 48 रन देकर पांच विकेट लिए थे। इंग्लैंड टेस्ट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि कोच्चि में शुक्रवार को होने वाली आईपीएल नीलामी में अगर रेहान अहमद किसी टीम के द्वारा खरीदे जाते हैं तो यह शानदार होगा।

बच्चों को खिलाएं ये फूड्स, तेज चलेगा दिमाग

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि बच्चा पढ़ाई में अच्छा हो, खेल-कूद में अव्वल हो। यह तभी हो पाएगा जब बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेगा। आगे बढ़ने के लिए बच्चे का दिमाग तेज होना जरूरी है। अगर दिमाग काम करेंगे तभी तो बच्चा अच्छे से अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे पाएगा। दिमाग तेज करने के लिए ऐसे आहार खाने की जरूरत है, जो ब्रैन पॉवर को बढ़ाते है। यहां कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें बच्चों को खाने के लिए देना जरूरी है।

अंडा: अंडे में विटामिन बहुत अधिक मात्रा में होता है और इसके सेवन से दिमाग के सेल्स का विकास होता है। ज्यादा सेल्स होने पर बच्चे का दिमाग भी तेज चलता है। इसके सेवन से उनकी मेमोरी भी बढ़ती है और शारीरिक रूप से फिट रहने में भी मदद मिलती है।

दही : बच्चों को नियमित रूप से दही का सेवन कराना चाहिए। दही से दिमाग के सेल्स लचीले होते हैं। इससे दिमाग को सिग्नल लेने और उस पर तुरंत प्रतिक्रिया करने की क्षमता को बढ़ाता है।

मछली: मछली में बहुत अधिका मात्रा में विटामिन डी और ओमेगा 3 होता है। यह बच्चे की याद्दाश्त बढ़ाती है। इसमें बच्चे के दिमाग को विकसित करने के मिनरल्स पाएं जाते हैं।

स्ट्रॉबरी और ब्लूबेरी: दोनों ही बेरीज में एंटी ऑक्सीडेंट होता है जो कि दिमाग की कार्य करने की क्षमता को बढ़ाता है।

ड्राई फ्रुट्स: बच्चों को ड्राई फ्रूट्स खिलाने से दिमाग का विकास किया जा सकता है। बच्चों को दूध में भी इसे मिलाकर खिला सकते हैं। बच्चों के लिए रात को बादाम भिगोकर रखें और सुबह उन्हें छिलकर खिला दें।

ओट्स: दिमाग के लिए ईंधन का काम करता है ओट्स का सेवन। इसमें फाइबर भरपूर होते हैं। यह विटामिन ई, बी-विटामिंस, पोटेशियम और जिंक का अच्छा स्त्रोत है।

दूध: दूध में कैल्शियम की मात्रा बहुत अधिक होती है। यह बच्चों के शारीरिक विकास के लिए जरूरी है। दूध व दूध से बनी चीजों का सेवन करने से दिमागी रूप से बच्चों के विकास में मदद मिलती है।

पेरेंटिंग टिप्स : बिल्कुल भी अनदेखा न करें इसे

बच्चे को अनुशासित करने के लिए परिवार के सभी सदस्यों का एकमत होना ज़रूरी है। अगर कोई व्यक्ति उसे किसी गलती के लिए डांट रहा हो तो उस समय दूसरे को उसका बचाव नहीं करना चाहिए। उसके अच्छे कार्यों की प्रशंसा ज़रूर करें पर हर काम के बदले उसे रिश्वत के रूप में चीज़ें देने का वादा कभी न करें। अगर घर में दो बच्चे हों तो उनके लिए अलग-अलग चीज़ें लाने के बजाय उन्हें एक ही खिलौना दें। इससे उनमें सहज ढंग से शेयरिंग की भावना विकसित होगी और उनका व्यवहार भी अनुशासित रहेगा। उनके साथ रोज़ाना प्यार भरी बातचीत का समय ज़रूर निकालें।

बच्चों के लिए नुकसानदेह

आजकल ज्यादातर बच्चों के साथ ऐसी समस्या होती है क्योंकि महानगरों के एकल परिवार में रहने वाले कामकाजी माता-पिता के पास उनके लिए पर्याप्त समय नहीं होता। ऐसे में उन्हें खुश करने के लिए वे उनकी हर मांग तुरंत पूरी कर देते हैं। इससे बच्चे में ना सुनने की आदत विकसित नहीं हो पाती। वह पहले से ही यह मानकर चलता है कि पेरेंट्स उसकी हर बात मान लेंगे। ऐसे में जब कभी वे अपने बच्चे की कोई मांग पूरी नहीं करते तो रोते-चिल्लाते हुए वह अपनी नाराज़गी ज़ाहिर करता है। इसके अलावा पेरेंट्स का ओवर कंपन्सेट्री बिहेवियर भी बच्चों के लिए बहुत नुकसानदेह होता है। आजकल ज्यादातर पेरेंट्स यही सोचते हैं कि बचपन में मैं जिन चीज़ों के लिए तरसता था, अपने बच्चों को उनकी कमी महसूस नहीं होने दूंगा। इसीलिए जैसे ही बच्चा किसी चीज़ की फरमाइश करता है तो माता-पिता पल भर में ही उसे पूरी कर देते हैं।

दूसरों के सामने मनमानी

शुरुआत से ही पेरेंट्स का यह व्यवहार बच्चों को ज़िद्दी और अनुशासनहीन बना देता है। इसलिए जहां तक संभव हो बच्चों की हर मांग पूरी नहीं करनी चाहिए। मनोवैज्ञानिकों द्वारा किए कई अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि बदलते समय के साथ बच्चों के आईक्यू में तेज़ी से वृद्धि हो रही है। आज के बच्चे पहले की तुलना में ज्यादा बुद्धिमान हैं। इसीलिए वे बड़ों से अपनी बात मनवाने के तरीके भी बहुत जल्दी सीख जाते हैं। उन्हें यह मालूम होता है कि अगर मैं दूसरों के सामने रोना-चिल्लाना शुरू कर दूंगा तो इससे मेरे पेरेंट्स को शर्मिंदगी महसूस होगी और इससे बचने के लिए वे तुरंत मेरी बात मान लेंगे। इसलिए आपने भी नोटिस किया होगा कि कुछ बच्चे अकसर दूसरों के सामने मनमानी करते हैं। अगर छोटी उम्र से ही उन्हें अनुशासित किया जाए तो ऐसी परेशानी नहीं होती। जहां तक आपके बच्चे का सवाल है तो ज्यादा देर नहीं हुई है।

व्यवहार में सकारात्मक बदलाव

इससे वे रिश्तों के प्रति उदासीन हो जाते हैं। परिवार में बच्चे की पढ़ाई, खेलने और टीवी देखने के समय और खानपान की आदतों को लेकर कुछ स्पष्ट नियम बनाएं। अपने बेटे को समझाएं कि उसे हर हाल में उनका पालन करना ही होगा। अगर वह ऐसा नहीं करता तो उसके लिए खेलने, टीवी देखने के समय या पॉकेटमनी में कटौती जैसी सज़ा भी निर्धारित करें। इन प्रयासों से कुछ ही महीनों के बाद आपको उसके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव ज़रूर नज़र आएगा।

गैजेट्स के इस्तेमाल से दूर

आप अब भी सचेत हो जाएं। सबसे पहले उसके लिए परिवार में अनुशासन की निश्चित सीमा तय करें। उसे स्पष्ट रूप से समझा दें कि उसकी हर बात नहीं मानी जाएगी। अगर आप उसे किसी बात के लिए मना करती हैं तो उसकी वजह ज़रूर बताएं। किसी बात के लिए मना करने के बाद अगर वह रोने-चिल्लाने या ज़िद करने लगे तो परेशान होकर अपनी ना को हां में कभी न बदलें। इससे उसके मन में यह बात बैठ जाएगी कि मम्मी मुझे रोता हुआ नहीं देख पातीं। इससे हर बार अपनी ज़िद पूरी करवाने के लिए वह यही तरीका अपनाएगा। जहां तक संभव हो, उसे गैजेट्स के इस्तेमाल से दूर रखें। आईफोन और लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल करने वाले बच्चों के मन में यह भावना घर कर जाती है कि गैजेट्स की तरह लोग भी पल भर में मेरी हर बात मान लेंगे।

सर्दियों में पुरुष अपनी त्वचा से ऐसे हटाएं रूखापन

सर्दियों के मौसम में त्वचा में काफी रूखापन आ जाता है. ठंडी हवाएं चलने के कारण त्वचा की नमी चली जाती है. ऐसे में महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी अपनी त्वचा की देखभाल करनी चाहिए. पुरुषों को सर्दियों में त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए खास ध्यान देना चाहिए. त्वचा को सर्दियों में भी खुशनुमा रखने के लिए पुरुषों को ये उपाय अपनाने चाहिए.

1. अगर त्वचा ड्राइ है तो सर्दियों में इसे हाइड्रेट रखने की जरूरत होती है. त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए फेस मॉइश्चराइजर्सर का इस्तेमाल काफी फायदेमंद रहता है. इससे त्वचा में नमी बनी रहती है.
2. सर्दियों में पुरुषों को शेविंग करते समय सावधानी बरतनी चाहिए. सर्दियों में शेविंग के वक्त रेजर के इस्तेमाल से त्वचा और रूखी बन सकती है. इसके लिए सर्दियों में रेजर का इस्तेमाल ना करके ट्रिमर का इस्तेमाल करना चाहिए. इससे त्वचा के कटने का डर भी नहीं रहता है.
3. सर्दियों में हाथों के फटने की समस्या भी रहती है. सर्दियों में हाथों का भी खास ख्याल रखना चाहिए. इसके लिए अल्ट्रा मॉइश्चराइजिंग हैंड लोशन का इस्तेमाल करना फटे हाथों से राहत दिला सकता है.
4. सर्दियों में होंठ फटने की समस्या भी आम रहती है. इससे छुटकारा पाने के लिए होंठ पर लिप बाम का इस्तेमाल करना चाहिए. दिन में जब भी आपको लगे कि होंठ रूखे हो गए हैं तब आप लिप बाम का इस्तेमाल कर सकते हैं.
5. सर्दियों में सनस्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा के लिए काफी फायदेमंद रहता है. इससे त्वचा में नमी बनी रहती है.

सर्दियों में होने वाली छोटी-छोटी प्रॉब्लम को इन टिप्स से करें दूर

सर्दियों में रूसी, फटे होंठ, चेहरे-हाथों पर रूखापन और दाग-धब्बों की समस्या आम देखने को मिलती है। मौसम के बदलाव के साथ आप अपनी त्वचा की देखभाल में भी बदलाव कर देते है। इससे आपकी त्वचा और बालों को ज्यादा नुकसान होता है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिससे आप इस मौसम में भी खुद को खूबसूरत बनाए रख सकेत है। आइए जानते है सर्दियों में खास केयर के कुछ टिप्स।.

फटे होंठ : सर्दियों में बार-बार होंठ फटने वाली परेशानी से छुटकारा पाने के लिए इस पर रोजाना पैट्रोलियम जैली, लिप बाम और ऑलिव ऑयल से मसाज करें।

चेहरे की देखभाल : सर्दियों की हवा के कारण चेहरे पर रूखापन और दाग-धब्बे पड़ जाते है। ऐसे में इस मौसम में भी घर से बाहर निकलते समय मॉश्चराइजर लगाना ना भूले।

हाथों पैरों में रूखापन : मॉइश्चर और हाइड्रेशन की कमी के कारण सर्दियों में हाथ रूखे और एड़ियां फटने लग जाती है। ऐसे में रात को सोने से पहले नारियल तेल से हाथों-पैरों की मसाज करें।

बालों में रूसी : इस मौसम में गर्म पानी से सिर धोने पर रुसी जैसी परेशानी हो जाती है। गर्म की बजाए एंटी-डैंड्रफ शैंपू के साथ गुनगुने पानी से सिर धोएं। रूसी की समस्या दूर हो जाएगी।

नाक लाल : जुकाम के कारण नाक लाल होने पर त्वचा फटने लग जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए नाक पर गर्म तेल या मॉश्चराइजर से हल्की मसाज करें।

इन खेलों से बढ़ेगी बच्चों की मेमोरी पावर

बच्चों की पढ़ाई को लेकर मां-बाप को अक्सर टेंशन रहती है कि वह क्या करें, जिससे बच्चों का दिमागी कसरत होती रहे। बच्चों को एक जगह पर लगातार बैठ कर पढ़ाई करना बिल्कुल भी पसंद नहीं होता, ऐसे में कुछ स्मार्ट तरीके अपना कर उन्हें खेल-खेल में पढ़ाया जा सकता है। जिससे उनकी दिमागी कसरत भी हो जाएगी और यादाश्त भी बढ़ने लगेगी।

बच्चों को शब्दों से खेलें : क्या-क्या देखाङ्कबच्चों को घूमने का बहुत शौंक होता है और वह उन जगहों को भी अच्छे से याद रखते हैं, जहां पर मस्ती करते हैं। घर आने पर बच्चों को पूछें की आपने वहां पर क्या-क्या देखा और कौन से रंग आपको पसंद आए। यादाश्त बढ़ाने का यह आसान और बेहतरीन तरीका है।

खिलौनों से बढाएं मेमोरी -बच्चों के सामने खिलौने रख दें और उन्हें दाईं या बाईं और रखने के लिए कहें। बच्चे को गेंद फिर दाई ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहें। अगले दिन फिर से गेंद को दाई और रखने के लिए कहें।

बच्चों खिलौनों से बढाएं मेमोरी: इसी तरह 2-3 बार करें और अगले दिन गेंद को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चा दाई ओर ही जाएगा। इस तरह आप उसकी यादाश्त बढ़ा सकते हैं।

घर के कामों से दें एजुकेशन: बच्चो को घर के छोटे-छोटे काम करने को कहें। किचन में काम करते समय उन्हें चीजें पकड़ाने के लिए कहें। इससे सब्जियों और फलों के नाम बच्चों को याद रहेंगे।

घर के कामों से दें एजुकेशन : शब्दों से खेल एक पेपर पर अंग्रेजी के कुछ शब्द लिखें और बच्चों को इनमें से वॉवेल और छोटे-छोटे स्पैलिंग काटने के लिए कहें। इस तरह शब्दों के खेल से बच्चों का याद्दाशत बढ़ेगी।

सर्दियों में सेहत का सस्ता खजाना, रहें महफूज

सर्दियों में भूख भी तेज लगती है और खाया हुआ पचता भी है। बढ़ती ठंडक के साथ सेहत भी महफूज रहे, इसके लिए अभी से खान-पान में बदलाव शुरू कर दें। सर्दियों के सस्ते व आसानी से उपलब्ध सुपरफूड्स की जानकारी दे रही हैं स्वाति गौड़..

अदरक है गुणो का खान-

अदरक सिर्फ एक मसाला नहीं है। सेहत के लिए वरदान है। चाय में डाल कर पिएं, काढ़ा बनाएं या सब्जी में मसाले की तरह इस्तेमाल करें। इसमें भरपूर आयोडीन, कैल्शियम व विटामिन होते हैं। सूजन व दर्दकम करने के गुण होते हैं। यह शक्तिशाली एंटी वायरल भी है। कई आयुर्वेदिक दवाओं में इस्तेमाल किया जाता है। ' पेट की समस्याओं में लाभकारी होता है। गरिष्ठ भोजन खाने से होने वाला अपच दूर होता है और पाचन में सुधार होता है। अदरक के नियमित सेवन से कोलेस्ट्रॉल काबू में रहता है व रक्तसंचार ठीक रहता है। अदरक संक्रमण से बचाता है। अदरक में एंटी फंगल और कैंसर प्रतिरोधी गुण पाए जाते हैं। गठिया, सियाटिका, आर्थ्राइटिस गर्दन व रीढ़ की हड्डी के रोगों में इसका काढ़ा फायदा पहुंचाता है।

गजब है गाजर-

गाजर में बीटा-कैरोटीन भरपूर होता है, जिसे शरीर विटामिन-ए में बदल लेता है। गाजर को सलाद के रूप में खाएं या इसकी सब्जी बना कर, यह फायदेमंद होता है। दाम में कम और पोषक तत्वों का भंडार होने की वजह से इसे सुपरफूड कहा जाता है। टमाटर और चुकन्दर मिला कर इसका जूस पीना त्वचा के साथ आंखों के लिए फायदेमंद रहता है। गाजर में मौजूद विटामिन-ए शरीर को संक्रमण से दूर रखता है। सांस से जुड़े रोगों में फायदा होता है। इसमें मौजूद एंटी एजिंग तत्व असमय बुढ़ापा आने से रोकते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी और के, पोटैशियम व आयरन खांसी-जुकाम से लड़ने में मदद करते हैं। इनमें फाइबर अधिक होता है, जो पाचन सही रखता है

हरी पत्तेदार सब्जियां

सर्दियां सरसों के साग के अलावा पालक, मेथी, बथुआ, सोया और पत्तागोभी के स्वाद लेने का मौसम है। इनमें कैलरी न के बराबर होती है और पोषक तत्व प्रचुरता में होते हैं। सेहत और स्वाद दोनों की दृष्टि से लाजवाब होती हैं पत्तेदार सब्जियां। पालक सीमित मात्र में ही खाना चाहिए। इसमें भरपूर आयरन होता है, पर ज्यादा आयरन सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है। जिन्हें खून की कमी है, उन्हें सप्ताह में दो बार पालक जरूर

खाना चाहिए। पकाते समय पालक के डंठल भी इस्तेमाल करने चाहिए। ब्रोकली में बहुत से एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम व मैग्नीशियम प्रचुरता में होते हैं। इसके सेवन से लो ब्लड प्रेशर में राहत मिलती है। सरसों और मेथी में भरपूर कैल्शियम होता है। सरसों में फोलेट और विटामिन ईभी पर्याप्त मात्र में होता है। यह हड्डियों को मजबूत बना कर गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है। यह अस्थमा, दिल के रोगों व मीनोपॉज में भी फायदा पहुंचाता है।

गुणकारी गुड़-

तासीर में गर्म गुड़ को सर्दियों की मिठाई भी कह सकते हैं। सेहत और त्वचा दोनों के लिए यह फायदेमंद है। यह खून भी साफ करता है। मेटाबॉलिज्म धीमा नहीं पड़ने देता। गुड़ में कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम और कुछ मात्र में कॉपर भी पाया जाता है। चीनी की तुलना में इसमें पचास गुना ज्यादा खनिज पाए जाते हैं। मीठा होने के बावजूद यह वजन को नियंत्रित रखने में लाभकारी है। गुड़ शरीर से विषैले तत्व बाहर निकालने में मदद करता है। यह भूख के साथ-साथ खून भी बढ़ाता है। गुड़ खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती और स्मरण शक्ति तेज होती है। गर्म दूध के साथ इसका सेवन वजन को नियंत्रित रखने में बहुत मदद करता है।

सेहत से भरपूर खजूर-

सर्दियों में नियमित खजूर का सेवन न केवल शरीर को अंदर से गर्म रखता है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को मजबूत भी बनाते हैं। खजूर सुपाच्य होता है और इसमें फाइबर भी प्रचुर मात्र में होता है। इसमें वसा ना के बराबर होती है, इसलिए वजन बढ़ने की भी चिंता नहीं रहती। रोजाना दो से तीन खजूर हमारी फाइबर की रोजाना की छह प्रतिशत जरूरत को पूरा कर देते हैं। यह रक्त में हीमोग्लोबिन का सही स्तर बनाए रखता है। खजूर में विटामिन (ए, बी, के) के अलावा पोटैशियम और मैग्नीशियम प्रचुरता में होते हैं। खजूर दिल को दुरुस्त रखता है, बल्कि प्रोस्टेट, ब्रेस्ट और पेनक्रियाज के कैंसर से भी बचाव में सहायक है।

बलशाली बाजरा-

बाजरा बढ़ते बच्चों और बुजुर्गो के लिए फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम प्रचुर मात्र में पाया जाता है। कुछ लोग इसे गरीबों का अनाज या मोटा अनाज भी कहते हैं। गांव-देहात में खाया जाने वाला बाजरा अपने कमाल के गुणों के कारण आज सुपरफूड के रूप में पहचाना जाने लगा है। इसमें कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और फाइबर भारी मात्र में पाए जाते हैं। बाजरे की रोटी पचने में बहुत आसान होती है और इसमें ग्लूटन नहीं होता, इसलिए जिन लोगों को गेहूं के आटे से एलर्जी होती है, उनके लिए बाजरे की रोटी बहुत लाभकारी होती है। शुगर के मरीजों को भी बाजरा खाने की सलाह दी जाती है। किडनी में पथरी होने पर इसका सेवन नहीं करना चाहिए। बाजरे में प्रचुर मात्र में फाइबर होता है। यह कब्ज, गैस और अपच से छुटकारा दिलाता और पाचन तंत्र दुरुस्त रखता है। गेहूं और चावल की अपेक्षा बाजरे में कई गुना ज्यादा एनर्जी होती है और घी, धनिए व पुदीने की चटनी के साथ खाने से इसकी पौष्टिकता और स्वाद दोनों बढ़ जाते हैं।

टनाटन रखें तिल

तिल में मोनो-सैचुरेटेड फैटी एसिड होता है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल कम करता है, इसलिए दिल से जुड़ी बीमारियों में तिल फायदेमंद होते हैं। इसमें ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो तनाव और डिप्रेशन को कम करने में सहायक होते हैं। इनमें बी-कॉम्प्लेक्स, काबरेहाइड्रेट और प्रोटीन भी पाया जाता है, जो शरीर को आवश्यक ऊर्जा देते हैं। तिल लाल, काले और सफेद रंग में मिलते हैं। तिल के नियमित सेवन से रक्त का प्रवाह सही रहता है। तासीर गर्म होने के कारण सर्दियों में तिल के तेल की मालिश फायदा करती है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल तत्व घाव को जल्द भरने में मदद करते हैं। एग्जिमा और सोराइसिस जैसे त्वचा रोगों में भी यह फायदा पहुंचाता है।

हेल्दी रखे हल्दी

हल्दी को मसालों की रानी कहा जाता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल तत्व पाए जाते हैं। साथ ही प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-सी, विटामिन-के, पोटैशियम, कैल्शियम,आयरन, मैग्नीशियम और जिंक का भंडार होता है। हालांकि इसे सूखे मसाले के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कुछ लोग कच्ची हल्दी की सब्जी बनाकर भी खाते हैं। हल्दी का नियमित सेवन गठिया के रोग में बहुत आराम पहुंचाता है, क्योंकि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट भारी मात्र में पाए जाते हैं।

रेसिपी

गोभी के पकोड़े

सामग्री

पानी : जरूरत अनुसार, फूलगोभी(कटी हुई) : 300 ग्राम,मैदा : 150 ग्राम हल्दी : 1/2 छोटा चम्मच,नमक: 2 छोटे चम्मच चीनी: 3 छोटे चम्मच,कलौंजी: 1/2 छोटा चम्मच,खसखस: 1 छोटा चम्मच,हरी मिर्च : 2 छोटे चम्मच,तेल: 2 बड़े चम्मच,तेल : फ्राई करने के लिए

सेंधा नमक: गार्निशिंग के लिए

विधि

आंच पर एक बर्तन में पर्याप्त पानी डालकर उबाल लें। इसमें 300 ग्राम कटी हुई फूलगोभी डालकर ढक्कन के साथ कवर कर दें। फिर इसे 5-7 मिनट के लिए उबालें और निकालकर ठंडा करने के लिए रख दें। एक बाउल में 150 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी, 2 छोटे चम्मच नमक, 3 छोटा चम्मच चीनी, 1/2 छोटा चम्मच कलौंजी, 1 छोटा चम्मच खसखस, 2 छोटे चम्मच हरी मिर्च, 2 बड़े चम्मच तेल और 400 मिलीलीटर पानी डालकर एक गाढ़ा मिश्रण तैयार कर लें। अब गोभी को मैदे के तैयार मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से डिप करें। मध्यम आंच पर एक कढ़ाई में पर्याप्त तेल डालकर गर्म करें। इसमें गोभी को डालकर सुनहरा भूरा और खस्ता होने तक फ्राई करें। बाद में इसे अब्सॉर्बेंट पेपर पर निकाल लें। इसके बाद इस पर सेंधा नमक छिड़कें। आपके गोभी के पकोड़े तैयार हैं, इसे कैचअप के साथ गर्मा-गर्म परोसें।

हरे प्याज का पराठा

सामग्री

मैदा: 280 ग्राम, नमक- 3/4 छोटा चम्मच

चीनी: 1 छोटा चम्मच, गर्म पानी: 80 मिलीलीटर

शीत पानी: 70 मिलीलीटर,तेल:फ्राई करने के लिए

हरा प्याज: स्वादानुसार,तेल: ब्रश करने के लिए

विधि

एक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से परांठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर परांठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब परांठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)